* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

24 जुलाई, 2024
श्रावण, कृष्ण पक्ष, तृतीया
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
बुधवार, वर्ष 09, अंक 274

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

सबके बजट में विकसित भारत की झलक

- करदाताओं को राहत तो युवाओं को रोजगार
- महिलाओं को आत्मनिर्भर और किसानों को लाभ
- आर्थिक कॉरिडोर बनेंगे, तो ग्रामीण सड़क भी सुधरेंगे
- बिहार-आंध्र को विशेष पैकेज तो झारखंड को भी फायदा

केंद्रीय बजट 2024-25 संसद में पेश

बजट में एलान के बाद ये चीजें होंगी सस्ती

- कैंसर से जुड़ी तीन दवाओं पर कस्टम ड्यूटी हटायी गयी।
- एक्सरे ट्यूब, फ्लैट पैनल डिटेक्टर पर भी आयात शुल्क हटाया गया।
- मोबाइल फोन और पार्ट्स, पीसीबी और मोबाइल फोन चार्जर पर कस्टम ड्यूटी 15 फीसदी घटी।
- 25 आवश्यक खनिजों पर सीमा शुल्क नहीं।
- सोलर सेल और सोलर पैनल के निर्माण की वस्तु पर टैक्स में छूट।
- सोने और चांदी पर सीमा शुल्क घटा कर छह फीसदी किया गया। नतीजतन ज्वेलरी सस्ती होंगी।
- प्लैटिनम पर सीमा शुल्क घट कर अब 6.4 फीसदी हुआ।
- मछलियों और अन्य जलजीवों के भोजन पदार्थों पर आयात शुल्क पांच फीसदी करने का निर्णय।

इन चीजों के लिए चुकानी होगी ज्यादा कीमत

- पीवीसी फ्लेक्स बैनर का आयात करना महंगा होगा।
- कुछ दूरसंचार उपकरणों का आयात महंगा होगा। आधारभूत कस्टम ड्यूटी 10% से बढ़ा कर 15% की गयी।
- एक साल से ज्यादा तक रखे गये इक्विटी निवेश महंगे होंगे। टैक्स 15% से 20% किया गया।
- एक साल से ज्यादा रखे गये शेयर महंगे होंगे। टैक्स 10 फीसदी से बढ़ा कर 12.5% किया गया।
- अमोनियम नाइट्रेट पर आयात शुल्क 10 फीसदी बढ़ाया गया।
- खुद से नष्ट न होनेवाले प्लास्टिक महंगे होंगे। आयात शुल्क 25 फीसदी बढ़ाया गया।

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को संसद में वित्तीय वर्ष 2024-25 का बजट पेश किया। इसे सबका बजट और सबके लिए बजट कहा जा सकता है। इसमें मिडिल क्लास को राहत देने का प्रयास किया गया है। करदाताओं को थोड़ी राहत मिली है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया गया है, तो युवाओं को इंटर्नशिप और रोजगार का तोहफा दिया गया है। किसानों के लिए राहत की बात है, तो कारोबारियों के लिए मुद्रा लोन को बढ़ा दिया गया है। बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष पैकेज दिया गया, तो झारखंड को भी फायदा दिख रहा है। इतना ही नहीं, बजट में विकसित भारत की झलक भी दिख रही है, जिसे सरकार की नौ प्राथमिकताओं के रूप में आंका जा सकता है।

वित्तीय घाटा 4.9 फीसदी दिखाया गया: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट अनुमान जो पेश किया है, उसके अनुसार 32.07 लाख करोड़ रुपये ऋण को छोड़कर प्राप्त होंगी। वहीं, कुल व्यय 48.21 लाख करोड़ रुपये का अनुमान है। सकल कर से प्राप्ति 25.83 लाख करोड़ रुपये है, तो वित्तीय घाटा जीडीपी का 4.9 प्रतिशत का अनुमान है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य घाटे को अगले साल 4.5 प्रतिशत से नीचे लाना है। मुद्रास्फीति कम, स्थायी और 4 प्रतिशत के लक्ष्य की ओर जारी है। कोर मुद्रास्फीति (गैर-खाद्य, गैर-ईंधन) 3.1 प्रतिशत है।

करदाताओं को मिलेगा लाभ: वित्त मंत्री ने करीब चार करोड़ लोगों को टैक्स से जुड़े लाभ होने की बात कही है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार करों को सरल बनाने, करदाता सेवाओं में सुधार करने, कर निश्चितता प्रदान करने और मुकदमेबाजी कम करने के प्रयासों को जारी रखेगी। वित्त मंत्री के अनुसार नये एलानों से चार करोड़ लोगों को नयी कर प्रणाली में 17,500 रुपये तक का लाभ होगा। वित्त मंत्री ने पेंशनभोगियों के लिए पारिवारिक पेंशन पर कटौती 15000 रुपये से बढ़ाकर 25000 रुपये कर दिया है। सरकार के इस फैसले से देश के वरिष्ठ नागरिकों को लाभ मिलेगा।

हर वर्ग को बजट में रखा गया ध्यान : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि बजट में हर वर्ग पर ध्यान दिया गया है। युवा, महिला, किसान, मध्यम वर्ग सभी को बजट से लाभ होगा। सीतारमण ने कहा कि 4.1 करोड़ युवाओं के लिए पांच साल में रोजगार-कौशल और अन्य अवसरों के लिए पांच योजनाओं की पहल की जा रही है। एग्रीकल्चर और उससे जुड़े सेक्टरों के लिए 1.52 लाख करोड़ दिये, जिसका लाभा किसानों को होगा। मुद्रा लोन की लिमिट को बढ़ा कर दोगुना कर दिया गया है। महिलाओं के लिए 3 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। वित्त मंत्री ने एंजेल टैक्स खत्म करने की घोषणा की। इसका लाभ स्टार्टअप्स कंपनियों को मिलेगा। पीएम सूर्योदय योजना पर बजट में बल दिया गया है, जिससे लोगों को 300 यूनिट तक बिजली मुफ्त मिल सकेगी। वहीं गरीबों को घर बनाने, पीएम जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, पूर्वोदय योजना समेत अन्य योजनाओं पर बल दिया गया है। **(पेज 2, 4, 5 भी देखें)**

विकसित भारत की दिशा में नौ प्राथमिकताएं

1. कृषि में उत्पादकता और अनुकूलनीयता
2. रोजगार और कौशल प्रशिक्षण
3. समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय, 4. अगली पीढ़ी के सुधार
5. विनिर्माण और सेवाएं, 6. शहरी विकास
7. ऊर्जा सुरक्षा, 8. अवसंरचना
9. नवाचार, अनुसंधान और विकास

आम बजट से झारखंड को भी मिलेगा लाभ

आदिवासी परिवारों के लिए जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान

- पूर्वोदय योजना का भी लाभ मिलेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। केंद्रीय बजट 2024-25 में बिहार और आंध्रप्रदेश को काफी लाभ मिला है। झारखंड जैसे राज्यों को भी लाभ होगा। आदिवासी समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान शुरू किया जायेगा। आदिवासी परिवारों के लिए आदिवासी-बहुल गांव और आकांक्षी जिलों में संतृप्ति कवरेज को अपनाया जायेगा। इसमें 63,000 गांवों को शामिल किया जायेगा, जिससे पांच करोड़ आदिवासी लोगों को इसका लाभ मिलेगा। इसका लाभ झारखंड को भी मिलेगा। वहीं, पूर्वोत्तर के राज्यों के विकास के लिए पूर्वोदय योजना की भी घोषणा की गयी है। मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि केंद्र सरकार झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओड़िशा और आंध्रप्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्वोदय योजना तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पूर्वी क्षेत्र में विकास के लिए औद्योगिक गलियारे का समर्थन करेगी।

भूमि सुधार और कार्रवाई का प्रस्ताव

केंद्रीय बजट 2024-25 में भूमि संबंधी सुधार और कार्रवाई के लिए प्रस्ताव है। इससे झारखंड जैसे आदिवासी बहुल राज्यों को फायदा मिलेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में सभी लैंड को विशिष्ट भूमि पार्सल पहचान संख्या सौंपी जायेगी। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि रजिस्ट्री स्थापित की जायेगी। इसके साथ ही ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में भूमि प्रशासन, शहरी नियोजन, उपयोग और भवन उपनियमों में सुधार होगा।

महिला नेतृत्व में विकास पर फोकस, तीन करोड़ आवास

लड़कियों और महिलाओं के आर्थिक विकास में उनकी भूमिका बढ़ानेवाली योजनाओं के लिए तीन लाख करोड़ से अधिक आवंटन किया गया है। इन घोषणाओं से देशभर में रहनेवाले आदिवासी समुदाय के लोगों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में तीन करोड़ अतिरिक्त घरों की घोषणा की गयी हैं।

मोदी सरकार के बजट 2024 की 24 मुख्य बातें

1. नयी टैक्स रिजीम में बदलाव, 7.75 लाख रुपये तक की इनकम टैक्स फ्री।
2. मोबाइल फोन और सोना-चांदी सस्ते होंगे।
3. एम्प्लॉई और एम्प्लॉयर्स के लिए रोजगार से जुड़ी तीन स्कीम।
4. कृषि क्षेत्र (एग्रीकल्चर) के लिए 1.52 लाख करोड़।
5. एक करोड़ युवाओं के लिए इंटर्नशिप प्रोग्राम का एलान।
6. मुद्रा लोन की लिमिट दोगुनी हुई।
7. महिलाओं के लिए 3 लाख करोड़ रुपये का आवंटन।
8. नालंदा को पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देगी सरकार।
9. सरकार ने एंजेल टैक्स खत्म किया, स्टार्टअप्स को राहत मिलेगी।
10. फ्यूचर एंड ऑप्शन पर एसटीटी टैक्स बढ़ाया।
11. बिहार एयरपोर्ट, मेडिकल कॉलेज और स्पोर्ट इंफ्रा का प्रस्ताव।
12. आंध्रप्रदेश के लिए इंडस्ट्रियल कॉरिडोर भी बनेगा।
13. 4.54 लाख करोड़ रुपये का बजट डिफेंस के लिए।
14. एक करोड़ लोगों को हर महीने 300 यूनिट तक फ्री बिजली फॉर्मूला।
15. एक करोड़ गरीब और मध्यम वर्ग परिवारों के लिए घर बनेंगे।
16. लांग टर्म कैपिटल गेन की छूट 1 लाख से बढ़ा कर 1.25 लाख।
17. हायर एजुकेशन के लिए छात्रों को मदद।
18. पीएम जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान।
19. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत मौसम अनुकूल सड़कें बनेंगी।
20. पूर्वी क्षेत्र के विकास के लिए 'पूर्वोदय' योजना।
21. मनरेगा अलॉकेशन में कोई बदलाव नहीं हुआ।
22. एमएसएमइ इंटरनेशनल मार्केट में प्रोडक्ट बेच सकेंगे।
23. ऑनलाइन सामान बेचनेवाले ट्रेडर्स पर अब कम टैक्स।
24. नाबालिगों के लिए एनपीएस वात्सल्य स्कीम की घोषणा।

और निर्मला सीतारमण ने बनाया रिकॉर्ड

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट पेश कर दिया। ये लगातार सातवीं बार है, जब निर्मला सीतारमण ने बजट पेश किया। इसके साथ ही निर्मला सीतारमण ने रिकॉर्ड भी बना लिया। इससे पहले फरवरी में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अंतरिम बजट पेश किया था। हालांकि पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने अब तक सबसे ज्यादा 10 बार बजट पेश किया है। 1962 से 1969 तक मोरारजी देसाई वित्त मंत्री थे। उनके बाद पी. चिदंबरम ने नौ बार और प्रणब मुखर्जी ने आठ बार बजट पेश किया है।

40 हजार करोड़ के बदले कितना ले रहे : हेमंत सोरेन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। केंद्रीय बजट मंगलवार को संसद में पेश हो गया। इस पर सभी की नजर टिकी हुई थी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बजट को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने मीडिया के सवाल पर कहा कि 40 हजार करोड़ रुपये के बदले कभी यह नहीं बाताया कि कितना ले रहे हैं। दरअसल मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन में एक कार्यक्रम के बाद मीडिया से बात कर रहे थे। इसी दौरान पत्रकारों ने उनसे केंद्रीय बजट के बारे में पूछा। हेमंत सोरेन ने कहा कि इस संबंध में थोड़ी और जानकारी आने के बाद कुछ कहूंगा। इसी दौरान उनसे पूछा गया कि राज्य को 40 हजार करोड़ रुपये देने की बात है। इस पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि 40 हजार करोड़ रुपये किस हिसाब से दिये जा रहे हैं। उसके बदले में कितना ले रहे हैं। यह उन्होंने बताया है क्या?

कुर्सी बचाओ बजट, सरकार बचाओ योजना: राहुल गांधी

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार के बजट को लेकर विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इसे 'कुर्सी बचाओ' करार दिया। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बजट के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए इसे कुर्सी बचाओ बजट बताया। उन्होंने कहा कि बजट के जरिए सहयोगियों को खुश करने की कोशिश की गयी, जबकि अन्य राज्यों की कीमत पर उनसे खोखले वादे किये। बजट के जरिये मित्रों को खुश किया गया। अअ (अडाणी-अंबानी) को फायदा, लेकिन आम भारतीयों को कोई राहत नहीं। साथ ही ये बजट कांग्रेस के घोषणापत्र और पिछले बजट का कॉपी पेस्ट है।

वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कांग्रेस के न्याय के एजेंडे को ठीक तरह से कॉपी भी नहीं कर पाया मोदी सरकार का 'नकलची बजट!' मोदी सरकार का बजट अपने गठबंधन के साथियों को ठगने के लिए आधी-अधूरी 'रेवड़ियां' बांट रहा है, ताकि एनडीए बची रहे। ये 'देश की तरक्की' का बजट नहीं, 'मोदी सरकार बचाओ' बजट है।

युवाओं-मध्यम वर्ग को मिलेगी नयी ताकत : मोदी

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बजट में किये गये प्रावधानों पर खुशी जतायी। उन्होंने कहा कि यह बजट देश को समृद्धि की ओर लेकर जायेगा। इस बजट में समाज के सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है। ये शक्ति देनेवाला बजट है। ये किसानों-युवाओं को प्रगति की राह पर ले जानावाला बजट है। पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। ये उनकी आर्थिक प्रगति में निरंतरता का बजट है। ये युवाओं को अनगिनत मौके देनेवाला बजट है। इस बजट से मिडिल क्लास को नयी ताकत मिलेगी। ये जनजातीय समाज, दलित, पिछड़ों को सशक्त करने की मजबूत योजनाओं के साथ आया है। इस बजट से महिलाओं की आर्थिक भागीदारी सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बजट से व्यापारियों, लघु उद्योगों को प्रगति का नया रास्ता मिलेगा। बजट में उत्पादन पर भी बल है, इन्फ्रास्ट्रक्चर पर भी बल है। इससे आर्थिक विकास को गति मिलेगी और गति को भी निरंतरता मिलेगी। रोजगार और स्वरोजगारों को पैदा करना हमारी सरकार की पहचान रही है। आज का बजट इसे और सुदृढ़ करता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बजट में सरकार ने एमप्लॉयमेंट लिंक्ड इंसेंटिव का एलान किया है। इस योजना के तहत जीवन में पहली नौकरी पानेवाले युवा की पहली तनख्वाह हमारी सरकार देगी। कौशल विकास और उच्च शिक्षा के लिए मदद हो या फिर एक करोड़ नौजवानों को इंटर्नशिप की योजना, इसे युवाओं के, गरीब के, मेरे बेटे-बेटी, देश की टॉप कंपनियों में काम करेंगे। उनके लिए संभावनाओं के नये द्वार खुलेंगे। उन्होंने कहा कि हमें हर शहर, हर गांव, हर घर आंत्रप्रेन्योर्स बनाने हैं। हमने बिना गारंटी मुद्रा लोन की लिमिट बढ़ा कर 10 लाख से 20 लाख किया गया है। इससे पिछड़े, दलितों, आदिवासियों को लाभ मिलेगा। हम मिल कर देश को औद्योगिक हब बनायेंगे। देश का एमएसएमई सेक्टर देश का केंद्र बना है। छोटे उद्योगों की बड़ी ताकत हमारा अहम कदम है। इस बजट में उनके लिए इज ऑफ क्रेडिट बढ़ाने का इंतजाम किया गया है।

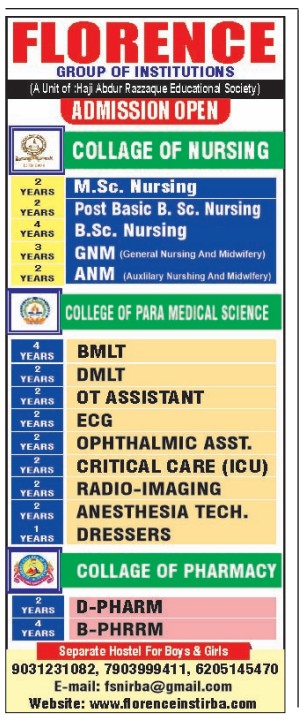

मोदी 3.0 के पहले बजट में झारखंड को बहुत कुछ मिला

■ बिहार-आंध्रप्रदेश के अलावा पूर्वी भारत पर भी मेहरबान हुई मोदी सरकार

■ युवाओं और किसानों के साथ आम लोगों की उम्मीदों को भी मिली उड़ान

■ विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में अहम कदम है बजट

मोदी 3.0 सरकार का पहला बजट कई मायनों में खास रहा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में पेश इस बजट में हाल के वर्षों में पहली बार झारखंड को कई तोहफे मिले, तो बिहार और आंध्रप्रदेश समेत पूर्वी भारत के समन्वित विकास का ब्लूप्रिंट भी देखने को मिला। बिहार और आंध्रप्रदेश को जिस विशेष पैकेज की उम्मीद थी, वह तो मिला ही, साथ ही बजट को देश के युवाओं और किसानों के हितों के लिए फोकस रखा गया। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह बजट भारत की आजादी के शताब्दी वर्ष यानी 2047 को ध्यान में रख कर बनाया गया है, ऐसा लगता है कि इसमें पिछले 10 साल की आर्थिक नीतियों से अलग हटने में गुरेज नहीं किया गया है। इसलिए इस बजट को मजबूत भारत के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में उठाया गया कदम कहना बिलकुल जायज होगा। देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जानेवाले मध्य वर्ग और नौकरीपेशा के लिए भी बजट में बहुत कुछ है, जिससे साबित होता है कि मोदी 3.0 सरकार अपने मूल मंत्र 'सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास' पर मजबूती से कदम बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार है। देश के औद्योगिक विकास को गति देने के साथ लघु और मध्यम उद्योग को कई तरह की छूट देकर बजट में नया प्रयोग किया गया है। इसके साथ ही बेरोजगारी और महंगाई पर नियंत्रण के उपायों को रेखांकित कर केंद्र सरकार ने इन मुद्दों को अपनी प्राथमिकता सूची में रखा है। मोदी 3.0 सरकार के पहले बजट में झारखंड को क्या मिला और क्या है इस बजट की दूसरी खासियत, बता रहे हैं **आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

आजाद सिपाही विशेष

राकेश सिंह

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को लगातार सातवीं बार आम बजट पेश किया। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत में ही कह दिया कि हमारा ध्यान गरीब, महिलाएं, युवा और अन्नदाता पर है। यानी वे चार जातियां, जिनका जिक्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करते आये हैं। बजट 2024-25 में इन चार जातियों के लिए खूब सारे प्रावधान हैं। नौकरियों की भी खूब बात की गयी है। उद्योगों और स्टार्ट-अप के लिए बड़ी घोषणाएं की गयी हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि एक आम भारतीय की जिंदगी को यह बजट किस तरह प्रभावित करने वाला है।

बजट में झारखंड को क्या मिला

सबसे पहले बात झारखंड की, जहां इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। यहां भाजपा दोबारा सत्ता हासिल करना चाहती है। इसलिए निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में झारखंड को कई तोहफे दिये। वित्त मंत्री बताया कि केंद्र सरकार झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए 'पूर्वोदय' योजना तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि पूर्वोदय के तहत पूर्वी राज्यों में मानव संसाधन विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर और आर्थिक विकास के अवसरों के सृजन पर काम किया जायेगा, ताकि विकसित भारत में पूर्वी भारत के राज्य इंजन बन सकें। केंद्र सरकार पूर्वी क्षेत्र में विकास के लिए औद्योगिक गलियारे का समर्थन करेगी।

पीएम जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान की होगी शुरुआत

इसके अलावा आदिवासी समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान शुरू किया जायेगा। यह योजना आदिवासी-बहुल गांवों और आकांक्षी जिलों में आदिवासी परिवारों के लिए संतृप्ति कवरेज को अपनायेगी। इससे 63 हजार गांवों को कवर किया जायेगा, जिससे पांच करोड़ आदिवासी लोगों को लाभ होगा।

कई रेल परियोजनाओं को मिला विस्तार

बजट में झारखंड की पुरानी रेल परियोजनाओं के विस्तार का एलान किया गया है। इसके तहत कई किलोमीटर रेल लाइन के विस्तार की योजना है। इसके तहत एक हजार करोड़ रुपये से गोइलकेरा-मनोहरपुर तीसरी लाइन का 40 किलोमीटर विस्तार किया जायेगा। ढाई सौ करोड़ रुपये से बंडामुंडा-रांची रेल लाइन का 58 किलोमीटर का विस्तार किया जायेगा। 950 करोड़ रुपये में रांची-लोहरदगा-टोरी का 113 किलोमीटर विस्तार किया जायेगा। साथ ही मुरी-बरकाकाना की 58 किलोमीटर रेल लाइन का दोहरीकरण किया जायेगा। राजखरसावां-सीनी तीसरी लाइन के विस्तार की भी योजना है। इसके अलावा और भी कई परियोजनाओं को विस्तार मिला है।

महंगाई बढ़ने की कोई संभावना नहीं

अब बात महंगाई की, जिससे आम आदमी सीधे प्रभावित होता है। इस बजट में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, जिससे महंगाई दर बढ़ने या घटने का दावा किया जा सकता है। इस समय खाद्य पदार्थों की महंगाई दर जरूर बढ़ी हुई है, लेकिन सामान्य मानसून के आसार दिख रहे हैं। इससे आने वाले समय में सरकार को खाद्य महंगाई दर को सीमित रखने में मदद मिलेगी। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट कह रही है कि महंगाई दर लंबे समय तक उच्च स्तर पर कायम नहीं रहेगी। इसमें गिरावट आयेगी। सस्ता और महंगा होनेवाले सामान सरकार ने अप्रत्यक्ष कर दरों में कुछ बदलाव किये हैं, जिससे कैंसर की तीन दवाएं, एक्सरे ट्यूब, फ्लैट पैनल डिटेक्टर सस्ते होंगे। इसी तरह मोबाइल फोन पर कस्टम ड्यूटी 15 फीसदी घटी है तो वे सस्ते होंगे। सोना और चांदी भी कस्टम ड्यूटी छह प्रतिशत घटने से सस्ते होंगे। प्लेटिनम भी सस्ता होगा। सोलर सेल और सोलर पैनल के निर्माण को सस्ता बनाया गया है। साथ ही प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना शुरू की गयी है। छतों पर सोलर पैनल लगाने से एक करोड़ परिवारों को हर महीने तीन सौ यूनिट तक बिजली मुफ्त मिलेगी।

आयकर के स्लैब में बदलाव से राहत

देश में सर्वाधिक टैक्स देनेवाले वेतनभोगी वर्ग के लिए बजट में वैसे तो कोई खास राहत नहीं है, लेकिन यदि कोई करदाता नयी स्कीम के तहत रिटर्न फाइल कर रहा है, तो उसको 17 हजार पांच सौ रुपये तक बचत हो सकती है। सरकार ने जो भी बदलाव किये हैं, वे नयी स्कीम में किये हैं। वेतनभोगियों में स्टैंडर्ड डिडक्शन को 50 से बढ़ाकर 75 हजार किया गया है। इसी तरह स्लैब में भी बदलाव किया गया है। तीन लाख रुपये तक कोई टैक्स नहीं लगेगा। तीन से सात लाख रुपये तक पांच प्रतिशत टैक्स लगेगा। सात से 10 लाख रुपये तक 10 प्रतिशत टैक्स लगेगा। 10 से 12 लाख रुपये तक 15 प्रतिशत टैक्स लगेगा। 12 से 15 लाख रुपये तक 20 प्रतिशत टैक्स लगेगा। 15 लाख रुपये से अधिक आय पर 30 प्रतिशत टैक्स देना होगा। इन बदलावों से अधिकतम 17 हजार पांच सौ रुपये तक की बचत होगी। इसका मतलब है कि पुरानी टैक्स स्कीम के तहत जो लोग रिटर्न फाइल कर रहे हैं, उनकी बचत पर कोई खास अंतर नहीं पड़ेगा। न तो होम लोन पर चुकाने वाले ब्याज पर कोई राहत दी गयी है और न ही 80(सी) के तहत मिलने वाली डेढ़ लाख रुपये की सीमा को बढ़ाया गया है। सीधी बात है कि सरकार चाहती है कि पुरानी स्कीम के बजाय लोग नयी स्कीम को अपनायें। पिछले साल सरकार ने नयी स्कीम को डिफॉल्ट स्कीम बना दिया था, यानी कोई यदि नयी या पुरानी में से कोई स्कीम नहीं चुनता है, तो वह खुद-ब-खुद नयी स्कीम का करदाता हो जायेगा। सरकार ने अब नयी और पुरानी व्यवस्था में टैक्स करीब-करीब बराबरी पर ला दिया है।

आयकर के बारे में सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि 8.58 करोड़ रिटर्न फाइल होते हैं। इसमें से सिर्फ दो करोड़ ही टैक्स देते हैं। फाइल होने वाले 86 प्रतिशत रिटर्न में आमदनी 10 लाख रुपये से कम की है। इसका मतलब है कि 14 प्रतिशत लोग ही 10 लाख रुपये से अधिक की आय वाले हैं।

सरकार खर्च को प्रोत्साहित करने के पक्ष में

बजट से एक बात साफ है कि सरकार चाहती है कि लोग पैसा बचाने की बजाय खर्च करने के विकल्प को चुनें। आयकर की नयी स्कीम इसी मंत्र को आगे बढ़ाती है। आयकर में बचत के लिए जो राहत प्रदान की जाती है, उसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। यदि लोग अपनी बचत को शेयर बाजार में निवेश करते हैं, तो वह भी आकर्षक नहीं रह गया है। सरकार ने लघु अवधि पूंजीगत आय और दीर्घ अवधि पूंजीगत आय के नियमों में बड़े बदलाव किएयेहैं। इसके अलावा हर लेन-देन पर लगने वाला एसटीटी भी बढ़ाया गया है।

रोजगार के अवसर सृजित होंगे

बजट प्रावधानों से संकेत मिलता है कि सरकारी नौकरियां तो नहीं, लेकिन निजी नौकरियों में इजाफा होगा। वह भी विनिर्माण क्षेत्र में। सरकार का पूरा फोकस विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के उद्यमियों को मदद करने वाला दिख रहा है। एक करोड़ युवाओं को पांच साल में टॉप-500 कंपनियों में इंटर्नशिप का मौका देने की बात बजट में की गयी है। इसके तहत युवाओं को हर महीने पांच हजार रुपये का भत्ता दिया जायेगा। कंपनियों को सीएसआर के तहत 10 प्रतिशत राशि का भार उठाना पड़ेगा। राज्य सरकारों और उद्योगों के साथ मिलकर कौशल और सहयोग के लिए पांच साल की अवधि में 20 लाख युवाओं को कुशल बनाने का लक्ष्य है। एक हजार आइटीआइ को हब एंड स्पोक सिस्टम में अपग्रेड करने की बात भी बजट में है।

बजट का सबसे गेमचेंजर प्रावधान

बजट की सबसे पहली खासियत एक लाख रुपये तक के वेतन वाले सभी नये कर्मचारियों से जुड़ी है। अधिकतम 15 हजार रुपये एक महीने के वेतन के तौर पर डीबीटी के तहत ट्रांसफर किये जायेंगे। इपीएफओ में पंजीकृत नये लोगों को यह मदद मिलेगी। खास बात यह है कि यह राशि उन्हें ही मिलेगी, जिनका वेतन एक लाख रुपये प्रतिमाह से कम होगा। इस योजना से 2.10 करोड़ युवाओं को फायदा मिलने की उम्मीद की जा रही है। नयी भर्ती करने पर कंपनियों को इपीएफओ योगदान में दो साल तक हर महीने तीन हजार रुपये तक की प्रतिपूर्ति भी मिलेगी। उम्मीद की जा रही है कि 50 लाख नयी नौकरियां आयेंगी। महिलाओं की वर्क फोर्स में भागीदारी बढ़ाने के लिए हॉस्टल बनाने पर भी काम होगा। इसी तरह औद्योगिक क्षेत्रों में डोरमेटरी की तर्ज पर किराये पर रहने के लिए आवासीय योजना पर भी पीपीपी मॉडल के तहत काम होगा।

सच होगा घर खरीदने का सपना

बजट प्रावधानों के अनुसार स्टांप ड्यूटी कम होगी, तो घर की लागत कम होगी। सरकार महिलाओं के नाम पर संपत्ति खरीदने को प्रोत्साहित कर रही है। महिलाओं के नाम पर संपत्ति खरीदने पर स्टांप ड्यूटी में छूट देने का आग्रह वित्त मंत्री ने राज्य सरकारों से किया है। यदि राज्य सरकार केंद्र के आग्रह को मान लेती है, तो संपत्ति खरीदने की लागत कम होगी। इससे यह एक अच्छा निवेश विकल्प बनेगा। कुल मिला कर यह बजट मजबूत भारत की वह तस्वीर पेश करता है, जिसका जिक्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार-बार किया है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए देश को तैयार करने की दिशा में यह बजट निश्चित तौर पर एक महत्वपूर्ण कदम है।

नयी कर प्रणाली में 17500 रुपये तक का फायदा

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पूर्ण केंद्रीय बजट मंगलवार को लोकसभा में पेश कर दिया गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने अंतरिम बजट भाषण के दौरान टैक्सेशन से जुड़ा कोई बड़ा बदलाव नहीं किया था, लेकिन इस बार उन्होंने कुछ अहम एलान किये हैं। वित्त मंत्री ने करीब चार करोड़ लोगों को टैक्स से जुड़े लाभ होने की बात कही है। इस बार अपने बजट भाषण में वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार करों को सरल बनाने, करदाता सेवाओं में सुधार करने, कर निश्चितता प्रदान करने और मुकदमेबाजी कम करने के प्रयासों को जारी रखेगी।

नयी कर प्रणाली के तहत टैक्स स्लैब में बदलाव का एलान : इस बार वित्त मंत्री ने नयी कर प्रणाली में तीन से सात लाख रुपये तक 5% कर का प्रावधान किया है। वित्त मंत्री ने बजट भाषण में कहा कि तीन लाख रुपये तक की आमदनी पर करदाताओं को कोई टैक्स नहीं देना होगा। सात से दास लाख रुपये तक की आमदनी वालों के लिए 10% टैक्स का प्रावधान किया गया है। वित्त मंत्री के अनुसार नये एलानों से चार करोड़ लोगों को नयी कर प्रणाली में 17,500 रुपये तक का लाभ होगा। वित्त मंत्री ने पेंशनभोगियों के लिए पारिवारिक पेंशन पर कटौती 15000 रुपये से बढ़ाकर 25000 रुपये कर दिया है। सरकार के इस फैसले से देश के वरिष्ठ नागरिकों को लाभ मिलेगा।

विवाद से विश्वास योजना 2024 लाने की तैयारी : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि मध्यम और उच्च मध्यम वर्ग के लिए कुछ वित्तीय परिसंपत्तियों पर पूंजीगत लाभ छूट सीमा को बढ़ाकर 1.25 लाख रुपये सालाना करने की योजना है। उन्होंने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बजट पेश करते हुए वायदा एवं विकल्प प्रतिभूतियों के मामले में प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) 0.02 प्रतिशत और 0.1 प्रतिशत बढ़ाने का प्रस्ताव किया। सीतारमण ने कहा कि शेयर पुनर्खरीद से होने वाली आय पर कर लगेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि कर विवाद कम करने के लिए सरकार विवाद से विश्वास योजना 2024 लाने की तैयारी कर रही है।

वित्त मंत्री ने एंजल टैक्स हटाने का किया एलान : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्टार्टअप्स में सभी वर्ग के निवेशकों के लिए 'एंजल कर' (एंजल टैक्स) समाप्त करने की घोषणा की। अपने बजट भाषण में उन्होंने ई-कॉमर्स कंपनियों तथा दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ के संदर्भ में कुछ वित्तीय साधनों के लिए कर दरों में विभिन्न बदलावों की भी घोषणा की।

स्टैंडर्ड डिडक्शन से लेकर स्लैब तक में बड़े बदलाव

पहले	अब	टैक्स की दर
₹3 लाख तक	₹3 लाख तक	शून्य
₹3 से 6 लाख तक	₹3 से 7 लाख तक	5%
₹6 से 9 लाख तक	₹7 से 10 लाख तक	10%
₹9 से 12 लाख तक	₹10 से 12 लाख तक	15%
₹12 से 15 लाख तक	₹12 से 15 लाख तक	20%
₹15 लाख से ऊपर	₹15 लाख से ऊपर	30

करों पर क्या बोलीं वित्त मंत्री

- चैरिटी के मामलों में दो अलग-अलग व्यवस्थाओं की जगह एक कर छूट व्यवस्था होगी।
- न्यू टैक्स रिजीम में स्टैंडर्ड डिडक्शन 50 हजार से बढ़ाकर 75 कर दिया गया है।
- विभिन्न भुगतान के लिए पांच फीसदी टीडीएस की जगह दो फीसदी टीडीएस की व्यवस्था होगा।
- म्यूच्युअल फंड्स या यूटीआई के री-पर्चेस पर 20 फीसदी टीडीएस को वापस ले लिया गया है।
- ईकॉमर्स ऑपरेटर्स के लिए टीडीएस को एक फीसदी से घटाकर 0.1 फीसदी कर दिया गया है।
- टैक्स समाधान के लिए जन विश्वास-2.0 पर काम जारी है
- म्युचुअल फंड के रिपरचेज पर टीडीएस खत्म
- -8-8 -8 : -8 ए138
- इनकम टैक्स कानून की छह महीने में समीक्षा करेंगे
- एंजेल टैक्स हटाया

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	27.8 ℃	24.7 ℃
सूर्यास्त (आज)	:	18.35 बजे
सूर्योदय (कल)	:	05.15 बजे

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 24 जुलाई, 2024
www.azadsipahi.in

तोहफा : सीएम ने दिया 183 को नियुक्ति पत्र, अभ्यर्थियों के खिले चेहरे

विकास में महत्वपूर्ण कड़ी बनेंगे युवा: हेमंत

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के हाथों मंगलवार को नियुक्ति पत्र पाकर 183 अभ्यर्थियों के चेहरे खिल गये। मंत्रालय स्थित सभागार में आयोजित समारोह में विभिन्न विभागों में चयनित असिस्टेंट टाउन प्लानर, जूनियर इंजीनियर, मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर, माइनिंग इंस्पेक्टर, जूनियर इंजीनियर इलेक्ट्रिकल, स्ट्रीट लाइट इंस्पेक्टर, पाइपलाइन इंस्पेक्टर के पद पर चयनित को नियुक्ति पत्र सौंपा गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ नियुक्तियां झारखंड लोक सेवा आयोग और कुछ नियुक्तियां झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के द्वारा की गयी हैं। राज्य सरकार द्वारा विभिन्न पदों पर पहले भी नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया है और जो छूटे हुए अभ्यर्थी थे, उन्हें नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है। विश्वास है कि नवनियुक्त अभ्यर्थी राज्य के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण कड़ी बनेंगे। इसी आशा और उम्मीद के साथ कि राज्य को देश के अग्रणी राज्यों के समकक्ष पहुंचाने का प्रयास सभी प्रतिबद्ध होकर करेंगे।

कार्यक्षमता का बेहतर उदाहरण पेश करें

मुख्यमंत्री ने कहा कि टाउन प्लानर की नियुक्ति हुई है। प्रयास होना चाहिए कि शहर का सर्वांगीण विकास कैसे हो। सूझबूझ और अनुभव के आधार पर राज्य के शहरों को एक नयी दिशा मिलेगी। ईमानदारी से काम करें और बेहतर कार्य कर क्षमता का प्रदर्शन करें। राज्य के विकास में बेहतर कार्य करेंगे, तो सरकार सम्मानित करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में खनन की गतिविधि अन्य राज्यों से अलग है। राज्य में माइनिंग इंस्पेक्टर की भूमिका महत्वपूर्ण साबित होगी। राज्य के 24 जिला में से आधे से अधिक जिलों में खनन की गतिविधियां होती हैं। खनन कार्य अव्यवस्थित नहीं, बल्कि सुव्यवस्थित तरीके से हो, यह सभी की नैतिक जिम्मेवारी है। खनन कार्य के विषय को गंभीरता से लेने की जरूरत है। निश्चित रूप से आने वाले समय में खनन कार्य सिस्टमैटिक ढंग से करें, जिससे जान-माल खतरा न हो।

हर खेत में पानी पहुंचाना लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड एक पहाड़ी क्षेत्र है। भौगोलिक बनावट बिल्कुल अलग है। इस बात पर सरकार का जोर रहा है कि हर खेत को पानी मिले। राज्य सरकार नयी तकनीक और नयी योजनाओं के साथ आगे बढ़ रही है, लेकिन इसकी गति को और बढ़ाना होगा, तभी खेतों में पानी पहुंचा पायेंगे। जब हर एक खेत में पानी पहुंचाने का लक्ष्य पूरा होगा, तभी राज्य से पलायन भी रुकेगा। किसानों को आत्मनिर्भर बनाने को लेकर सरकार प्रयासरत है।

सुव्यवस्थित तरीके से हो शहरों का विकास

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आये दिन सड़क बनती है और सड़क बनने के क्रम में पानी सप्लाई लाइन की पाइपें फट जाती हैं। सड़कों पर पाइपलाइन फटने से हजारों गैलन पानी बेवजह बर्बाद हो जाता है। आवागमन भी बाधित होता है। विभिन्न अखबारों और सोशल साइट्स के माध्यम से सरकार को सुननी भी पड़ती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरों में स्ट्रीट लाइट भी जलती-बुझती रहती है। शहरों में स्ट्रीट लाइट सहित अन्य प्रकाश व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित करना आपकी जिम्मेदारी है। इन सभी चीजों पर एक बेहतर प्लान के साथ कार्य करें, ताकि आम जनों को परेशानियों से निजात दिलायी जा सके।

इनकी रही उपस्थिति

मंत्री चंपाई सोरेन, मंत्री रामेश्वर उरांव, मंत्री सत्यानंद भोक्ता, मंत्री हफीजुल हसन, मंत्री दीपक बिरुआ, मुख्य सचिव एल ख्यांगते, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

सभी वर्ग-समुदायों को हक और अधिकार दे रही सरकार : सीएम

मुख्यमंत्री ने विशेष परिवारों को निःशुल्क आशियाने की दी सौगात

निर्मल आवास के नाम से जाना जायेगा कुष्ठाश्रम परिसर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को पीएमएवाइ शहरी योजना अंतर्गत राज्य संपोषित रांची के साईं सिटी के नजदीक स्थित नवनिर्मित मुड़मा कुष्ठाश्रम परियोजना का विधिवत उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना का लाभ विशेष परिवारों को मिल रहा है। यह आशियाना एक विशेष समूह के लिए बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं चाहूंगा कि इस परिसर को निर्मल आवास के नाम से जाना जाये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का सदैव प्रयास रहा है कि हर जरूरतमंद व्यक्ति चाहे वे किसी भी वर्ग-समुदाय के हों, जिस स्थिति या परिस्थिति में रह रहे हों, उन तक सरकार की आवाज पहुंचे। सरकार द्वारा संचालित जनकल्याण की योजनाएं पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार लगातार आमजनों की बात सुनती है, समझती है और उनके विकास के लिए कार्य भी करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आगे भी जनहित के कार्य प्रतिबद्धता के साथ करती रहेगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार ने एक बेहतर प्रयास किया है। सैकड़ों लोग अपने घर के मालिक बन गये। वे अब इस नवनिर्मित आवासों में परिवार के साथ रहेंगे। विशेष समूह के परिवारों के लिए अलग-अलग जिलों में भी इस तरह की कल्याणकारी योजनाएं प्रारंभ की जा रही हैं। सबकी दुःखों को सरकार कम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार गरीब, जरूरतमंदों के प्रति जवाबदेह और संवेदनशील है। विपरीत चुनौतियों के बावजूद जनकल्याण के कार्य निरंतर हो रहे हैं और आने वाले दिनों में भी होते रहेंगे। सभी वर्ग-समुदायों को उनका हक-अधिकार राज्य सरकार देने का कार्य कर रही है।

सभी मिलकर परिसर में और नये आयाम जोड़ेंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि झमाझम बारिश नहीं होने से राज्य के किसान आसमान की ओर देख रहे थे, असामान्य बरसात को लेकर वे चिंतित दिख रहे थे। पर्यावरण जिस तरह से बदलाव का संकेत दे रहा है। उससे प्रतीत होता है कि आने वाला समय और चुनौतीपूर्ण होगा। मुख्यमंत्री ने आशियाने का चाबी प्राप्त करने वाले सभी लोगों को बधाई दी। कहा कि आने वाले समय में इस परिसर में और भी आयाम जोड़ने का प्रयास करेंगे। साथ ही परिसर को शहर का सबसे सुंदर परिसर बनाने का प्रयास मिलजुलकर करेंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार गठन के चंद दिनों बाद ही वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण ने दस्तक दी। कोविड-19 का नकारात्मक प्रभाव पूरे विश्व में रहा। कोरोना संक्रमण के समय सरकार ने झारखंडवासियों को सुरक्षित रखने के लिए एक बेहतर मैनेजमेंट का उदाहरण देश के सामने रखा। राज्यवासियों के सहयोग से सरकार ने किसी भी व्यक्ति को भूखा नहीं सोने दिया।

इनकी रही मौजूदगी

इस अवसर पर नगर विकास-आवास विभाग के मंत्री हफीजुल हसन, विधायक नवीन जयसवाल, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, नगर विकास सचिव अरवा राजकमल, आइजी अखिलेश झा, नगर प्रशासक अमित कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

TATA
TATA STEEL

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

WORLD'S STRONGEST HOTEL BRAND 2024 2022 | 2021
TAJ
INDIA'S STRONGEST BRAND 2024 2023 | 2022 | 2020
Brand Finance

भगवान बिरसा मुण्डा स्मृति पार्क,
रांची में निर्मित
BILLION IMPRESSIONS
का उद्घाटन कार्यक्रम
24 जुलाई, 2024 | अपराह्न 12:30 बजे | भगवान बिरसा मुण्डा स्मृति पार्क, रांची

नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड सरकार तथा
The Indian Hotels Company Ltd. (A TATA Enterprise) के बीच
ताज होटल के निर्माण हेतु
MoU हस्ताक्षर कार्यक्रम
24 जुलाई, 2024 | अपराह्न 01:30 बजे | प्रोजेक्ट भवन सभागार, धुर्वा, रांची

मुख्य अतिथि
श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि
श्री हफीजुल हसन
माननीय मंत्री, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, निबंधन विभाग, पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड सरकार

श्री टी० वी० नरेन्द्रन
सी.ई.ओ. एण्ड एम.डी., टाटा स्टील

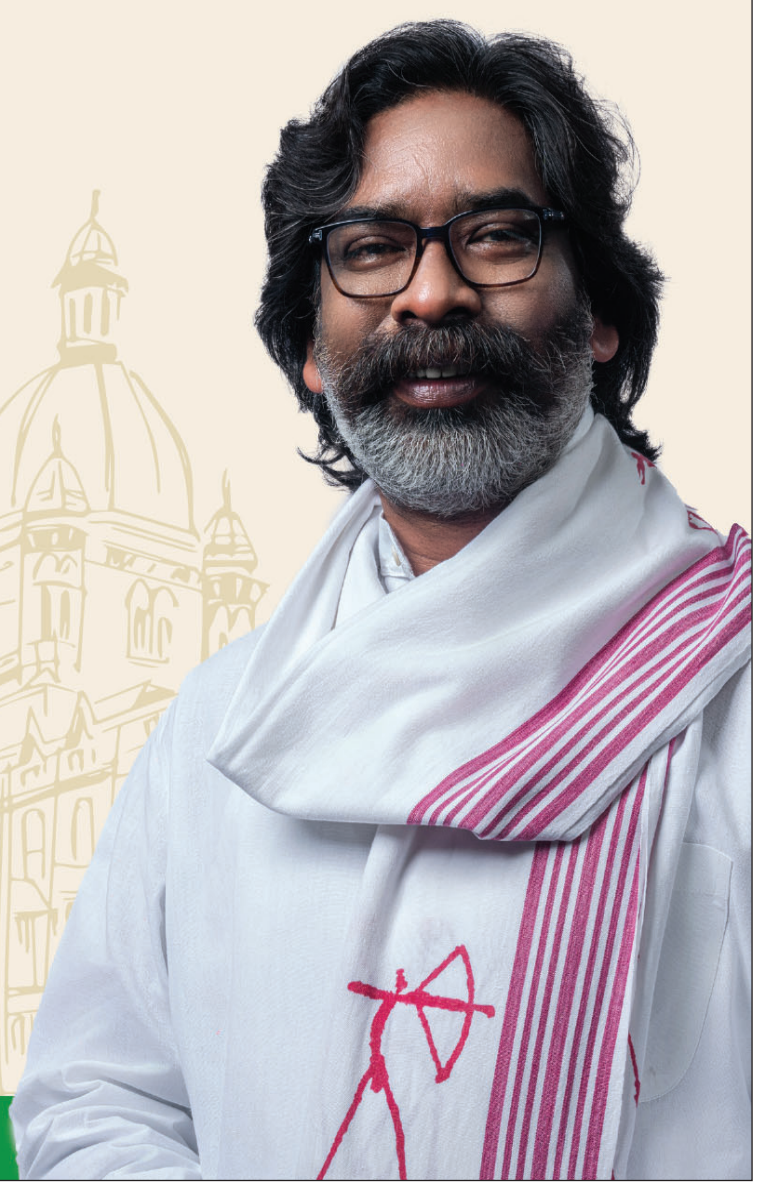

P.R. 330503 (Urban Development and Housing) 24-25
नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड सरकार

इंफ्रा और स्कीम बजट : बिहार में तीन नये एक्सप्रेस-वे बनेंगे

300 यूनिट तक मुफ्त बिजली का फॉर्मूला दिया

युवाओं के लिए 5 नयी स्कीम

पूर्वोदय स्कीम का किया एलान

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में बिहार में 3 एक्सप्रेसवे, दो मंदिरों में कॉरिडोर के साथ ही पूर्वी राज्यों में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर समेत अन्य डेवलपमेंट के लिए पूर्वोदय स्कीम का ऐलान किया है। वहीं जॉब-स्किल डेवलपमेंट के लिए 5 नयी योजनाओं की घोषणा की। नयीं योजनाओं में मिडिल क्लास और युवाओं पर फोकस किया गया है।

तीन नये एक्सप्रेस-वे

बिहार के पटना-पूर्णिया एक्सप्रेस-वे, बक्सर-भागलपुर एक्सप्रेस-वे, बोधगया-राजगीर-वैशाली-दरभंगा एक्सप्रेस-वे और बक्सर में गंगा नदी पर दो लेन का पुल बनाया जाएगा। इन प्रोजेक्ट्स के लिए 26 हजार करोड़ रुपए खर्च करने का ऐलान किया गया है। अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक कॉरिडोर के तहत गया में औद्योगिक केंद्र बनाया जाएगा। पीरपैंती में 2400 मेगावॉट की क्षमता का पावर प्लांट बनेगा।

पूर्वोदय स्कीम

पूर्वी राज्यों यानी बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओड़िशा और आंध्र प्रदेश के विकास के लिए पूर्वोदय स्कीम की घोषणा की गई है। इस योजना के तहत पूर्वी राज्यों में 26,000 करोड़ रुपये की लागत से एक्सप्रेसवे और हाइवे का निर्माण किया जायेगा।

एक करोड़ लोगों को हर महीने 300 यूनिट तक फ्री बिजली फॉर्मूला

पीएम सूर्योदय योजना के तहत एक करोड़ से अधिक घरों में 300 यूनिट सोलर बिजली फ्री दी जायेगी। दरअसल, पैदा होने वाली सोलर एनर्जी सीधे उस घर को मिलने के बजाय पहले सप्लाई ग्रिड में जायेगी। ऐसे हर एक घर को प्रति महीने 300 यूनिट तक बिजली मुफ्त मिलेगी।

पीएम आवास योजना के तहत बनेंगे 3 करोड़ घर

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में 3 करोड़ घर बनायेंगे जायेंगे। साथ ही पीएम आवास योजना-अर्बन 2.0 के तहत 1 करोड़ गरीब और मिडिल क्लास परिवारों को घर मिलेगा। इसके लिए 10 लाख करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे।

मुद्रा लोन की लिमिट दोगुनी हुई

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत अब तक 10 लाख रुपये तक लोन मिलता था। अब इसे बढ़ा कर 20 लाख रुपये कर दिया है। मुद्रा योजना के तहत तीन कैटेगरी में लोन दिया जाता है। शिशु लोन के तहत 50 हजार रुपये, किशोर में 5 लाख तक और तरुण के तहत 10 लाख रुपये तक का लोन दिया जाता था।

किसान क्रेडिट कार्ड पांच नये राज्यों में होंगे लॉन्च

नेचुरल फार्मिंग को बढ़ावा देने के लिए अगले दो साल में 1 करोड़ किसानों को मदद की जायेगी। 5 राज्यों में नये किसान क्रेडिट कार्ड जारी किये जायेंगे। एग्रीकल्चर सेक्टर के लिए इस साल 1.52 लाख करोड़ रुपये का फंड रखा गया है।

पांच करोड़ आदिवासियों के लिए नयी योजना

केंद्र सरकार ने ट्राइबल कम्युनिटी की आर्थिक-सामाजिक स्थिति को बेहतर करने के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान योजना की घोषणा की है। इसके तहत 63 हजार गांव कवर होंगे और 5 करोड़ लोगों को फायदा मिलेगा।

दो मंदिरों में कॉरिडोर

काशी की तर्ज पर बिहार के गया में विष्णुपद मंदिर और महाबोधि मंदिर कॉरिडोर बनाया जायेगा। साथ ही नालंदा को टूरिज्म हब के तौर पर डेवलप किया जायेगा।

25 हजार गांवों में सड़कें बनेंगी

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे फेज में 25 हजार गांवों तक सड़कें बनायी जायेंगी। वहीं साथ ही नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत 12 इंडस्ट्रियल पार्क बनाये जायेंगे।

दो इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनेंगे

आंध्रप्रदेश पुनर्गठन एक्ट के तहत राज्य को 15,000 करोड़ रुपये की विशेष पैकेज दिया गया है। यह पैसा विशाखापट्टनम -चेन्नई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर और हैदराबाद-बैंगलोर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर जैसे मेगा प्रोजेक्ट्स को बनाने के लिए खर्च किया जायेगा।

स्किल डेवलपमेंट और रोजगार के लिए 5 नयीं योजनाएं

स्कीम 1: फर्स्ट टाइम एंप्लॉयमेंट स्कीम- 1 लाख रुपये से कम सैलरी होने पर इपीएफओ के तहत पहली बार रजिस्टर्ड होने वाले कर्मचारियों को तीन किश्तों में 15 हजार रुपये की मदद मिलेगी।

स्कीम 2: जॉब क्रिएशन इन मैन्युफैक्चरिंग- मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर से जुड़े फर्स्ट टाइम वर्कर्स को इपीएफओ जमा के आधार पर पहले 4 साल डायरेक्ट इंसेंटिव मिलेगा। इससे 30 लाख युवाओं को फायदा मिलेगा।

स्कीम 3: सपोर्ट टू एंप्लॉयर- सरकार एंप्लॉयर्स का बोझ घटाने का काम करेगी। इसके तहत नये कर्मचारियों के इपीएफओ कॉन्ट्रिब्यूशंस पर एंप्लॉयर्स को 2 साल तक हर महीने 3 हजार रुपये का रीएंबसेमेंट करेगी

स्कीम 4: पार्टिसिपेशन ऑफ वुमेन इन वर्कफोर्स- नौकरियों में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए वर्किंग वुमन हॉस्टल, वुमन स्किलिंग प्रोगाम शुरू किये जायेंगे।

स्कीम 5: स्किलिंग स्कीम- 1 करोड़ युवाओं को 5 साल में स्किल्ड किया जायेगा। 1 हजार इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट्स अपग्रेड किये जायेंगे। हर साल 25 हजार स्टूडेंट्स को स्किलिंग लोन का फायदा दिया जायेगा।

डिफेंस बजट : हथियार खरीद की रकम में लगातार तीसरे साल कटौती

सिर्फ 400 करोड़ रुपये बढ़ा सेना का बजट

आजाद सिपाही संवाददाता

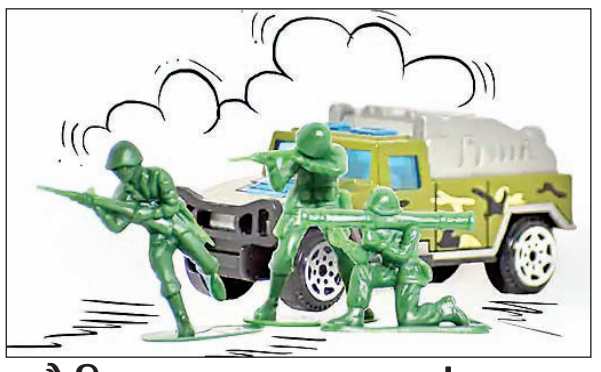

नयी दिल्ली। डिफेंस बजट छह महीने पहले पेश हुए अंतरिम बजट का बहुत हद तक कॉपी है। सेना को खर्च के लिए 6,21,940 करोड़ रुपये मिले हैं, जो अंतरिम बजट से महज 400 करोड़ रुपये यानी, 0.064% ज्यादा है। इसमें हथियारों की खरीद और सैलरी-पेंशन को मिलने वाला बजट जस का तस है। 400 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी रक्षा मंत्रालय के हिस्से गयी है। इस बार डिफेंस को कुल बजट का 12.9% हिस्सा मिला है। पिछले साल यह हिस्सा करीब 13% था। लगातार तीसरे साल कैपिटल बजट यानी, हथियारों की खरीद और सेना के मॉर्डनाइजेशन पर होनेवाले खर्च में कटौती की गयी है। डिफेंस बजट का 67.7% हिस्सा रेवेन्यू और पेंशन बजट को मिला है, जिसका ज्यादातर हिस्सा सैलरी-पेंशन बांटने में खर्च होता है।

डिफेंस बजट के पार्ट

रेवेन्यू बजट : सैलरी बांटने के लिए बजट का 45%

रेवेन्यू बजट का सबसे बड़ा हिस्सा तीनों सेनाओं में सैलरी बांटने में खर्च होता है। इसमें अग्निवीरों की सैलरी भी शामिल है। इसके अलावा एक्स सर्विसमैन की हेल्थ स्कीम्स, मेंटेनेंस और रिपेयरिंग का खर्च भी रेवेन्यू बजट में शामिल होता है। इस साल रेवेन्यू बजट 2.82 लाख करोड़ रुपये है, जो कुल डिफेंस बजट का 45% है। पिछले साल के मुकाबले 12652 करोड़ रुपये यानी, महज 4.6% का इजाफा हुआ है। 2023 में रेवेन्यू बजट 2.7 लाख करोड़ था और खर्च 2.98 लाख करोड़ रुपये हुआ। यानी, बजट से करीब 28 हजार करोड़ रुपये ज्यादा। 2023 में 2022 के मुकाबले रेवेन्यू बजट में 38 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई थी।

कैपिटल बजट : हथियार खरीदने के लिए 27.6% बजट

कैपिटल बजट सेना का सबसे अहम पार्ट होता है। इसका ज्यादातर हिस्सा तीनों सेनाओं के मॉडर्नाइजेशन, फाइटर प्लेन, हथियारों की खरीद और सेना को मजबूत बनाने में खर्च होता है। वित्त मंत्री ने कैपिटल बजट में 1.72 लाख करोड़ रुपये अलॉट किये हैं, जो कुल बजट का 27.6% है। इस बार, पिछले साल के मुकाबले करीब 9400 करोड़ रुपये यानी 5.7% का इजाफा हुआ है। 2023 में सरकार ने कैपिटल बजट में 6.5% की बढ़ोतरी की थी। जबकि, 2022 में कैपिटल बजट में 12% का इजाफा हुआ था। यानी, लगातार तीसरे साल कैपिटल बजट में कटौती की गयी है।

पेंशन बजट : 3 हजार करोड़ का इजाफा

पेंशन बजट में तीनों सेनाओं के रिटायर्ड सैनिकों की पेंशन और रिटायरमेंट बेनिफिट्स शामिल होता है। पेंशन के लिए 1.41 लाख करोड़ रुपये मिले हैं, जो कुल डिफेंस बजट का 22.7% है। पिछले साल यह आंकड़ा 1.38 लाख करोड़ रुपये था। यानी, पेंशन बजट में सिर्फ 3 हजार करोड़ का इजाफा हुआ है। देश में तीनों सेनाओं को मिला कर रिटायर्ड सैनिकों की संख्या 26 लाख है।

रक्षा मंत्रालय (सिविल) बजट : 2951 हजार करोड़ रुपये का इजाफा

सरहदी इलाकों में सड़क बनाना, कोस्ट गार्ड, जम्मू कश्मीर लाइट इन्फैंट्री, सेना की कैंटीन और हाउसिंग एक्सपेंडिचर जैसे खर्च इसमें शामिल होते हैं। यह डिफेंस बजट का सबसे छोटा पार्ट होता है। इस साल रक्षा मंत्रालय को 25563 करोड़ रुपये मिले हैं, जो पिछले साल के मुकाबले 2951 करोड़ रुपये ज्यादा है।

67.7% हिस्सा सैलरी-पेंशन बांटने पर खर्च

तीनों सेनाओं को सैलरी बांटने के लिए 2.82 लाख करोड़ रुपये मिले हैं, जो कुल बजट का 45% है। पेंशन के लिए 1.41 लाख करोड़ रुपये मिले हैं, जो कुल बजट का 22.7% है। सैलरी और पेंशन के हिस्से को जोड़ दिया जाये, तो कुल डिफेंस बजट का 67.7% है। पिछले साल भी सैलरी-पेंशन बांटने पर 70% खर्च हुआ था। बता दें कि तीनों सेनाओं में सैलरी-पेंशन बांटने के लिए सबसे ज्यादा आर्मी को बजट मिला है। हालांकि, इस बार के बजट में तीनों सेनाओं को हथियार खरीदने के लिए कितना दिया गया है, इसका जिक्र बजट डॉक्यूमेंट में नहीं है।

नीतीश-नायडू को 74 हजार करोड़

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। बजट में बिहार और आंध्रप्रदेश के लिए 74 हजार करोड़ रुपये का एलान किया है।

बिहार को 58,900 करोड़ का एलान

बिहार में कई सड़क परियोजनाओं के लिए 26,000 करोड़ रुपये आवंटित किये गये। पटना-पूर्णिया, बक्सर-भागलपुर को जोड़नेवाले एक्सप्रेसवे और बोधगया, राजगीर, वैशाली और दरभंगा को जोड़नेवाले एक्सप्रेस-वे बनाने की घोषणा की गयी। बिहार के पीरपैंती में 21,400 करोड़ रुपये की लागत से 2400 मेगावाट का पावर प्रोजेक्ट लगाया जायेगा। बाढ़ से निपटने और राहत के लिए 11,500 करोड़ रुपये दिये जायेंगे। बिहार के महाबोधि मंदिर और विष्णुपद मंदिर को विकसित किया जायेगा। बिहार में नये मेडिकल कॉलेज और एयरपोर्ट्स बनाये जायेंगे। बिहार में स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर स्थापित किया जायेगा। गंगा नदी पर दो नये पुल बनाये जायेंगे। अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर पर बिहार के गया में औद्योगिक विकास को बढ़ावा दिया जायेगा।

आंध्रप्रदेश को 15,000 करोड़ देने का एलान

आंध्रप्रदेश को मदद के लिए 15,000 करोड़ रुपये आवंटित किये जायेंगे। आंध्रप्रदेश पुनर्गठन अधिनियम (आंध्र प्रदेश रीऑर्गनाइजेशन एक्ट) के तहत चिंताओं के निवारण में तेजी लायी जायेगी। इसके तहत फंड पानी, बिजली, रेलवे, सड़क जैसे अहम इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए जारी किया जायेगा। आंध्रप्रदेश की पोलावरम सिंचाई परियोजना को पूरा करने के लिए वित्तीय मदद दी जायेगी। आंध्रप्रदेश के पिछड़े इलाकों के लिए भी एक्ट के तहत रकम मुहैया करायी जायेगी।

अवयस्क बच्चों के लिए नयी पेंशन योजना 'वात्सल्य' की घोषणा

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा मंगलवार को संसद में पेश केंद्रीय बजट 2024-25 में अवयस्क बच्चों के लिए एक नयी पेंशन योजना 'वात्सल्य' की घोषणा की गयी है। इस पेंशन योजना में माता-पिता और अभिभावक अंशदान करेंगे। वयस्कता की आयु होने पर इस योजना को सहज रूप से एक सामान्य एनपीएस खाते में बदला जा सकेगा। केंद्रीय मंत्री ने यह भी घोषणा की कि एनपीएस की समीक्षा के लिए गठित समिति ने अपने काम में पर्याप्त प्रगति की है। उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिए संयुक्त परामर्शदात्री तंत्र की राष्ट्रीय परिषद के कर्मचारियों ने रचनात्मक दृष्टिकोण अपनाया है। उन्होंने कहा कि एक ऐसा समाधान निकाला जायेगा, जिससे महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान निकल सके और साथ ही आम जनता के हितों की सुरक्षा के लिए राजकोषीय दूरदर्शिता भी बनायी रखी जायेगी।

सर्व समावेशी, युवा केंद्रित और विकासोन्मुख बजट : बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने बजट की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बधाई दी। मरांडी ने कहा कि यह बजट सर्व समावेशी, युवा केंद्रित और विकासोन्मुख बजट है। उन्होंने कहा कि यह बजट विकसित भारत के संकल्पों को साकार करने वाला है। यह बजट 140 करोड़ देशवासियों की आशा और आकांक्षाओं के अनुरूप समाज के सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास को भी गतिशीलता प्रदान करेगा। बाबूलाल मरांडी ने कहा

कि युवाओं के लिए यह बजट सुनहरा अवसर लेकर आया है। स्किल डेवलपमेंट के साथ साथ पांच वर्षों में चार करोड़ रोजगार की व्यवस्था देश के विकास में युवाओं की भूमिका को सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि गरीब, युवा, अन्नदाता और महिला ये चार स्तंभों पर बजट आधारित है। साथ ही पूर्वोत्तर को विकास केंद्रित क्षेत्र जिसमें बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, असम प्रदेश शामिल हैं। केंद्र सरकार ने मुद्रा लोन की सीमा 10 लाख से बढ़ा कर 20 लाख की है, जिससे राज्य के गरीब आदिवासी भाइयों-बहनों को बिना किसी गारंटर के सरलता से ऋण प्राप्त होगा। आदिवासी समाज की उन्नति और उन्हें विकास के मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री ने विश्वसनीयता की गारंटी दी है। प्रधानमंत्री का यह अनमोल तोहफा झारखंड में आदिवासियों के लिए रोजगार का नया अवसर पैदा करेगा।

पीएम आवास योजना शहरी 2.0 के तहत एक करोड़ आवास बनेंगे

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में केंद्रीय बजट 2024-25 पेश करते हुए कहा कि देश की जनता ने भारत को सतत विकास के मार्ग पर ले जाने और चहुंमुखी समृद्धि के लिए हमारी सरकार को एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया है।

पीएम आवास योजना

प्रधानमंत्री आवास योजना के बारे में जानकारी देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में तीन करोड़ अतिरिक्त आवासों के निर्माण की घोषणा की गयी है, जिसके लिए आवश्यक धनराशि का प्रबंध बजट में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के अंतर्गत 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश से एक करोड़ शहरी गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों की घर संबंधी जरूरतों को पूरा किया जायेगा। इसमें अगले 5 वर्षों में 2.2 लाख करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता शामिल होगी। वित्त मंत्री ने कहा कि किफायती दरों पर ऋण

सुविधा के लिए ब्याज सब्सिडी के एक प्रावधान की परिकल्पना भी की गयी है।

किराये के घर

किराये पर मिलने वाले आवासों के बारे में बात करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि औद्योगिक कामगारों के लिए वीजीएफ सहायता और एंकर उद्योगों की प्रतिबद्धता के साथ पीपीपी मोड में डोरमेट्री जैसे आवास वाले किराये के मकानों की सुविधा प्रदान की जायेगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, अधिक उपलब्धता के साथ दक्ष और पारदर्शी किराये के आवास बाजारों के लिए समर्थकारी नीतियां तथा विनियम भी बनाये जायेंगे।

विकास केंद्रों के रूप में शहर

सीतारमण ने कहा कि हमारी सरकार राज्यों के साथ मिलकर विकास केंद्रों के रूप में शहरों को विकसित करने की सुविधा पर काम करेगी। उन्होंने कहा कि आर्थिक और आवागमन संबंधी नीतियों तथा नगर आयोजना स्कीमों का उपयोग करके शहरों के आसपास के क्षेत्रों को सुव्यवस्थित तरीके से विकसित किया जायेगा। वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में कहा कि 30 लाख से अधिक जनसंख्या वाले 14 बड़े शहरों के लिए कार्यान्वयन और वित्तपोषण रणनीति के साथ आवागमन उन्मुखी विकास योजनाएं तैयार की जायेंगी।

जल आपूर्ति और स्वच्छता

सीतारमण ने जल आपूर्ति और स्वच्छता के बारे में बात करते हुए कहा कि केंद्र सरकार, राज्य सरकारों तथा बहुपक्षीय विकास बैंकों की साझेदारी में भरोसेमंद परियोजनाओं के माध्यम से 100 बड़े शहरों के लिए जल आपूर्ति, सीवेज उपचार, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तथा वित्तीय रूप से व्यवहार्य परियोजनाओं को बढ़ावा देगी। इन परियोजनाओं के माध्यम से मिलने वाले जल का इस्तेमाल सिंचाई तथा आसपास के क्षेत्रों में तालाबों को भरने की भी परिकल्पना की जा रही है।

साप्ताहिक बाजार

वित्त मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने सड़क पर रेहड़ी-पटरी लगाने वाले दैनिक विक्रेताओं के जीवन में बदलाव लाने के उद्देश्य से पीएम स्वनिधि की सफलता के आधार पर, अगले पांच साल में प्रत्येक वर्ष चुनिंदा शहरों में 100 साप्ताहिक बाजार या स्ट्रीट फूड हब के विकास में सहायता के लिए एक योजना की परिकल्पना की है।

स्टांप शुल्क

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि हमारी सरकार सभी के लिए स्टांप शुल्क की दरों को कम करने तथा महिलाओं द्वारा खरीदी गयी संपत्तियों के लिए शुल्कों को और कम करने पर भी विचार करने हेतु उन राज्यों को प्रोत्साहित करेंगे, जिन्होंने अधिक स्टांप शुल्क लगाना जारी रखा है। उन्होंने कहा कि इस सुधार को शहरी विकास योजनाओं का अनिवार्य घटक बनाया जायेगा।

बजट प्रधानमंत्री की कुर्सी बचाओ या सत्ता बचाओ योजना के अंतर्गत आया है : झामुमो

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि वित्त मंत्री सीतारमण की ओर से पेश किया गया आम बजट आम लोगों के लिए नहीं, बल्कि खास लोगों के लिए बनाया गया है। उन्होंने कहा कि ये बजट प्रधानमंत्री की कुर्सी बचाओ या सत्ता बचाओ योजना के अंतर्गत आया है। ये बजट देश के लिए कतई नहीं है। सुप्रियो ने कहा कि इस बजट से ये जाहिर हुआ कि केंद्र सरकार अंदर से कितनी डरी हुई है। इस डर के कारण ही आंध्रप्रदेश पर खास ध्यान दिया गया है। साथ ही बिहार पर भी बजट को फोकस किया गया है। थोड़ा ध्यान ओड़िशा पर भी दिया गया है। इससे ऐसा लगता है कि बाकी 27 राज्य इस देश में है ही नहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हालिया चुनावों को मुद्दाविहीन होकर लड़ा। केवल सांप्रदायिक बातें

की। उन्होंने कहा कि बजट भी उसी की झलक जैसा है। सुप्रियो ने कहा कि बजट में सबसे ऊपर एग्रीकल्चर सेक्टर आता है। इससे पहले के बजट में एग्रीकल्चर के लिए कुल राशि का 6.5 प्रतिशत हिस्सा हुआ करता था। आज ये घट कर 3.9 प्रतिशत पर आ गया है। बजट में एमएसपी की कोई चर्चा नहीं है, जो अत्यंत अहम सेक्टर है और जिससे पेट भरा जाता है, उस पर कोई बात नहीं हुई। केवल फल और सब्जी पर बात हुई। उन्होंने कहा कि बजट में दूसरा अहम मुद्दा रोजगार का होता है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने कल आर्थिक सर्वेक्षण पेश करते हुए देश में बेरोजगारी दर को 3.2 प्रतिशत बताया, लेकिन सरकार की ही एक सहयोगी संस्था है सीएमआइइ। ये एजेंसी रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को भी रिपोर्ट करती है। इस एजेंसी का आकलन है कि देश में बेरोजगारी दर 9.2 तक पहुंच गयी है। ये एक बड़ा घालमेल है।

सुप्रियो ने कहा कि किसी नयी नौकरी या सरकारी नौकरी की घोषणा तक नहीं हुई। उन्होंने कहा कि शिक्षा पर कोई बात ही नहीं हुई। हेल्थ पर कोई बात नहीं हुई। बात हुई तो इस पर कि इलाज महंगा होगा और सोना सस्ता होगा। लोगों को कहा गया कि अधिक से अधिक मोबाइल खरीदिये। क्योंकि, इसकी कीमत कम कर दी गयी है। महंगाई जैसे विषय पर कोई बात नहीं हुई। उन्होंने कहा कि ये बजट, बिना सोच समझ के और बिना विचार के साथ बनाया गया एक दस्तावेज मात्र है। इससे देश में बेरोजगारी बढ़ेगी।

एक करोड़ युवाओं के लिए खुशखबरी, टॉप-500 कंपनियों में इंटर्नशिप का मौका

पहली नौकरी मिलने पर सीधे खाते में आयेंगे 15 हजार, पीएफ भी सरकार देगी, 2.1 करोड़ युवाओं के लिए बड़ा एलान

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को वित्तीय वर्ष 2024-25 का आम बजट पेश किया। इस बजट में उन्होंने पहली बार नौकरी पाने वालों को तोहफा दिया है। सीतारमण ने कहा कि संगठित क्षेत्र में पहली बार नौकरी की शुरुआत करने वालों को एक महीने का वेतन दिया जायेगा। यह वेतन डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफ (डीबीटी) के जरिये तीन किस्तों में जारी होगा।

पहली बार नौकरी पानेवालों को तोहफा

सीतारमण ने कहा, रोजगार और कौशल विकास सरकार की नौ प्राथमिकताओं में से एक है। इसके तहत पहली बार नौकरी करने वालों को बड़ी मदद मिलने जा रही है। संगठित क्षेत्र में पहली बार नौकरी की शुरुआत करने वालों को एक महीने का वेतन दिया जायेगा। यह वेतन डीबीटी के जरिये तीन किस्तों में जारी होगा। इसकी अधिकतम राशि 15 हजार रुपये होगी। इपीएफओ में पंजीकृत लोगों को यह मदद मिलेगी। योग्यता सीमा एक लाख रुपये प्रति माह होगी। इससे 2.10 करोड़ युवाओं को फायदा होगा।

एक हजार औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को अपग्रेड किया जायेगा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, मुझे कौशल विकास और राज्य सरकारों व उद्योग जगत के साथ सहयोग के लिए प्रधानमंत्री पैकेज के तहत चौथी योजना के तौर पर केंद्र की नयी प्रस्तावित योजना की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। पांच साल की अवधि में 20 लाख युवाओं को कुशल बनाया जायेगा। एक हजार औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आइटीआइ) को हब में अपग्रेड किया जायेगा।

पीएफ में एक महीने का योगदान

वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार रोजगार से जुड़ी तीन योजनाएं शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि एक महीने का पीएफ (भविष्य निधि) योगदान प्रदान करके नौकरी बाजार में प्रवेश करने वाले 30 लाख युवाओं को प्रोत्साहन प्रदान करेगी। उन्होंने घोषणा की कि कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए देश में कामकाजी महिला छात्रावास स्थापित किये जायेंगे।

12 महीने इंटर्नशिप और हर महीने भत्ता

वित्त मंत्री निर्मण सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा कि सरकार एक करोड़ युवाओं को अगले पांच साल में टॉप-500 कंपनियों में इंटर्नशिप का मौका देगी। यह इंटर्नशिप 12 महीने की होगी। इसमें युवाओं को कारोबार के वास्तविक माहौल को जानने और अलग-अलग पेशे की चुनौतियों से रूबरू होने का मौका मिलेगा। इसके तहत युवाओं को हर महीने पांच हजार रुपये का भत्ता भी दिया जायेगा। यही नहीं, उन्हें एकमुश्त मदद के रूप में छह हजार रुपये दिये जायेंगे। कंपनियों को अपने कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत प्रशिक्षण का खर्च और इंटर्नशिप की 10 फीसदी लागत को वहन करना होगा।

जलवायु के अनुकूल बीज विकसित करने के लिए धन मुहैया करेगी सरकार

सीतारमण ने कहा कि सरकार जलवायु के अनुकूल बीज विकसित करने के लिए निजी क्षेत्र और उससे जुड़े विशेषज्ञों व अन्य को धन मुहैया करायेगी।

उन्होंने आगे कहा, पहले मौजूद मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी) योजना में प्रत्येक उस परिवार के कम से कम एक व्यक्ति को 100 दिनों का रोजगार प्रदान किया जायेगा, जिसके वयस्क सदस्य शारीरिक काम चाहते हैं।

विकसित भारत की कल्पना से सराबोर बजट: भाजपा

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड भाजपा ने आम बजट को विकसित भारत की कल्पना से सराबोर बताया है। इसे विकसित भारत की आधारशिला रखनेवाला बजट करार दिया। केंद्रीय बजट को 140 करोड़ देशवासियों की आशाओं, आकांक्षाओं और अमृत काल के सभी संकल्पों को सिद्ध करने वाला बताया है।

बजट सभी के सशक्तीकरण के लिए समर्पित: अर्जुन मुंडा

रांची (आजाद सिपाही)। पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि यह बजट विकसित भारत के चार स्तंभ युवा, गरीब, महिला और किसान सभी के सशक्तीकरण के लिए समर्पित है। यह बजट विकसित भारत के भविष्य निर्माण का बजट है। कहा कि बजट में आदिवासियों की आर्थिक-सामाजिक स्थिति में सुधार लाने के लिए जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान की शुरुआत करने की घोषणा की गयी है। इसमें 11 लाख करोड़ रुपये से अधिक का पूंजीगत व्यय आवंटित किया गया है। उन्होंने कहा कि बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओड़िशा, आंध्रप्रदेश और पूर्वोत्तर के लिए घोषणाएं पूर्वी भारत की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगी। कौशल और रोजगार सृजन की घोषणाएं ऐतिहासिक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से प्रस्तुत बजट का स्वागत।

बजट समग्र विकास के लिए : अमर बाउरी

रांची (आजाद सिपाही)। नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने बजट की सराहना करते हुए कहा कि झारखंड के हिस्से में कई योजनाओं की सौगात मिली है । बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्वोदय योजना ला रही है। इसके अंतर्गत इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए विशेष स्कीम। इन क्षेत्रों में सरकार औद्योगिक गलियारे का भरपूर हर तरीके से समर्थन व सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि झारखंड के आदिवासी बहुल गांव होंगे लाभान्वित आदिवासियों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान शुरू होगा। योजना आदिवासी-बहुल गांवों-आकांक्षी जिलों में आदिवासी परिवारों के लिए संतृप्ति कवरेज को अपनाएगी। इससे 63,000 गांवों को कवर किया जायेगा जिससे 5 करोड़ आदिवासी लोगों को लाभ होगा। झारखंड के दूरदराज के गांवों को जोड़ा जायेगा।

संकल्पों को सिद्ध करनेवाला बजट: प्रदीप वर्मा

रांची (आजाद सिपाही)। राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत आम बजट सर्वस्पर्शी, सर्वसमावेशी, विकासोन्मुखी होने के साथ ही 140 करोड़ देशवासियों की आशाओं, आकांक्षाओं और अमृत काल के सभी संकल्पों को सिद्ध करने वाला है। समाज के हर तबके के लिए बजट में किया गया प्रावधान रामराज की अवधारणा को साकार करने वाला है। विशेषकर अन्नदाताओं, महिलाओं की समृद्धि, युवाओं के रोजगार, कौशल प्रशिक्षण, एमएसएमइ और मध्यम वर्ग पर ध्यान केंद्रित करने वाला बजट है।

आत्मनिर्भर युवा पर केंद्रित है बजट: रमेश सिंह

रांची (आजाद सिपाही)। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रमेश सिंह ने कहा कि यह बजट विकसित भारत का बजट है। यह बजट गरीब, युवा, अन्नदाता और नारीशक्ति को सशक्त करने वाला है। इस बजट में सरकार ने सभी वर्गों का ध्यान रखा है। इस बजट ने माध्यम से सरकार ने विकसित भारत की बुनियाद को मजबूत करने का काम किया है। यह देश के गांव, गरीब, किसान को समृद्धि की राह पर ले जाने वाला बजट है। पिछले 10 वर्षों मोदी सरकार ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है और अब यह बजट लोगो को सशक्त करेगा। युवाओं को नये अवसर प्रदान करेगा।

बजट में 2047 का विजन: जैलेंद्र कुमार

रांची (आजाद सिपाही)। भाजपा नेता जैलेंद्र कुमार ने कहा कि इस बजट में 2047 का विजन है। युवा, महिला, किसान और गरीब को इस बजट में शामिल किया है। बहुत अच्छा बजट पेश किया है। प्रदेश और देश में बजट की तारीफ की जा रही है। विकसित भारत को लेकर जो रोडमैप बना है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने उस अनुरूप ही रोजगार, कौशल विकास, व्यापार-उद्योग जगत, मध्यम वर्ग के लिए आगे बढ़ने के शानदार अवसर प्रस्तुत किया है। महत्वपूर्ण है कि इसमें भारत की उदात्त संस्कृति और भारतीयता का परिचय देने वाले अद्वितीय स्थलों को अनिवार्य स्थान मिला है। केंद्रीय बजट-2024 कहता है-जय भारत-जय भारती।

संतुलित और विकासोन्मुख बजट: दीपक प्रकाश

रांची (आजाद सिपाही)। राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा पेश की बजट को पूरी तरह से संतुलित और विकासोन्मुख बताया। कहा कि वित्त मंत्री ने बजट में समाज के सभी वर्गों को कुछ न कुछ देने का काम किया है। इस बार बजट का फोकस चार चीजों पर है। इनमें गरीब, महिला, युवा और किसान प्रमुख हैं। बजट का थीम रोजगार, स्किलिंग, मिडल क्लास पर केंद्रित है। बजट पिटारे से जनता को तमाम सौगात दी गयी है। इस बजट में युवाओं को काफी सौगात मिली है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2024 में युवाओं के लिए बड़ी घोषणा की है। देश की शीर्ष कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को प्रशिक्षण दिया जायेगा, जिसके लिए उन्हें हर महीने पांच हजार रुपये का मासिक भत्ता दिया जायेगा। यह योजना युवाओं को रोजगार के लिए तैयार करने में मदद करेगी। इस बजट में टैक्स पेयर को भी लाभ होने वाला है।

विकसित भारत का सपना साकार होगा: अनंत

रांची (आजाद सिपाही)। विधायक अनंत कुमार ओझा ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में पेश आम बजट को दूरदर्शी, जनहितैषी और विकासोन्मुखी बताते हुए कहा कि इस बजट में प्रधानमंत्री मोदी का 2047 तक विकसित भारत का संकल्प साफ झलकता है। इस बजट में सभी वर्गों का ध्यान रखा गया हैं, खसकर युवाओं और महिलाओं के लिए ड्रीम बजट है। गांव, गरीब और किसानों के लिए इस बजट में विशेष स्थान दिया गया है। यह बजट मिडिल क्लास को नयी ताकत देने वाला है। जनजातीय समुदायों के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान की शुरुआत की जायेगी। इस योजना से 63 हजार गांवों में पांच करोड़ जनजातीय लोग लाभन्वित होंगे।

सशक्त विकास को समर्पित बजट: महेश पोद्दार

रांची (आजाद सिपाही)। पूर्व राज्यसभा सांसद महेश पोद्दार ने कहा कि आम बजट नयी पीढ़ी के सुधार, चतुर्दिक समृद्धि और सशक्त विकास को समर्पित बजट है। मोदी सरकार का बजट विकसित भारत की मजबूत इमारत, देश को विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने और इसके सर्वांगीण विकास, युवाओं-महिलाओं और गरीबों के उत्थान के लिए समर्पित शानदार बजट है। सामाजिक न्याय, समानता और समान अवसर की अवधारणा को चरितार्थ करने वाला, आधुनिक भारत के निर्माण में सहायक सिद्ध होगा। युवा शक्ति के लिए बड़ा एलान किया गया है। युवाओं के लिए रोजगार, कौशल और अन्य अवसरों के लिए पांच योजनाओं और पहलों का जिक्र किया गया है।

आमजन के लिए खुशहाली वाला बजट: सन्नी टोप्पो

रांची (आजाद सिपाही)। भाजपा नेता सन्नी टोप्पो ने कहा कि अंत्योदय को समर्पित बजट निःसंदेह गांव, गरीब, किसान, महिला, युवा समेत समाज के समस्त वर्गों की उम्मीदों पर खरा उतरने वाला है। अंत्योदय के प्रण और समग्र विकास के संकल्प को आकार देता यह बजट नीवन भारत के स्वर्णिम युग को और मजबूती प्रदान करेगा। इस बजट के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के प्रति समस्त देशवासियों और प्रदेशवासियों की तरफ से हार्दिक आभार।

हर वर्ग को आगे बढ़ानेवाला बजट: कृपा शंकर

रांची (आजाद सिपाही)।भाजपा नेता कृपाशंकर सिंह ने कहा कि बजट विकसित भारत को ध्यान में रखते हुए पेश किया गया है। अंत्योदय के विचारधारा को ध्यान में रखते हुए गरीब, महिला, युवा और किसान सहित हर वर्ग को मजबूती देने का काम इस बजट में है। ये बजट युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर के लिए तैयार किया गया है। साधारण परिवारों के लिए इनकम टैक्स में छूट मिला है। अर्बन डेवलपमेंट पर भी ध्यान दिया गया है। यूथ पर खासतौर पर फोकस से किया गया है। रोजगार पर फोकस है। युवाओं को आर्थिक मदद देने का काम इस बजट के जरिये किया जायेगा। मुद्रा लोन के जरिये युवाओं को आत्मनिर्भर बनाया जायेगा।

संभावनाओं का नया द्वार खोलेगा बजट: संजय सेठ

रांची (आजाद सिपाही)। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि बजट विकसित भारत की प्रतिबद्धता को पूर्ण करने की दिशा में ऐतिहासिक है। आज के इस बजट में मध्यवर्गीय, किसान, महिलाएं और युवाओं को सशक्त बनाते हुए संभावनाओं के नये द्वार खोलेगा। आज के इस बजट में किसान, मध्य वर्ग और युवाओं को बजट में बड़ी सौगात दी गयी है। कृषि क्षेत्र में 1.52 लाख करोड रुपये दिये गये हैं। युवाओं के लिए रोजगार, कौशल प्रशिक्षण से जुड़ी पांच योजनाओं के लिए दो लाख करोड़ आवंटित किये गये हैं। 500 बड़ी कंपनियां में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान किये जायेंगे। वहीं एक करोड़ छात्रों को 5000 मासिक भत्ता दिया जायेगा। हायर एजुकेशन के लिए 10 लाख तक लोन, कैंसर मरीजों को राहत देते हुए तीन दबाव पर सीमा शुल्क पूरी तरह हटाने का प्रस्ताव मध्य वर्ग के लिए बहुत ही उपयोगी साबित होगा। वित्त मंत्री ने मध्यम वर्ग और गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले सभी लोगों का पूरा ख्याल रखा है। देश के चहुंमुखी विकास को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत 25000 ग्रामवासी बस्तियों को मौसम के अनुकूल सड़क उपलब्ध कराना हो, आदिवासी समाज की समृद्धि मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान के तहत आदिवासियों के आर्थिक और सामाजिक तौर पर सशक्त किया जायेगा। समाज के हर वर्ग को सशक्त करने वाले इस बजट के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई।

विकसित भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कड़ी: सुदेश

रांची (आजाद सिपाही)। आम बजट पर आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि आम बजट विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा। बजट इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के साथ ही गांव, गरीबों, किसानों, युवाओं, उद्यमियों के आर्थिक- सामाजिक विकास की परिकल्पना को पूरा करेगा। यह बजट राष्ट्र समेत सभी राज्यों के समावेशी विकास को भी बल प्रदान करेगा। इस जनकल्याणकारी और जनहितकारी बजट के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का हार्दिक अभिनंदन।

सबके विश्वास और हित का बजट: चंद्रप्रकाश

रांची (आजाद सिपाही)। सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने बजट को सबों के हित में बताया। उन्होंने कहा कि इस बजट में हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। शिक्षा और रोजगार पर फोकस किया गया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने को लेकर जरूरी कदम उठाये गये हैं। डेयरी विकास और कृषि विकास के साथ युवाओं के बेहतर जीवन को लेकर जरूरी कदम उठाये गये हैं। एजुकेशन लोन की भी सीमा बढ़ायी गयी है। देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने वाला बजट है। विकास को रफ्तार देने वाला है। बजट देश के हर नागरिक की जीवन शैली और देश की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने वाला है। यह बजट सबके विश्वास का बजट है।

देश के समग्र विकास की सोच: लंबोदर

रांची (आजाद सिपाही)। गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो ने आम बजट का स्वागत किया। कहा कि यह बजट विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने और देश को मजबूत बनाने वाला है। साथ ही देश के सर्वांगीण विकास के मार्ग को भी प्रशस्त करने वाला है। बजट में देश के समग्र विकास की सोच है। यह बजट जहां आधारभूत संरचना को मजबूत करेगा। वहीं नियोजन में भी वृद्धि होगी। बजट में आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की प्राप्ति के साथ-साथ गांव के लोगों को बेहतर सुविधा मिले, इसको लेकर भी कारगर प्रयास किया गया है। मध्यम वर्गों के हितों का ध्यान रखा गया है। शिक्षा, रोजगार, स्वरोजगार, किसान, युवा, महिलाओं पर बजट में फोकस किया गया है। बजट में झारखंड सहित पांच राज्यों के लिए पूर्वोत्तर योजना प्रारंभ किये जाने का स्वागत। इस योजना से झारखंड के मानव संसाधन विकास, अव संरचना और आर्थिक अवसरों के सृजन शामिल किया जायेगा।

बजट से झारखंड को सीधा लाभ: प्रतुल

रांची (आजाद सिपाही)। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने बजट को समावेशी और सभी वर्गों का खयाल रखने वाला बताया। उन्होंने कहा कि पूर्वोदय योजना से झारखंड को सीधे तौर पर लाभ मिलेगा। पूर्वी भारत भी देश के बाकी हिस्सों की तरह विकास की रफ्तार पकड़ेगा। इसके अतिरिक्त आकांक्षी जिला योजना की फंडिंग जारी रहने से झारखंड के 19 जिलों को सीधे तौर पर केंद्रीय राशि मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त केंद्र की सभी योजनाओं का हिस्सा तो झारखंड को मिलेगा ही। मुद्रा लोन ने अब तक 30 करोड़ से ज्यादा लोगों को स्वरोजगार उपलब्ध कराने में सहायता की है। इसकी सीमा 20 लाख रुपये करने से छोटे व्यवसायियों और नया व्यवसाय शुरू करने वालों को बड़ा फायदा मिलेगा।

बजट से नाराज दिखे कांग्रेसी

बजट से जनता की उम्मीदों पर वज्रपात: राजेश ठाकुर

रांची (आजाद सिपाही)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार का बजट देश की जनता की आशाओं पर वज्रपात और झारखंड के लिए नील बट्टा सन्नाटा है। बजट का फोकस जनता नहीं, बल्कि सत्ता है। कहा कि बजट उदाहरण बनकर रह गया है। झारखंड में लोकसभा चुनाव में मिली हार का बदला भाजपा ने केंद्रीय बजट में चुकाया है। उन्होंने कहा कि आश्चर्यजनक है कि बजट का सिर्फ एक से दो प्रतिशत तक की राशि का प्रावधान पूरे देश में शिक्षा-स्वास्थ्य के क्षेत्र में किया गया है। प्रधानमंत्री को इस बजट में राजनीतिक सहयोग की कीमत चुकाने की विवशता साफ दिखी। ठाकुर ने कहा कि अर्थव्यवस्था के विकास का इंजन निजी खपत की रिकॉर्ड सुस्ती पर बजट पूरी तरह मौन है। वर्ष 2016 से 2022 के बीच में 24 लाख उत्पादक कंपनियां बंद हो चुकी हैं। इनके लिए सिर्फ क्रेडिट गारंटी की बात की गयी है। ठोस कुछ भी नहीं किया गया है। बजट में जिस फिजिकल कंसोलिडेशन की बात की गयी है, उस लक्ष्य 4.5 फीसदी को यूपीए की सरकार ने 2014 में ही पा लिया था। किसानों को राहत पहुंचाने के लिए सीधे तौर पर बजट में प्रावधान नहीं किया गया है। आम लोगों को इस बजट से कोई राहत नहीं है। बजट के नाम पर झुनझुना भी नहीं दिया गया।

बजट को कांग्रेस के न्याय पत्र से चुराया गया: बन्ना गुप्ता

रांची (आजाद सिपाही)। स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि बजट में एक बार फिर मिडिल क्लास परिवार को टैक्स के बोझ से दबा दिया है। चुनाव जीत के बाद लगा था टैक्स में राहत मिलेगी, लेकिन यह उल्टा हो गया और मध्यम वर्ग के ऊपर लगता है चुनावी खर्च थोप दिया है। युवाओं को नौकरी के बदले इंटर्नशिप का झुनझुना थमा दिया गया। किसानों और महिलाओं की फिर से उपेक्षा की गयी। कामगार और मजदूरों को ठगा गया है। बजट को कांग्रेस के न्याय पत्र से चुराया गया है। झारखंड में केंद्रीय मंत्री चुनावी प्रभारी बने हैं, लेकिन झारखंड की जनता को कुछ नहीं दिला सके। आश्चर्य है कि बजट में स्वास्थ्य सेवा का जिक्र नहीं है। कुल मिलाकर यह बजट आइवाश है। बिहार और आंध्र प्रदेश के लिए विकास फंड देना और झारखंड को उपेक्षित करना आदिवासी विरोधी मानसिकता का परिचायक है।

जनगणना का उल्लेख नहीं होना दुखद: शशिभूषण

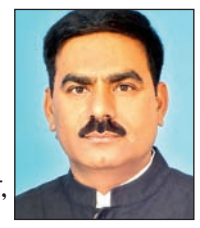

रांची (आजाद सिपाही)।कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशिभूषण राय ने केंद्र सरकार के बजट को बेहद निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा कि 2021 में दशकीय जनसंख्या जनगणना होनी थी, पर इसके लिए धन राशि जारी करने का कोई उल्लेख नहीं होना दु:खद है। अंतिम जनसंख्या जनगणना 2011 में करायी गयी थी, पर अब नयी जनगणना की आवश्यकता है। यह आजादी के बाद पहली बार है, जब केंद्र की सरकार समय पर जनगणना कराने में विफल रही है। बिना जनसंख्या जनगणना के सरकार कोई ठोस योजना नहीं बना पायेगी। बिना वास्तविक स्थिति जाने हुए अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की मदद कर नहीं पायेगी। इससे यह भी साफ है कि सरकार सिर्फ चुनिंदा मित्रों के लिए काम करना चाहती है, जिनकी जनसंख्या और जनगणना दोनों वह बखूबी जानती है। जनसंख्या जनगणना पर चुप्पी साधना लोकतांत्रिक व्यवस्था पर भी प्रहार है। सरकार जल्द इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए विपक्ष के प्रस्ताव पर अमल करे। बजट से सभी वर्गों में निराशा है।

जनाकांक्षाओं को पूरा करने का रोडमैप: अन्नपूर्णा

रांची (आजाद सिपाही)। केंद्रीय महिला-बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि विकसित भारत का यह बजट सर्वस्पर्शी, समावेशी और 140 करोड़ भारतवासियों की आकांक्षाओं को पूर्ण करने का आर्थिक रोड मैप है। बजट सरकार की नौ प्राथमिकताओं पर निरंतर फोकस को उजागर करने वाला एक उत्कृष्ट और संतुलित बजट है, जो आने वाले वर्षों में भारत के विकास पथ को प्रशस्त करेगा। पूरे वर्ष और उसके बाद की अवधि को ध्यान में रखते हुए इस बजट में विशेष रूप से रोजगार, कौशल प्रशिक्षण, एमएसएमइ और मध्यम वर्ग पर ध्यान केंद्रित किया गया है। चतुर्दिक समृद्धि-सशक्त विकास के पथ पर देश को ले जाने वाले इस बजट में कृषि क्षेत्र में उत्पादकता और लचीलापन बढ़ाने, रोजगार-कौशल, समावेशी मानव संसाधन विकास, सामाजिक न्याय, विनिर्माण-सेवाएं और नयी पीढ़ी के सुधार पर मुख्य रूप से ध्यान दिया गया है। इस ऐतिहासिक बजट में शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास पर खास जोर दिया गया है। यह बजट विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विकास के नये अवसर प्रदान करेगा। यह भारत की क्षमता, विशेष रूप से युवाओं की क्षमता और गरीबों, महिलाओं और किसानों के लिए समृद्धि की राह सुनिश्चित करता है। बजट में महिलाओं और बालिकाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। आदिवासी समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान शुरू किया जायेगा। इसमें 63 हजार आदिवासी गांवों को कवर किया जायेगा, जिससे पांच करोड़ आदिवासी लोगों को लाभ होगा। इसमें सबसे अधिक लाभ झारखंड को मिलेगा।

हर वर्ग को शक्ति देनेवाला बजट, किसान को समृद्धि की राह पर ले जानेवाला : दीपक बंका

रांची (आजाद सिपाही)। भाजपा नेता दीपक बंका ने कहा कि बजट समाज के हर वर्ग को शक्ति देने वाला है। यह देश के गांव, गरीब, किसान को समृद्धि की राह पर ले जाने वाला बजट है। ऐतिहासिक और क्रांतिकारी बजट बताते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था को तीव्र गति से आगे बढ़ाने वाले इस बजट में सरकार का फोकस गरीब, महिला, किसान और युवा सहित प्रत्येक वर्ग पर है। सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र के साथ प्रत्येक वर्ग के लिए अनेकों कल्याणकारी, जनहितैषी घोषणाएं बजट में की गयी हैं। इससे देश के विकास को गति मिल सकेगी और देश वर्ष 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल करने में सक्षम बन सकेगा।

भारत की आधारशिला मजबूत होगी: राकेश प्रसाद

रांची (आजाद सिपाही)। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद ने कहा कि बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 की आधारशिला को मजबूत करेगा। श्री प्रसाद ने कहा कि केंद्रीय बजट में सभी वर्गों और क्षेत्रों के समग्र विकास पर बल दिया गया है। गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी शक्ति के विकास-स्वावलंबन पर केंद्रित यह बजट देश की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेगा। प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर भारत निर्माण के लिए संकल्पित हैं। प्रस्तुत बजट उनके इस संकल्प को पूर्ण करने मे सहायक सिद्ध होगा।

विकसित भारत बनाने वाला बजट: राजेंद्र प्रसाद

रांची (आजाद सिपाही)। मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि आम आदमी रोजगार चाहता है। बजट में रोजगार पर फोकस किया गया है। इस बजट से युवाओं को रोजगार का अवसर मिलेगा। राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि हर वर्गों का इस बजट में ध्यान रखा गया है। कैंसर का इलाज सस्ता होने से गरीब और मध्यवर्गीय वर्ग के लोगों को राहत मिलेगी। किसानों की समृद्धि के लिए भी बजट में ध्यान रखा गया है। इंटर्नशिप योजनाओं से युवाओं में रोजगार की संभावना बढ़ेगी।

कारपोरेट घरानों का बजट: अमन अहमद

रांची (आजाद सिपाही)। एनएसयूआइ जिलाध्यक्ष अमन अहमद ने कहा कि आम बजट से लोगों में काफी निराशा है। बजट से छात्र-छात्राओं, युवाओं और महिलाएं छला हुआ महसूस कर रही हैं। यह बजट कारपोरेट घरानों का बजट है। मध्यवर्गीय, गरीबों के लिए इस बजट में कुछ नहीं है। इसमें बेरोजगारी, महंगाई नियंत्रण का कोई साधन नहीं बताया गया है। शिक्षा के क्षेत्र में कोई बड़ी योजना या कोई बड़ी स्कॉलरशिप स्कीम नहीं है। पेपर लीक जैसे मामलों पर सरकार कोई ठोस कदम भी उठा पायी है। कोई नये रोजगार सृजित करने के लिए कोई योजना नहीं है। पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस की कीमत पर कोई कटौती नहीं की गयी है। इस बजट से महंगाई पर कोई अंकुश नहीं लग पायेगा।

संतुलित और प्रगतिशील बजट: राजेश शुक्ल

रांची (आजाद सिपाही)। राज्य बार कौंसिल के वाइस चेयरमैन राजेश कुमार शुक्ल ने आम बजट को संतुलित और प्रगतिशील बताया है। श्री शुक्ल ने कहा कि बजट में युवा, किसान, गरीब और महिलाओं के हितों पर विशेष ध्यान दिया गया है। वहीं एक करोड़ युवाओं को रोजगार, दो करोड़ युवाओं को डीबीटी का फायदा, कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल, मोबाइल, चार्जर, टेलीकॉम उपकरण, सोना- चांदी और कैंसर की दवाओं पर कस्टम ड्यूटी घटाने का प्रस्ताव स्वागतयोग्य कदम है।

भाजपा प्रदेश के आर्थिक प्रकोष्ठ ने विभिन्न क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ बजट भाषण को सुना

विशेषज्ञों ने बजट की सराहना की

पूर्वोत्तर के राज्यों को विकास की योजनाओं से जोड़ना मोदी की प्राथमिकता में : सीपी सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड भाजपा प्रदेश कार्यालय में आर्थिक प्रकोष्ठ द्वारा विभिन्न क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ बजट भाषण को सुना गया। इसमे मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता विधायक सीपी सिंह शामिल हुए। उन्होंने कहा कि यह बजट कल्याणकारी बजट है जिसमे सबका साथ और सबका विकास पर जोर दिया गया है। पूर्वोत्तर के राज्यों को तेजी के साथ विकास की योजनाओं से जोड़ना मोदी सरकार की प्राथमिकता में है। आर्थिक प्रकोष्ठ के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम को प्रदेश कोषाध्यक्ष दीपक बंका, प्रदेश संयोजक जेपी शर्मा सहित सीए राजकुमार, सरला बिरला विश्वविद्यालय के डॉ संदीप, डॉ गौतम,डॉ यश गर्ग,चिकित्सा प्रकोष्ठ की डॉ तान्या सहित अन्य ने संबोधित किया। सभी विशेषज्ञों ने बजट की सराहना करते हुए इसे लोक कल्याणकारी विकासोन्मुख बताया। इस अवसर पर प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक,प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव, अविनेश कुमार सिंह, राहुल अवस्थी, एडवोकेट सुधीर श्रीवास्तव, सीए धर्मेंद्र सिन्हा, एडवोकेट मनोज बक्शी, सीए रमेश चौधरी, सीएस प्रदीप जालुका सहित अन्य उपस्थित थे।

आम आदमी का बजट: संजय जयसवाल

रांची (आजाद सिपाही)। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संजय कुमार जयसवाल ने कहा कि आम बजट में कृषि की उत्पादकता को बढ़ाना, रोजगार और कौशल विकास इंक्लूसिव मानव संसाधन विकास, मैनुफैक्चरिंग, ऊर्जा की सुरक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर, इनोवेशन और नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म्स की योजनाओं को शामिल किया गया है। मोबाइल, चार्जर जैसी आम उपभोक्ताओं से जुड़ी चीजों को सस्ता करने से लोगों को इसका लाभ मिलेगा। कैंसर की दवाओं को सस्ता किया जाना स्वागतयोग्य है। पुरानी आयकर व्यवस्था के तहत किसी तरह का बदलाव नहीं किया जाना सराहनीय है। इससे मध्यमवर्गीय परिवार को काफी लाभ होगा।

बजट दूरदर्शी और कल्याणकारी है: सागर कुमार

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड प्रदेश जदयू ने आम बजट 2024 की सराहना की है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने कहा कि बजट दूरदर्शी और कल्याणकारी है। उन्होंने कहा कि बजट में झारखंड की पुरानी रेल परियोजनाओं को विस्तार दिया गया है। स्टार्टअप के लिए मुद्रा ऋण की राशि में बढ़ोतरी की गयी है। बजट रोजगार, मध्यम वर्ग, सूक्ष्म, मध्यम एवं लघु उद्योग, कौशल प्रशिक्षण पर केंद्रित है जो की सराहनीय है।

हर वर्ग को समृद्ध करने वाला बजट: डॉ उमेश गुप्ता

रांची। भाजपा नेता डॉ उमेश गुप्ता ने बताया कि बजट में विशेष रूप से अन्नदाताओं, महिलाओं की समृद्धि, युवाओं के रोजगार, कौशल प्रशिक्षण, एमएसएमइ और मध्यम वर्ग पर ध्यान केंद्रित किया गया है। डॉ उमेश गुप्ता ने कहा कि यह बजट कृषि क्षेत्र में उत्पादकता और लचीलापन, रोजगार, कौशल, समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय, विनिर्माण, सेवाएं, शहरी विकास, ऊर्जा संरक्षण, अवसंरचना, अनुसंधान-विकास के सुधार को समर्पित बजट है। इसके लिए प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री का आभार।

आम बजट स्वागतयोग्य है: डॉ अभिषेक

रांची। डॉ अभिषेक रामाधीन ने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर में 11 लाख 11 हजार करोड तक बजट बढ़ाया गया है। मुद्रा लोन की सीमा को 10 लाख से बढ़ा कर 20 लाख किया जाना स्वागतयोग्य है। इसी प्रकार 1 करोड विद्यार्थियों के लिए 500 बड़ी-बड़ी कंपनियों में इंटर्नशिप का प्रोग्राम बेहतर परिणाम देनेवाला साबित होगा। बजट में स्प्रिचूअल टूरिज्म पर काफी ध्यान दिया गया है। देश के एनर्जी डिमांड को पूरा करने के लिए सोलर पावर एनर्जी और एटोमिक एनर्जी कैसे बढ़ाया जाये, इसपर भी केंद्र ने अपनी इच्छा जाहिर की है।

बजट ने विकास के द्वार देश के लिए खोले : प्रो तपन कुमार शांडिल्य

रांची (आजाद सिपाही)। इस बजट ने विकास के द्वार देश के लिए खोले हैं। इस बजट की विशेषता है कि हर वर्ग के लिए योजनाओं को लाया गया है। युवाओं को रोजगार देने की वकालत की गयी है। बजट में नयी टैक्स रिजीम चुनने वालों के लिए अब 7.75 लाख तक की इनकम टैक्स फ्री हो गयी है। कहने का अर्थ है कि 17.5 हजार रुपये का फायदा हुआ है। इस बजट में मोदी सरकार बिहार एवं आन्ध्र प्रदेश राज्य पर मेहरबान रही हैं। वित्त मंत्री ने बिहार में इंफ्रा और अन्य प्रोजेक्ट्स के लिए 58 हजार 800 करोड़ रुपये और आंध्र प्रदेश की नयी राजधानी अमरावती के विकास के लिए 15 हजार करोड़ रूपय की घोषणा की है, जो एक शुभ संकेत है। मोदी सरकार हर तरफ की स्थिति, पर ध्यान दे रही है। यही वजह है कि कैंसर जैसी बीमारी की दवाओं को सस्ता किया गया है। झारखंड जैसे राज्य को भी इस बजट से कई फायदे हैं।

वेतनभोगियों को राहत देनेवाला बजट: डॉ भारद्वाज शुक्ल

रांची (आजाद सिपाही)। दिल्ली विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ ओपेन लर्निंग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ भारद्वाज शुक्ल ने बजट में न्यू टैक्स अंतर्गत तीन लाख तक आय को टैक्स फ्री, स्टैंडर्ड डिडक्शन को बढ़ा कर 75 हजार किये जाने, चार करोड़ वेतन भोगियों और पेंशन भोगियों के लिए राहत देने वाला है। नालंदा विवि को गौरवशाली अतीत के अनुरूप विकसित करने के लिए स्पेशल पैकेज दिये जाने से अवश्य ही भारतीय ज्ञान परंपरा को बल मिलेगा। भारत विश्वगुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा। इस बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर, एमएसएमइ, युवा, अन्नदाता, गरीब और महिलाओं के समुचित विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है।

यह कुर्सी बचाओ बजट है: आदित्य विक्रम

रांची (आजाद सिपाही)। प्रोफेशनल्स कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष आदित्य विक्रम जयसवाल ने कहा कि गरीबों को सब्सिडी मिली। अमीरों को मिला रिबेट। मिडिल क्लास टीवी देखो, आपको मिला डिबेट। भारत एक कृषि प्रधान देश है। कृषि संबंधित कोई बजट नहीं है। मनरेगा का जिक्र नहीं है। झारखंड में भी बाबाधाम है, दिउड़ी-रजरप्पा मंदिर है। टूरिज्म पर कॉरिडोर बन सकता था, लेकिन ऐसा कुछ नहीं मिला। झारखंड की ट्राइबल इकॉनोमी पर क्यों नहीं बात की गयी। कहा कि यह कुर्सी बचाओ बजट है। अपने सहयोगियों को खुश करने का बजट है। कुछ प्रतिशत कांग्रेस मेनिफेस्टो से लिया गया है। कुछ पूंजीपतियों को खुश करने के लिए बजट है।

झारखंड की घोर उपेक्षा बर्दाश्त नहीं : नायक

रांची (आजाद सिपाही)। आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने कहा कि यह बजट सिर्फ नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू को खुश करने वाला माना जायेगा। इस बजट में दलित और ओबीसी समाज की घोर उपेक्षा की गयी है। गैर विपक्षी राज्यों की सरकारों को बजट में अनदेखा और अपेक्षा की गयी है, जो राज्य के संघीय व्यवस्था को चोट पहुंचाती है। श्री नायक ने कहा कि बजट में बिहार को बड़ा तोहफा दिया गया है। झारखंड की घोर उपेक्षा की गयी है। झारखंडी आने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा को सबक सिखाने का काम करेंगे।

बजट भारत के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम : डॉ अटल पांडेय

रांची (आजाद सिपाही)। रांची विश्वविद्यालय के शिक्षाविद डॉ अटल पांडेय ने बजट 2024 को भारत के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्रालय के लिए 125638 करोड़ रुपये की भारी राशि युवाओं के लिए शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट, और रोजगार के अवसरों में महत्वपूर्ण सुधार लाएगी। यह राशि युवाओं को नयी ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहायक होगी। प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान की में आदिवासी बहुल 63000 गांवों के 5 करोड़ आदिवासियों को आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में कदम उठाये जायेंगे। यह योजना आदिवासी समुदायों की समृद्धि के लिए एक सकारात्मक पहल है। कैंसर जैसे असाध्य रोगियों के लिए बजट में किये गये विशेष प्रावधानों की डॉ. पांडेय ने सराहना की है। डॉ. अटल पांडेय ने कहा यह बजट देश के सर्वांगीण और सर्वस्पर्शी विकास की दिशा में एक नया अध्याय है, जो भारत के विकास को नयी दिशा देगा।

सभी वर्गों को प्राथमिकता : श्रेया पांडेय

रांची (आजाद सिपाही)। बजट में हर वर्ग को सहूलियत देने का प्रयास किया गया है। बजट की शुरूआत में वित्त मंत्री ने गरीब, महिला, युवा एवं अन्नदाता पर फोकस होने की बात कही थी. बजट में ये नजर भी आया। खास तौर से युवाओं, महिलाओं और नौकरी पेशा लोगों को सीधे लाभ देने का प्रयास किया ऐसे युवा जिन्होंने किसी सरकारी योजना का लाभ नहीं लिया है, उन्हें देश के किसी भी संस्थान में प्रवेश के लिए एजुकेशन लोन मिलेगा। इसका 3 प्रतिशत पैसा सरकार देगी। इसके लिए सरकार ई वाउचर्स की व्यवस्था करेगी जो हर साल तकरीबन एक लाख छात्रों को दिये जायेंगे। बजट में महिलाओं और लड़कियों को लाभ पहुंचाने के लिए 3 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया जायेगा। इससे महिलाओं से संबंधित योजनाओं को और सशक्त बनाया जायेगा।

झामुमो कोल्हान प्रमंडल के कार्यकर्ताओं की बैठक

कल्पना सोरेन ने संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कोल्हान प्रमंडल के पूर्वी सिंहभूम, पश्चिम सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जिला के पंचायत स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक मंगलवार को रांची के हरमू स्थित सोहराई भवन के सभागार में हुई। बैठक में राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार और सांगठनिक रूप से युद्ध स्तर पर कार्यक्रमों को आयोजित करने का निर्णय लिया गया। साथ ही योजनाओं का लाभ राज्य के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में आये सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित किया।

इस दौरान सोरेन ने कार्यकर्ताओं में उत्साह तथा ऊर्जा भरा। मौके पर गांडेय विधानसभा क्षेत्र से विधायक कल्पना सोरेन ने कार्यकर्ताओं को योजनाओं की जानकारी के साथ-साथ संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने कार्यकर्ताओं के मन में राज्य की लोक कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में उठ रही जिज्ञासाओं को शांत किया तथा संगठन की मजबूती के लिए बूथ स्तर पर कार्यक्रम करने की बात कही। बैठक में कोल्हान प्रमंडल के पूर्वी सिंहभूम, पश्चिम सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जिला के जिला समिति के सभी पदाधिकारी, वर्ग संगठनों के अध्यक्ष एवं सचिव, नगर, महानगर समिति के पदाधिकारी, प्रखंड समिति के पदाधिकारी तथा पंचायत समिति के अध्यक्ष तथा सचिव शामिल थे।

कांवरियों पर जानलेवा हमला निंदनीय है : दीपक प्रकाश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने रांची-लोहरदगा ट्रेन में कांवरियों पर किये गये जानलेवा हमले की निंदा की। कहा कि रांची के पहाड़ी मंदिर में जलाभिषेक करने के बाद लोहरदगा ट्रेन से वापस जा रहे कांवरियों पर असामाजिक तत्वों के द्वारा नरकोपी, नकजुआ और आकासी स्टेशनों पर जानलेवा हमला और पथराव सोची-समझी साजिश का परिणाम है। कांवरियों पर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला और मारपीट की गयी। सावन के पवित्र मास में शिवभक्तों के ऊपर ऐसे कायराना हमले की जितनी भी भर्त्सना की जाये, कम है। यह कायराना हमला अक्षम्य और निंदनीय है। उन्होंने झारखंड सरकार से पूरे मामले का संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की। श्री प्रकाश ने सरकार की जर्जर कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर झारखंड में हिंदुओं के हर तीज और त्योहारों में किसके संरक्षण में असामाजिक तत्व बाधा उत्पन्न करने की हिम्मत करते हैं। आखिर उनको कौन संरक्षण दे रहा है। भाजपा की सरकार बनते ही इन सब चीजों पर पूर्णतः रोक लग जायेगी।

मेदांता में डॉक्टर की लापरवाही से सुधीर की मौत

रांची (आजाद सिपाही)। सुधीर कुमार पिता वीरेंद्र कुमार लालपुर चौक रांची जो फार्मा कंपनी में मैनेजर के रूप में काम कर रहे थे। फार्मा कंपनी के काम से सुधीर कुमार गया हुआ था रास्ते में रोड एक्सीडेंट हुआ उसके बाद उसे 25 जून को मेदांता रांची में भर्ती कराया गया। जहां सुधीर कुमार 11 दिन वेंटिलेटर पर रहे। 12 दिन बाद उसे निकालकर आइसीयू में डाला गया। डॉक्टर के द्वारा लगातार कहा गया कि वह ठीक हो जायेगा। लेकिन सुधीर कुमार की मौत हो गयी। मेदांता हॉस्पिटल के द्वारा कुल 14 लाख का बिल दिया गया, जिसमें से 11.90 लाख का बिल जमा कर दिया गया था। लेकिन मेदांता शव देने से मना कर रहा था। काफी हो हंगामा के बाद शव परिजनों को सौंपा।

झामुमो-कांग्रेस की सरकार में कोई सुरक्षित नहीं : बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार में अपराधियों का बोलबाला इस कदर बढ़ गया है कि शिक्षक समेत राज्य के अन्य कर्मचारी नौकरी छोड़ कर दूसरे प्रदेश में जाने को विवश हो रहे हैं। भय का वातावरण सिर्फ राज्य की सड़कों पर व्याप्त नहीं है, बल्कि लोगों के जेहन में भी है। जब चोरों, डकैतों और अपराधियों को संरक्षण सरकार से मिल रहा है, तो जनता ऐसे में करे, तो करे क्या। महिलाएं असुरक्षित हैं। झारखंडवासी परेशान हैं।

कांवरियों पर हमले के खिलाफ झारखंड पुलिस जल्द ले एक्शन

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कांवरियों पर हमले की निंदा की। सोशल मीडिया के जरिये कहा कि कांवरियों पर रांची-लोहरदगा ट्रेन में जानलेवा हमला और पथराव की सूचना है। असामाजिक तत्वों द्वारा दो-तीन स्टेशनों पर इस घटना को अंजाम दिया गया है। बाबूलाल ने चिंता जाहिर करते कहा है कि पवित्र सावन मास में शिवभक्तों के ऊपर ऐसा कायराना हमला निंदनीय है। उन्होंने झारखंड पुलिस से मामले का संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने को भी कहा है।

शुरू से स्वयंसेवक रहा, यह मेरा सौभाग्य

बाबूलाल ने एक्स पर एक दूसरा पोस्ट भी किया है। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि मेरा सौभाग्य है कि जीवन के प्रारंभिक दिनों से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का स्वयंसेवक रहा हूं। संघ की गतिविधियों से जुड़ कर व्यक्तिव विकास, चरित्र निर्माण, समाजसेवा और राष्ट्रप्रेम की भावना विकसित होती है। दुर्भावना और पूर्वाग्रह की राजनीति से प्रेरित होकर कांग्रेस ने केंद्रीय कर्मचारियों को संघ की गतिविधियों में भाग लेने पर प्रतिबंध लगा दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने कांग्रेस के इस तुगलकी फैसले को बदल कर समाज के बड़े वर्ग को संघ के संस्कार प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया है। इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री का हृदयतल से आभार!

आदिवासी महिलाओं के विरुद्ध भाजपा नेताओं का दृष्टिकोण दुर्भाग्यपूर्ण: बंधु

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि भाजपा नेताओं का झारखंड की आदिवासी महिलाओं और लड़कियों के प्रति दृष्टिकोण उनके वक्तव्यों से पूरी तरीके से स्पष्ट है। किसी भी दृष्टिकोण से आदिवासी महिलाओं और लड़कियों के मान-सम्मान को राजनीतिक हथियार बनाने से भाजपा नेताओं को बाज आना चाहिए। यह बिल्कुल गलत है कि बाहर से आनेवाला कोई भी नेता जब-तब आरोप लगाये और आदिवासी महिलाओं की अस्मिता और उनके सम्मान से खिलवाड़ करे। श्री तिर्की ने कहा कि चाहे झारखंड के भाजपा नेता हों, फिर दिल्ली या किसी अन्य क्षेत्र से आनेवाले कोई भी नेता, आदिवासी महिलाओं से संबंधित विभिन्न विषयों को जिस तरीके से ना केवल अपनी सभाओं या बैठकों बल्कि मीडिया में भी रखते हैं, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। यह उनके संकुचित और दुर्भाग्यपूर्ण नजरिये को ही बताता है। कहा कि संताल परगना क्षेत्र में डेमोग्राफी में परिवर्तन और महिलाओं के साथ लव जिहाद जैसी बातें करके मीडिया और लोगों का ध्यान तो अपनी ओर खींच लेते हैं, लेकिन ऐसा वे बिना किसी आंकड़े, प्रमाण और थाने में दर्ज मामले की संख्या के ही करते हैं। आदिवासी महिलाओं के मान-सम्मान को राजनीति में घसीटना भाजपा नेताओं की पुरानी आदत है और इससे आदिवासियों में गुस्सा है। भाजपा नेताओं का रवैया और वक्तव्य उनके दृष्टिकोण, चाल-चरित्र और चेहरे को ही बताता है। यदि भाजपा नेताओं के पास कोई पुख्ता प्रमाण है, तो उसे सामने लाना चाहिए या उन्हें सक्षम ऑथोरिटी के पास अपनी शिकायत दर्ज करानी चाहिए, ना कि मीडिया में बने रहने के चक्कर बिना प्रमाण के आरोप लगाना चाहिए। संताल परगना के विभिन्न क्षेत्रों में घुसपैठ के संदर्भ में साधारण सा जवाब यही है कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर निगरानी और घुसपैठ रोकने की जिम्मेदारी केंद्रीय एजेंसियों पर है। घुसपैठ हो रही है, तो इसकी जवाबदेही केंद्रीय गृह मंत्रालय को लेनी चाहिए।

डीएसपीएमयू में ट्राइबल हेरिटेज कॉन्क्लेव 27-28 जुलाई को

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। डीएसपीएमयू में 27 और 28 जुलाई को ट्राइबल हेरिटेज कॉन्क्लेव का आयोजन किया जायेगा। इस आयोजन में देश के प्रतिष्ठित संस्थाओं और विश्वविद्यालयों के शिक्षाविद् व्याख्यान के द्वारा जनजातीय संस्कृति और विरासत पर प्रकाश डालेंगे। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति तपन कुमार शांडिल्य करेंगे। मंगलवार को इससे संबंधित एक पोस्टर कुलपति तपन कुमार शांडिल्य ने जारी किया। मौके पर उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी जनजातीय संस्कृति और उसकी विरासत को सहेजे, संरक्षित करें। कॉन्क्लेव उसी दिशा में एक प्रयास है, जहां देश के विषय विशेषज्ञ इतिहास, दर्शनशास्त्र, साहित्य, कला, पर्यटन और भारतीय ज्ञान प्रणाली पर आपसी विमर्श और संवाद स्थापित करेंगे।

महत्वपूर्ण खबरें

शिक्षकों का वेतन वृद्धि कैंप लगा

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। राजकीयकृत मध्य विद्यालय ओरमांझी (बालक) में कार्यरत शिक्षकों का वार्षिक वेतन वृद्धि हेतु कैंप का आयोजन किया गया। इसमें डीडीओ नसीम अहमद द्वारा शिक्षकों की मूल सेवा पुस्तिका में वार्षिक वेतन वृद्धि अद्यतन की गयी। इस अवसर पर मध्य विद्यालय चकला के प्रधानाध्यापक बिमलेश कुमार मिश्रा, अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रखंड अध्यक्ष सतीश बड़ाइक, सचिव संतोष तिवारी, सविता पन्ना, पवन प्रकाश, अवधेश प्रसाद, रेखा साहू, राजेश्वर महतो, रामेश्वर महतो, शकील अहमद, विनोद कुमार, ब्रजकिशोर प्रसाद यादव, शमीम अंसारी, पंचित बेदिया समेत कई लोग उपस्थित थे।

भसनंदा में दो विकास योजनाओं का शिलान्यास

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के भसनंदा गांव में मंगलवार को 15वें वित्त के तहत बजरंगबली मंदिर से दशा मुंडा के घर तक बनने वाली पीसीसी सड़क व एतवा स्वांसी के घर के समीप चबूतर निर्माण कार्य का शिलान्यास पंचायत की मुखिया लक्ष्मी कोया ने विधिवत रूप पूजा-अर्चना करते हुए किया। मौके पर पूर्व उपप्रमुख धनंजय कुमार राय पूर्व मुखिया सुनील कच्छप,लीला मुंडा,रशीद मीर, पहान छापा उरांव, अनिल पन्ना, घघारी उरांव, पंचु उरांव, गोवर्धन गोप, अजय गोप, करमा मुंडा मौजूद थे।

निशुल्क एक्यूप्रेशर चिकित्सा शिविर का आयोजन

नामकुम (आजाद सिपाही)। एक्यूप्रेशर परिषद झारखंड शाखा टाटीसिलवे के बैनर तले एक्यूप्रेशर परिषद श्री साइन नाथ एक्यूप्रेशर सेंटर पुदाग का वार्षिक उत्सव के अवसर पर मंगलवार को नि:शुल्क एक्यूप्रेशर चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। संचालन दिनेश सिंह व धन्यवाद ज्ञापन शोभा सिंह ने किया। शिविर का उद्घाटन एक्यूप्रेशर परिषद के अध्यक्ष डॉ दिनेश सिंह एवं डॉ मधुसूदन पांडे ने संयुक्त रुप से किया। मौके पर मधुसूदन पांडे ने कहा कि एक्यूप्रेशर जनउपयोगी इलाज है। शिविर में पेट, कमर, घुटना दर्द, सर्वाइकल, स्लिप डिस्क, शुगर, माइग्रेन के दर्जनों मरीजों ने इलाज कराया। शिविर में डॉ नरेश महतो, डॉ ललिता कुमारी, महेश प्रजापति आदि उपस्थित थे।

पूर्व विधायक ने बिजली की समस्याओं को लेकर महाप्रबंधक से की मुलाकात

नामकुम (आजाद सिपाही)। नामकुम प्रखंड अंतर्गत बरगावां पंचायत के पतरा नया टोली में ग्रामीणों के साथ बिजली संबंधित समस्याओं को लेकर पूर्व विधायक खिजरी रामकुमार पाहन एवं सांसद प्रतिनिधि खिजरी विधानसभा प्रमोद कुमार सिंह ने ग्रामीणों के साथ झारखंड राज्य बिजली वितरण निगम के महाप्रबंधक से मिलकर बिजली से संबंधित समस्याओं की जानकारी दी। महा प्रबंधक ने जल्द दूर करने का आश्वासन दिया। मौके पर संतोष कुमार, चंद्रशेखर महतो, राजेंद्र गोप, विकास तिवारी, कमला देवी, रेणुका देवी, मीनाक्षी देवी, दिलीप मिश्रा, सुभाष महतो, तुषार महली, गोरखनाथ सिंह आदि उपस्थित थे।

विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान को लेकर बैठक

बेडो (आजाद सिपाही)। प्रखंड स्थित एसएसप्लस टू उच्च विद्यालय में मंगलवार को विधायक शिल्पी नेहा तिर्की की अध्यक्षता में प्रबंधन समिति की एक बैठक हुई। बैठक में विधायक ने विद्यालय के प्रभारी से विद्यालय के छात्र छात्राओं की मुलभूत सुविधाओं में पानी, बिजली, शौचालय आदि के संदर्भ में जानकारी ली। विधायक ने एक सप्ताह के अंदर विद्यालय में व्याप्त समस्याओं का समाधान करने का निर्देश दिया। मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी शिक्षक, उप प्रमुख मोदस्सीर हक प्रखंड अध्यक्ष करमा उरांव मौजूद थे।

राम मनोहर लोहिया विद्यालय उमेडंडा में पौधरोपण

पिठोरिया (आजाद सिपाही)। राम मनोहर लोहिया प्लस टू उच्च विद्यालय उमेडंडा परिसर में मंगलवार को पौधरोपण किया गया। पौधरोपण भाजपा के बैठक व कार्यक्रम विभाग के प्रदेश संयोजक स्वामी देवेंद्र प्रकाश व अन्य अतिथियों के द्वारा किया गया। इस दौरान स्वामी देवेंद्र प्रकाश ने कहा कि समस्त विश्व को प्राकृतिक आपदा, ग्लोबल वार्मिंग व अन्य दुष्प्रभाव से बचाने का एकमात्र विकल्प पौधरोपण है। इस मौके पर आम, कटहल और अमरूद का 102 पौधा छात्रों व शिक्षकों के सहयोग से लगाया गया। पौधरोपण कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक डॉ. अमरेंद्र कुमार, सुजीत कुमार केशरी, हीरा पासवान और बिंटु शाहदेव मौजूद थे।

श्री शिव संकट मोचन मंदिर का भूमि पूजन

पिस्का नगड़ी (आजाद सिपाही)। नगड़ी के चेकपोस्ट नारो स्थित श्री शिव संकट मोचन मंदिर निर्माण समिति के तत्वावधान में श्री शिव संकट मोचन मंदिर का वृहद आकर्षक मंदिर का निर्माण को लेकर आधारशिला एवं भूमिपूजन समारोह हुआ। मौके पर पुजारी पंडित दयाशंकर पाठक ने यजमान रामगति महतो, ईश्वर महतो और राजेंद्र महतो सह्रीक को वैदिक मंत्रों उच्चारण के साथ विधि विधान से भूमि पूजन कराया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जोहर पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष कुशवाहा विजय महतो मुख्य संरक्षक केदार महतो नगड़ी थाना में कार्यरत एसआइ संजय सिंह, युवा समाजसेवी विजय धान, कुलदीप तिवारी, अतिश शाही, चंपा उरांव, अंधु महली, विगु पहान, विक्रम सिंह, मंजीत उरांव (मुखिया नगडी), केसरवानी वैश्य सभा के महामंत्री दिनेश केसरी, पंचम किसपोट्टा, नंदकिशोर महतो, धरम महतो, जीतपहान महली, संजय सिंह, विजय महतो उपस्थित थे।

बीएफटी संघ ने झारखंड मनरेगा कर्मचारी संघ को दिया नैतिक समर्थन

नामकुम (आजाद सिपाही)। झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ का अनिश्चितकालीन हड़ताल का मंगलवार को भी जारी रहा। राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में मनरेगा कर्मचारी हड़ताल पर डटे रहे। इस दौरान बीएफटी संघ ने अपना नैतिक समर्थन झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ को लिखित रूप में दिया। मौके पर बीएफटी संघ के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप दास, उपाध्यक्ष अमित कुमार, सचिव मुश्ताक अंसारी, कोषाध्यक्ष ब्रजेश कुमार के नेतृत्व में सभी बीएफटी कर्मी उपस्थित थे।

प्रमंडलीय आयुक्त ने की प्रमंडलीय जिला के उप निर्वाचन पदाधिकारी के साथ समीक्षा बैठक

विधानसभा क्षेत्रवार मतदाताओं की संख्या बनाने का दिया निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आयुक्त, दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल, रांची अंजनी कुमार मिश्र ने प्रमंडलीय अंतर्गत सभी जिला रांची, गुमला, लोहरदगा, सिमडेगा एवं खूंटी के उप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ बैठक कर विधानसभावार सभी पुरुष/महिला मतदाता की संख्या, दिव्यांग मतदाता की संख्या/ 80 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाता/वीआइपी मतदाता/थर्ड जेंडर/सेक्स वर्कर सहित कुल मतदाताओं की संख्या की जानकारी ली। प्रमंडलीय आयुक्त ने पदाधिकारियों से कहा कि विशेष अभियान दिवस 27-28 जुलाई और 3-4 अगस्त को चलाया जायेगा। 31 जुलाई पात्र दिव्यांगजनों का निबंधन एवं मतदाता सूची में मार्किंग हेतु विशेष अभियान चलाने हेतु निर्देश दिया। 1 अगस्त को विशेष समूह 85 + आयु के मतदाता का निबंधन हाउस टू हाउस वीजिट संबंधी प्रतिवेदन देने एवं दिनांक 2 अगस्त को सभी पात्र थर्ड जेंडर/सेक्स वर्कर का निबंधन सहित फार्म -6, 6ए, 6बी एवं 8 की प्राप्ति/निर्गत/पेंडिंग की वर्तमान स्थिति की जानकारी देने को कहा गया। वोटर हेल्पलाइन एक्टिवेशन, स्वीप एक्टिवेशन और पब्लिक जागरूकता संबंधी सूचना के साथ लोक शिकायत निवारण सिस्टम संबंधी सूचना, की समीक्षा उक्त बैठक में की गयी। समीक्षा बैठक के दौरान आयुक्त के सचिव जुल्फिकार अली, रांची/गुमला/ लोहरदगा/ सिमडेगा/खूंटी के उप निर्वाचन पदाधिकारी, विवेक सुमन, सुषमा लकड़ा, धीरज कुमार ठाकुर, पवन कुमार महतो एवं प्रेमचंद कुमार सिन्हा आदि उपस्थित थे।

ओबीसी का 2023 से भी कम राशि का बजट : राजेश गुप्ता

रांची (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने बजट के बाद अपने प्रेस बयान में कहा कि केंद्र सरकार के बजट के प्रावधानों देखने के बाद ऐसा लगता है कि सरकार ने ओबीसी के आर्थिक व सामाजिक हालात में सुधार लाने के लिए कोई राहत की योजना नही सुझायी है, बल्कि 2023 से भी कम राशि का प्रावधान किया है।

सरना स्थल की घेराबंदी कार्य का शिलान्यास

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। जिप सदस्य अनुराधा मुंडा ने मंगलवार को चतरा पंचायत के चतरा में कल्याण विभाग मद से स्वीकृत सरना स्थल की घेराबंदी कार्य का शिलान्यास किया। इस अवसर पर उपप्रमुख जयपाल हजाम, मुखिया डोली मुंडा, पूर्व मुखिया सोहन मुण्डा, सुमित महतो, भाजपा नेता रामसाय मुंडा, रोहित महतो, रमेश मुण्डा, दीपिका देवी, जय महली, बसंत हिंदवार, सुरेश मुंडा, छोटेलाल महतो, चंद्र महली, महेंद्र महतो सहित अन्य उपस्थित थे।

उमेश बड़ाइक ने मंत्री बन्ना गुप्ता से की मुलाकात

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। ग्राम प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष उमेश कुमार बड़ाइक ने सोमवार की रात होटल राजधानी गोंदलीपोखर में झारखंड के स्वास्थ्य एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री बन्ना गुप्ता से शिष्टाचार मुलाकात की। मंत्री बोकारो से वापस रांची लौटने के क्रम में होटल राजधानी गोंदलीपोखर में कुछ देर के लिए रुके थे। मुलाकात के दौरान उमेश बड़ाइक नें क्षेत्र की स्वास्थ्य एवं राशन आपूर्ति से संबंधित कई समस्याओं से मंत्री को अवगत कराया और निराकरण की मांग की। मौके पर शिवलाल महतो आदि मौजूद थे।

रातू में झामुमो प्रखंड समिति की बैठक

रातू (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय में मंगलवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड समिति की बैठक आयोजित की गयी। प्रखंड अध्यक्ष बेलाल अंसारी के अध्यक्षता में आयोजित बैठक में महिला मोर्चा का गठन किया गया। इसमें सर्वसम्मति से अनिता टोप्पो को अध्यक्ष व शीतल कच्छप को सचिव बनाया गया। इसके अलावा रतन देवी,सरिता देवी, रजिया खातून, बबीता उरांव, बबली उरांव, अनीता खलखो को उपाध्यक्ष, जयंती देवी को संयुक्त सचिव, बतिया देवी को संगठन सचिव एवं शिल्पा उरांव, प्रतिभा खालको प्रतिमा कुमारी, सचिता लिंडा की कार्यकारी सदस्य में जगह दी गयी है। बैठक में किसान मोर्चा प्रखंड समिति का भी गठन किया गया। इसमें प्रखंड अध्यक्ष वीरेंद्र साहू एवं सचिव रशीद अंसारी चुने गये। कार्यक्रम का संचालन असलम अंसारी ने किया। बैठक में रांची जिला महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष नयनतारा उरांव, उषा उरांव, अंशु लकड़ा, शांति उरांव, मुसर्रत परवीन, सज्जाद अंसारी बच्चन उरांव , दानियाल उरांव, शमीम मंसूरी, महावीर विश्वकर्मा पावइरुष तिर्की, प्रदीप किस्पोट्टा, बबलू मिंज, सैयद फिरोज आलम, सिंदबाज खान उपस्थित थे।

सात वर्ष पुराने वैवाहिक वाद का निष्पादन

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। एलएडीसीएसी के अधिवक्ता राजेश कुमार सिन्हा और आवेदक के अधिवक्ता सरिकन टोपनो के प्रयास से प्री लिटिगेशन वाद संख्या 185/2024 को समझौता के तहत मंगलवार को सुलझा लिया गया। मालूम हो कि उक्त वाद में आवेदक ने एक आवेदन डालसा कार्यालय में अपनी पत्नी के विरुद्ध दायर किया था। इस वाद को 5 बैठकों में सुलझा लिया गया। पत्नी राजी-खुशी से पति के साथ ससुराल चली गयी। मौके पर डालसा सचिव ने दोनों को सुखमय जीवन व्यतीत करने का आशीर्वाद दिया।

डॉ परमेश्वर भगत की टीम की प्रखंड स्तरीय बैठक

मांडर (आजाद सिपाही)। प्रखंड के तिग्गा कॉम्प्लेक्स ब्रांबे में मंगलवार को पूर्व डीडीसी सह समाजसेवी डॉ परमेश्वर भगत की अध्यक्षता में टीम की बैठक की गयी। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए मांडर प्रखंड कमिटी का गठन किया गया। साथ ही इसमें प्रखंड एवं पंचायत स्तरीय पदाधिकारियों का चयन किया गया। जुमाउद्दीन अंसारी को मांडर प्रखंड का प्रखंड प्रभारी बनाया गया। कार्यक्रम का संचालन समाजसेवी शमीम अख्तर आजाद ने किया। मौके पर मौलाना रफीक, मजीद अंसारी, अमानुल्लाह अंसारी, जमाउद्दीन अंसारी, इस्लाम अंसारी, नसीम अंसारी, मोद्दसीर , मो अली अंसारी, अजबूल अंसारी, फिरदौस खान उपस्थित थे।

विस चुनाव में खिजरी विधानसभा के बेदिया जनजातियों की होगी निर्णायक भूमिका : अकलेश

सिकिदिरी (आजाद सिपाही)। विधानसभा स्तरीय बेदिया जनजाति कार्यकर्ता सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित जेपी सह झारखंड अंदोलन कारी अकलेश सिंह ने कहा कि बेदिया जनजाति यहाँ की प्रमुख जनजातियों में से एक है, लेकिन यह जनजाति राष्ट्र के मुख्य धारा से अलग - थलग होकर अजादी के इतने वर्षों तक राजनीतिक क्षेत्र में इनको प्रतिनिधित्व का कभी अवसर नहीं मिला। ये जनजाति अब राजनीतिक भागीदारी से अपने आप को उपेक्षित महसूस करने लगी है। ये बाते ओबर गॉव में आयोजित बेदिया जनजाति कार्यकर्ता सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि के रूप में बोल रहे थे। आगे इन्हें और कहा कि सांसद सह राज्य रक्षामंत्री संजय सेठ द्वारा बेदिया जनजाति के विकास के लिए दस लाख रुपये अग्रीम देने व ओबर गांव को गोद लेकर गांव का विकास करने की घोषणा का हम दिल से प्रसंशा करते हैं। उन्होंने कहा कि विस चुनाव में खिजरी विधानसभा के बेदिया जनजातियों की निर्णायक भूमिका होगी।

मानसिक दबाव बनाया जा रहा था जमादार राहुल सिंह पर

डीआइजी की जांच में खुलासा, सौंपी रिपोर्ट

एक निर्दोष को अभियुक्त बनाने का दबाव बना रहे थे सीनियर अफसर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रामगढ़ जिला के ट्रैफिक जमादार राहुल सिंह मानसिक दबाव में था। उस पर यह दबाव था कि एक निर्दोष व्यक्ति को एक मामले में आरोपी बनाया जाये। इसके लिए वह तैयार नहीं था। रामगढ़ जिला में पदस्थापित सीनियर अधिकारियों से कई स्तर पर चूक हुई है। डीजीपी अजय कुमार सिंह के आदेश पर हजारीबाग के डीआइजी सुनील भाष्कर ने सोमवार शाम को अपनी जांच रिपोर्ट सौंप दी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जांच रिपोर्ट में किसी के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा तो नहीं है, लेकिन मृत जमादार राहुल सिंह के

परिजनों द्वारा लगाये जा रहे आरोप की पुटि हुई है। परिजन यह आरोप लगा रहे थे कि राहुल सिंह पर गलत तरीके से दबाव बनाया जा रहा था। वह मानसिक तनाव में था। इसकी पुष्टि डीआइजी की रिपोर्ट में हो गयी है। मालूम हो कि रविवार को रामगढ़ के जमादार राहुल सिंह की मौत ड्यूटी के दौरान हुई थी। इसके बाद परिजनों का आरोप था कि एक निर्दोष व्यक्ति को दोषी करार देने के लिए उस पर दबाव बनाया जा रहा था।

क्या है डीआइजी की जांच रिपोर्ट में

जांच में पाया गया है कि रामगढ़ थाना में चोरी का एक मामला दर्ज हुआ था। इस मामले का अनुसंधानक उस समय उस थाना में पदस्थापित जमादार राहुल सिंह था। रामगढ़ के ही रहनेवाले अनिकेत को शक के आधार पर लाया गया था। थाना हाजत में उसने आत्महत्या कर ली थी। उसकी आत्महत्या पर अलग से मामला दर्ज हुआ था। 21 फरवरी को दर्ज एफआइआर का अनुसंधानक भी नियम विरुद्ध राहुल सिंह को बना दिया गया था। साथ ही उस पर यह दबाव था कि अनिकेत को ही चोरी के कांड का सरगना बताया जाये।ऐसा कर थानेदार यह चाहते थे कि इसमें राहुल फंस जाये, और वे बेदाग निकल जायें। इसके लिए राहुल तैयार नहीं था। इसकी जानकारी उसने रामगढ़ के तत्कालीन एसपी डॉ विमल कुमार को भी दी थी। उनके स्तर से भी कोई कार्रवाई नहीं की गयी।

फर्जी ग्रामसभा कर लाभुक समिति का चयन का आरोप

रातू (आजाद सिपाही)। प्रखंड के रातू उत्तरी पंचायत की वार्ड सदस्य मंजू कच्छप ने रातु उत्तरी पंचायत स्थित टाउनहॉल में पीसीसी पथ निर्माण में लाभुक समिति के चयन में अनियमितता व फजीर्वाड़ा कर ग्राम सभा करने के खिलाफ बीडीओ रवि कुमार को आवेदन देकर जांच की मांग की है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग,
भवन प्रमण्डल, हजारीबाग

शुद्धि पत्र

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–14/2024–25 ,PR संख्या–329395 Building (24-25). D द्वारा प्रकाशित निविदा के ग्रुप सं0–06 , कार्य का नाम –Renovation work for Primary School, Huduwa, Block-Barkagaon, Hazaribag, एवं ग्रुप सं0–07 कार्य का नाम –Repair for work of Class Room Building of B.C Girls Residential High School at Matwari Block Sadar ,District-Hazaribag को अपरिहार्य कारणवश रद्द की जाती है।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमण्डल, हजारीबाग।

PR.NO.330453 Building(24-25):D

कार्यालयः-जिला शिक्षा पदाधिकारी, लातेहार
बालिका उच्च विद्यालय परिसर लातेहार ई मेल
deolatehar1@gmail.com / rmsaltr@gmail.com

आमसूचना

सर्व सधारण को सूचित किया जाता है कि विज्ञप्ति संख्या 593 दिनांक 11.07.2024 के माध्यम से जिला खनिज फाउण्डेशन ट्रस्ट (DMFT) लातेहार के द्वारा जिला अन्तर्गत विभिन्न प्रखण्डों के विद्यालयों में स्पोर्ट्स कॉर्नर निर्माण के लिए दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से ईच्छा की अभिव्यक्ति R.F.P/ निविदा के माध्यम से एजेंसी/ आपूर्तिकर्ता का चयन करने हेतु दैनिक समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित किया गाया है। जिसमें निविदा खोलने कि तिथि 24.07.2024 को 11:00 बजे निर्धारित किया गया था। को अपरिहार्य कारणों से स्थगित करते हुए पुनः दिनांक 26.07.2024 को 11:00 बजे निर्धारित किया गया है।

पत्रांक.....631
दिनांक23.07.2024

जिला शिक्षा पदाधिकारी,
लातेहार

PR 330500 Higher Education Directorate(24-25).D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, हजारीबाग

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0–16/2024–.25

1.विज्ञापनदाता का नाम एवं पदनाम : कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमण्डल, हजारीबाग।
2.परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि : दिनांक 01.08.2024 के अपराह्न 1.00 बजे तक
3.निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 02.08.2024 को 3.00 बजे अपराह्न तक
4.निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 02.08.2024 को अपराह्न 3.30 बजे
5.परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : 1) कार्यपालक अभियंता, या प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा भवन प्रमण्डल, हजारीबाग में।
2) अधीक्षण अभियंता, या प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा भवन अंचल, हजारीबाग में।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : 01)) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,भवन प्रमण्डल ,हजारीबाग।

क्र. सं.	कार्यकानाम	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र कामूल्य (रू0 में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Repair for work of Class Room Building of B.C Girls Residential High School at Matwari Block - Sadar ,District - Hazaribag	1963300/-	40000/-	5000/-	3 माह

निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमण्डल, हजारीबाग

PR 330457 Building(24-25).D

कार्यालयः जिला मत्स्य कार्यालय, सिमडेगा।

आवेदन आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि सिमडेगा जिला में वित्तीय वर्ष 2024–25 में राज्यादेश सं0–05 रा0(वि0), दिनांक– 13.06.2024 के आलोक में मत्स्य प्रसार, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण योजना अंतर्गत निम्नलिखित योजना ओंका लक्ष्य प्राप्त है एवं जिसके आलोक में निम्नांकित योजनाओं हेतु लाभुकों का चयन किया जाना है। अतः निम्न योजनाओं हेतु आवेदन आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	योजना का नाम	इकाई	लघु शीर्ष	भौतिक लक्ष्य	इकाई अनुमान्य अनुदान	लाभुक का अंशदान	चयन हेतु अर्हताएँ
1	केज मत्स्य पालकों हेतु लाईफ जैकेट	सं0में	796	50	अधिकतम 1815/– रू	25 प्रतिशत अथवा605 /– रू0 (इकाई लागत का)	1. केजमत्स्य पालक होजिनके द्वारा वर्त्तमान मेंमछलीपालन किया जा रहा हो। 2. लाभुक द्वारा अपना अंष दान लगाने हेतु लिखित सहमति देनाहोगा। 3. विगत वर्षों का केज मेंमछली उत्पादन काऑकड़ा लिखित रूप मेंआवेदन के साथ संलग्न करनाहोगा। 4. सरकार का अंषदान 75प्रतिषत् (1815/–रू0 देय होगा एवं शेष अंषदान 25 प्रतिषत लाभुक द्वारा वहनकिया जाएगा।)
2	निजी क्षेत्र में महाझींगा पालन	एकड़ में	796	6	अधिकतम 128000/– रू0 (प्रति एकड़)		1. आवेदक मत्स्य पालनसेजुड़ाहो। 2. अपनानिजी 1 एकड़ एकड़ जलक्षेत्र का सदाबहार तालाबहो। 3. ST/SC/एवं महिलावर्ग के लिए राज्य सरकार का अंषदान 128000/– रू0 प्रति एकड़ होगा शेष अंषदान लाभुक द्वारा वहन किया जाएगा।
3	पुरस्कार/ सम्मान	सं0 में	796	2	अधिकतम 30000/– रू0		उत्कृष्ट मत्स्य पालकों, मत्स्य बीज उत्पादकों तथा हैचरी संचालकों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कार स्वरूप/ सम्मानित करने हेतु अधिकतम् राषि 30000/– रू0 प्रतिचयनित कृषक पुरस्कार के रूप में 12 Paddle Wheel Aerator (विभाग द्वारा अनुमोदित) अथवा मत्स्य बीज पैकेजिंग हेतु ऑक्सीजन सिलिन्डर (Accessories सहित) के क्रय हेतु प्रोत्साहनराषि उनके बैंक खाते में डी0बी0टी0 के माध्यम से दी जायेगी।
4	मत्स्य कृषकों की गोष्ठी	–	796 789	650 40	–	–	इच्दुक मत्स्य कृषक पंचायत/ प्रखण्ड स्तर परमत्स्य कृषक गोष्ठी हेतु स्थल एवं वांछित विवरणी के साथ कार्यालय में संपर्क करें।
5	जलाशय स्तरीय मछुआरों के लिए I. Card	सं0 में	796	20	–	–	जलाषयों में मत्स्य शिकार माही करने वाले मछुआरे वांछित कागजातों के साथ अपना निबंधन कराने हेतु आवेदन समर्पित कर सकते है।
6	मत्स्य बीजउत्पादकोंको 03 दिवसीय प्रषिक्षण	सं0 में	796 789	190 20	–	–	सभी इच्दुक मत्स्य कृषक प्रषिक्षण हेतु जिलामत्स्य कार्यालय, सिमडेगा में संपर्क करें।
7	मत्स्य बीजउत्पादकों/ मत्स्य कृषकोंआदिको 01 से 01 दिवसीय कार्यषाला/सेमिनार	सं0 में	796 789	50 15	–	–	
8	05 दिवसीय प्रषिक्षण/विषय आधारितप्रषिक्षण	सं0 में	796 789	190 35	–	–	
9	नयेरंगीनमछलीपालन	सं0 में	796	02	–	–	नये रंगीन मछली पालन हेतु पूरक सामग्री आपूर्ति की जाएगी इसहेतु कार्यालय में आवेदन समर्पित कर सकते हैं।

नोटः–एतद् द्वारा उक्त तालिका में दिए गए विवरणों के आलोक मेंसिमडेगा जिला के ऐसेमत्स्य पालकों से जो आवेदनकरने की अहर्ता रखतेहैं एंव आवेदित कार्यक्रम के क्रियान्वयन में अंशदान लगाने में सक्षमहै, उनसे आवेदन आमंत्रित किया जाताहै।
आवेदन जमा करनेकी अंतिम तिथि :–01.08.2024
आवेदन जमा करने का स्थान :–जिलामत्स्य कार्यालय, सिमडेगा।
आवेदन प्रपत्र जिलामत्स्य कार्यालय, सिमडेगा में निःशुल्क प्राप्त किया जा सकताहै।
संबंधित जानकारी एवं आवेदनप्रपत्र जिला के वेबसाईट www.simdega.nic.inij भी देखा जा सकताहै।

जिलामत्स्य पदाधिकारी,
सिमडेगा।

PR 330441 Fish(24-25)D

धर्म की आड़ में धंधा करते स्वयंभू धर्मगुरु

हाल ही में हाथरस (यूपी) में एक धार्मिक आयोजन के दौरान हुई दर्दनाक घटना ने पूरे देश का माहौल गमगीन कर दिया है। मनोकामना पूरी होने की आशा में नारायण हरि उर्फ साकार विश्व हरि भोले बाबा का प्रवचन सुनने आये लाखों श्रद्धालुओं में भगदड़ मचने से 121 लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। पहले भी ऐसी कई घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें हजारों लोगों ने अपनी कीमती जान गंवायी है। कौन नहीं जानता कि ऐसी घटनाओं से आवश्यक सबक लेने और उन्हें रोकने या नियंत्रित करने के लिए प्रभावी उपाय करने के बजाय, इस बार भी इन अप्रत्याशित मौतों को किसी अदृश्य शक्ति या प्रबंधकों और प्रशासन की लापरवाही का परिणाम कह कर खारिज कर दिया जायेगा। इस भयानक घटना के इन पहलुओं के अलावा, हमें समाज में विभिन्न धर्मों के स्वयं-भू धार्मिक गुरुओं के बढ़ते प्रभाव और उनकी प्रवचन शैली से उत्पन्न होने वाले नकारात्मक परिणामों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। यह भारत की खूबसूरती है कि यहां अलग-अलग समय में अस्तित्व में आये कई धर्मों के संस्थापकों ने उस युग में समाज में फैली कुरीतियों, अंधविश्वासों, पिछड़ी मान्यताओं और अनावश्यक रीति-रिवाजों और उनके विरोध में रुचि रखने वाले लोगों को जागरूक किया। लेकिन यह भी सच है कि हर धर्म में स्वार्थी तत्व और शासक वर्ग के लोग आम लोगों की आस्था का अनुचित फायदा उठाते हैं और रात में खुद को धर्म का दूत बता कर धर्म के नाम पर अपनी दुकानें चमकाने लगते हैं। भगवान की कृपा से करोड़ों लोगों की वास्तविक कमाई में चढ़ावे के रूप में एकत्रित धन के कारण ऐसे स्वयंभू धर्मगुरु अरबपति बनते हैं। ऐसे कई बुरे आदमी हत्या, बलात्कार, धोखाधड़ी और कई अन्य प्रकार के आपराधिक मामलों में पकड़े जा रहे हैं और लंबी जेल की सजा काट रहे हैं और कई अन्य अदालतों में आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे हैं। इन अपराधियों को उनके वास्तविक अंजाम तक पहुंचाने के लिए वे उनका इस्तेमाल राजनीतिक हितों के लिए करते हैं। धार्मिक संस्थाएं अपने अनुयायियों एवं भक्तों की श्रम शक्ति एवं आर्थिक अंशदान (योगदान) का समर्थन करती हैं, वे जरूरतमंदों की कई जरूरतें पूरी करती हैं और बहुमूल्य सामाजिक सेवाएं भी प्रदान करती हैं। लोगों के कष्टों और अज्ञानता का फायदा उठा कर वे धर्म की आड़ में अपना अधर्मी धंधा जारी रखते हैं। यदि वे पीड़ित लोगों का हाथ पकड़ते हैं और उत्पीड़तों के खिलाफ लोगों में भावना और साहस फैलाते हैं, तो वे एक पंथ या धर्म स्थापित करने का प्रयास करते हैं। हर युग में ऐसी परिस्थितियों में पीड़ित लोगों के कष्टों को दूर करने के लिए ऐसे नवोदित धर्मों का मार्ग प्रशस्त होता रहा है।

भगवान की कृपा से करोड़ों लोगों की वास्तविक कमाई में चढ़ावे के रूप में एकत्रित धन के कारण ऐसे स्वयंभू धर्मगुरु अरबपति बनते हैं। ऐसे कई बुरे आदमी हत्या, बलात्कार, धोखाधड़ी और कई अन्य प्रकार के आपराधिक मामलों में पकड़े जा रहे हैं और लंबी जेल की सजा काट रहे हैं और कई अन्य अदालतों में आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे हैं।

अभिमत
आजाद सिपाही

गांवों में तमाम बड़े पेड़ विशेष रूप से नीम पर खूब झूले डाले जाते थे। आम के पेड़ों को झूलों के लिए नहीं चुना जाता था। कहा जाता था कि इसकी लकड़ी इतनी मजबूत नहीं होती कि इन पर झूले डल सकें। नारियल की रस्सी से बनाये झूले पर पटली लगायी जाती थी। कई बार दो रस्सियों के अलग-अलग झूले डाल कर, उन पर वान से बने छोटे खटोले लगा दिये जाते थे। इन पर बैठ कर छोटे बच्चे भी खूब झूल सकते थे। विशेष कर लड़कियां।

नयी पीढ़ी को सावन के झूलों से क्या लेना

क्षमा शर्मा

पड़ गये झूले सावन ऋतु आई रे। सावन के दिनों में ऐसे न जाने कितने गीत कानों में गूंजते रहते हैं। गांवों में तमाम बड़े पेड़ विशेष रूप से नीम पर खूब झूले डाले जाते थे। आम के पेड़ों को झूलों के लिए नहीं चुना जाता था। कहा जाता था कि इसकी लकड़ी इतनी मजबूत नहीं होती कि इन पर झूले डल सकें। नारियल की रस्सी से बनाये झूले पर पटली लगायी जाती थी। कई बार दो रस्सियों के अलग-अलग झूले डाल कर, उन पर वान से बने छोटे खटोले लगा दिये जाते थे। इन पर बैठ कर छोटे बच्चे भी खूब झूल सकते थे। विशेष कर लड़कियां। उत्तर भारत, विशेष तौर पर ब्रज प्रदेश में सावन के दिनों में लड़कियां अपने मायके आती थीं। वे खूब झूला झूलती थीं। साथ में सावन के गीत भी खूब गाती थीं। हथेलियों पर मेहंदी, पैरों में महावर या आलता, तरह-तरह के शृंगार व हाथों में हरी-लाल चूड़ियां।

बदले वक्त ने महिलाओं के शृंगार में बहुत परिवर्तन कर दिया है, मगर वक्त चाहे जितना बदल जाये सावन की महिमा से इंकार नहीं किया जा सकता। सावन में ही तीज आती है। तीज अविवाहित लड़कियों का त्योहार है। इस दिन पीली मिट्टी से गौरी बना कर उन्हें भी झूले की पटली पर बिठाया जाता था। उनकी पूजा पूरी-पकवान, मिठाइयों से की जाती थी। यह ब्रज प्रदेश का इकलौता त्योहार है, जो अविवाहित लड़कियों से जुड़ा है। तीज के दिन लड़कियां खूब इठलाती फिरती थीं। अक्सर उनके लिए नये कपड़े भी बनते थे। आज भी ऐसा होता है। मगर शहरों में इन दिनों काम करने वाले स्त्री-पुरुष चौबीस घंटे की नौकरी में इतने व्यस्त हैं कि बहुत-सी चीजें दिखायी नहीं देतीं। झूले भी कहीं नजर नहीं आते। हां, होटलों आदि में कई बार सावन महोत्सव मनाए जाने के विज्ञापन जरूर दिखायी देते हैं। एक समय में फिल्मों में सावन को बहुत सेलीब्रेट किया जाता था। इससे जुड़े मधुर गीत बनाये जाते थे। वे लोगों की जुबान पर चढ़ जाते थे। आज शायद ही किसी हिंदी फिल्म में सावन का उल्लास दिखता हो।

सावन का अर्थ ही है हरियाली, बारिश की रिमझिम, पकौड़े, भुट्टे, चाट, सेवइयां, खीर आदि। गीत-संगीत।

न जाने क्यों मान लिया गया है कि नयी पीढ़ी को इस उल्लास से क्या मतलब। एक तरफ स्त्री विमर्श का जोर है, तो दूसरी तरफ जिस माह ने स्त्रियों को इतना महत्व दिया, पता नहीं क्यों फिल्मकारों और समाज के एक वर्ग ने उसे भुला दिया या उसका महत्व कम कर दिया। सावन में ही रक्षाबंधन का त्योहार आता है। इसे फिल्मों और धारावाहिकों ने अब लगभग अखिल भारतीय त्योहार बना दिया है। अब कामकाजी लड़कियों को इतनी फुर्सत भी नहीं कि वे सावन के दिनों में पूरे महीने अपने मायके में रह सकें। इसलिए रक्षा बंधन से पहले ही आपने देखा होगा कि बसों, रेल गाड़ियों में भीड़ बढ़ जाती है। या तो बहनें अपने भाइयों को राखी बांधने जा रही होती हैं या भाई अपनी बहनों से राखी बंधवाने के लिए उनके पास जाते हैं। रक्षाबंधन के दिन तो दिल्ली जैसे महानगर में सड़कों पर इतनी भीड़ होती है कि कई- कई घंटे ट्रैफिक में फंसना मामूली-सी बात है। अन्य शहरों का भी यही हाल होता होगा।

मोटरसाइकिल तेज गति से भागते नजर आते हैं। जिन पर सजी-संवरी महिलाएं बैठी रहती हैं। रक्षा बंधन के दिन किसी कंडे या उपले पर गेहूं बोए जाते हैं। इन दिनों मिट्टी के कटोरों में गेहूं के पौधे दिखते हैं। इन्हें राखी बांधने के बाद भाइयों को दिया जाता है। कई जगह उनके कान के पीछे लगाया जाता है। मतलब यही है कि स्त्रियों का मायका, उनके भाई-बांधव फूलें-फूलें, उन्हें ढेरों शुभकामनाएं। इस प्रकार से ये नवान्न के स्वागत का भी त्योहार है। और खेती, क्यारी में हमारे देश की स्त्रियों की बड़ी भूमिका भी है। वे घर में तो मेहनत करती ही हैं, खेती, क्यारी में भी हाथ बंटाने से पीछे नहीं रहतीं। पहाड़ी क्षेत्रों और हरियाणा, पंजाब में ऐसी औरतें बड़ी संख्या में देखी जाती रही हैं। देखा जाये, तो सावन लड़कियों और स्त्रियों द्वारा सेलीब्रेट करने का महीना है। और यह आज से नहीं है। परंपरा और लोक से चलता चला आया है। कहते हैं कि सावन में झूला झूलने की परंपरा इसलिए शुरू हुई कि कभी शिवजी ने पार्वतीजी को झूला झुलाया था। इसीलिए गौरी पूजन के वक्त बुजुर्ग स्त्रियां अपनी बेटियों से अक्सर कहती पायी जाती हैं कि उन्हें भी शिव जी जैसा भोला-भंडारी पति मिले। इसे राधा-कृष्ण से भी जोड़ा जाता है। पति कृष्ण की तरह प्रेम करने वाला भी हो।

दरअसल ये लड़कियों के अच्छे भविष्य की कामना है, क्योंकि अगर पति अच्छा, तो किसी भी स्त्री का जीवन सुधर जाता है। हमारे यहां स्त्रियों की सबसे बड़ी कामना या कहें कि इच्छा यही रही है कि उनका पति अच्छा हो तो जीवन ठीक से चले। पहले बहुत से लोग सावन को विरह का महीना भी कहते थे, क्योंकि महिलाएं इस माह में अपने पति से दूर रहती थीं। जो भी हो सावन स्त्रियों के महत्व को रेखांकित करता है। और करे भी क्यों न, आखिर स्त्रियों के बिना यह दुनिया चल भी नहीं सकती। वे जीवन में अनेक भूमिकाओं में होती हैं। इसलिए साल में अगर एक महीना उनके महत्व को बताने के लिए हो तो क्या बड़ी बात है। सावन का अर्थ ही है हरियाली, बारिश की रिमझिम, पकौड़े, भुट्टे, चाट, सेवइयां, खीर आदि। गीत-संगीत। तो चलिए मनायें सावन। अपने घर और आसपास की स्त्रियों-बच्चियों के महत्व को पहचानें।

देखा जाये, तो सावन लड़कियों और स्त्रियों द्वारा सेलीब्रेट करने का महीना है। और यह आज से नहीं है। परंपरा और लोक से चलता चला आया है। कहते हैं कि सावन में झूला झूलने की परंपरा इसलिए शुरू हुई कि कभी शिवजी ने पार्वतीजी को झूला झुलाया था। इसीलिए गौरी पूजन के वक्त बुजुर्ग स्त्रियां अपनी बेटियों से अक्सर कहती पायी जाती हैं कि उन्हें भी शिव जी जैसा भोला-भंडारी पति मिले।

जमशेदपुर की खबरें

गड्ढे में मिला 20 वर्षीय युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। सरायकेला खरसावां जिले के आरआईटी थाना अंतर्गत पार्वती पुर गांव स्थित तालाब के समीप स्थित गड्ढे से 20 वर्षीय युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। स्थानीय लोगो ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुची युवक की पहचान

पर्वती पुर निवासी बीरसिंह हांसदा के रूप में किया। मृतक के शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोट के निशान पाया गया। शव के आंखों को बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया गया। मृतक के छोटे भाई विश्वनाथ हांसदा ने बताया बीते दिनों से उसका बड़ा भाई लापता था। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई अता-पता नहीं चला। पहले ढूंढा था मगर नहीं मिला था। देर रात दोबारा जाने पर देखा एक गड्ढे में उसका भाई मृत पड़ा है। उसने बताया उसके बड़े भाई की किसी से कोई दुश्मनी नहीं था। ड्यूटी जाता था और घर पर ही रहता था। फिलहाल आरआईटी पुलिस को मामले की जानकारी दे दी गयी है। फिलहाल पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही हैं।

मौलाना अंसार खान ने बस्ती वासियों के साथ किया दौरा

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। कांग्रेस कमेटी के जिला उपाध्यक्ष सह पश्चिम विधानसभा विधायक प्रतिनिधि मौलाना अंसार खान ने मानगो क्षेत्र का दौरा किया। मौके पर वारिस पिया वेलफेयर कमिटी व वारिस कॉलोनी कमेटी के सेक्रेटरी मोहम्मद आबिद हुसैन, तैयबा मस्जिद के सदर मोहम्मद, इसरार खान सहित कमेटी के लोगों ने बस्ती की समस्याओं से अवगत कराया। वही तैयब मस्जिद गेट के सामने ट्रांसफर में आग लगने पर आंसर खान ने बिजली विभाग को सूचित किया। जूनियर इंजीनियर के निर्देश पर बिजली मिस्त्री हरीश के द्वारा समस्या का समाधान किया गया।वही कमेटी ने वारिस कॉलोनी मेन रोड महल इन से जाबिर पुल तक,रोड नंबर 1,रोड नंबर 2 ,रोड नंबर 3 में जर्जर सड़क की मरम्मत के लिए मांग की। साथ ही सफाई,कचरे उठाव और नाली की साफ सफाई के अवगत कराया गया। वही उन्होंने बताया बारिश कॉलोनी में स्ट्रीट लाइटें काफी समय से खराब पड़ा है। मौके पर अंसार खान ने कमेटी के सदस्य और बस्ती वासियो आश्वासन देते हुए कहा जनता द्वारा दिये गये शिकायतों को मंत्री सह विधायक बन्ना गुप्ता और मानगो नगर निगम के पदाधिकारी को अवगत कराया जायेगा। मौके पर मुन्ना हुसैन, मोहम्मद शरीफ, मोहम्मद नूर अंसारी, अफरोज खान, मोहम्मद अफजल, दानिश, मोहम्मद आमिर, मोहम्मद आदिल खान सहित अन्य मौजूद रहे।

हरिणा मुक्तेश्वर धाम निर्माण और सौंदर्यीकरण के कार्य में लापरवाही बरतने को लेकर मुख्यमंत्री से शिकायत

आजाद सिपाही संवाददाता

जादूगोड़ा। पोटका प्रखंड अंतर्गत हरिणा मुक्तेश्वर धाम को पर्यटक स्थल निर्माण और सौंदर्य करण का कार्य धीमी गति से चलने और भूमिज शमशान घाट, भूमिज और आदिवासी समुदाय जाहेर स्थान, मुक्तेश्वर धाम मंदिन का सीमांकन नहीं किये जाने के साथ ही घटिया निर्माण कार्य को लेकर जिला परिषद अंश 14 सोनमोनी सरदार ने राज्य के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इसकी शिकायत किये है। वही इस बारे में जानकारी देते हुए उन्हें प्रतिनिधि लव कुमार सरदार ने बताया कि कुछ दिनों पूर्व हरिणा मेला के समय देखा गया कि निर्माण कार्य धीमी गति से होने पर मेला में आये हुए लोगो को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि मुक्तेश्वर धाम पर्यटक स्थल का निर्माण लगभक 24 करोड़ की लागत से किया जा रहा है, जबकि उसके निर्माण कार्य में काफी लापरवाही बरती जा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग किए हैं कि एक विभागीय टीम गठित कर इस कार्य की जांच करवाया जाए साथ ही भूमिज शमशान और भूमिज आदिवासी समुदाय का पूजित स्थल जहीर स्थान का भी सीमांकन करने को लेकर पहला नहीं किया गया है। वहां मंदिर का भी सीमांकन नहीं किया गया है यह सार्वजनिक रूप से अंकित किया जाना बाकी है जबकि चार दिवारी भी अलग-अलग निर्माण हो रहा है। जो कि आने वाले समय मे मुसीबत का सबब बनने वाला है।

जन अधिकार मंच ने उप स्वास्थ्य केंद्र खोलने की मांग को लेकर प्रखंड कार्यालय पर दिया धरना

मुसाबनी(आजाद सिपाही) । घाटशिला अनुमंडल जन अधिकार मंच के बैनर तले मंगलवार को प्रखंड कार्यालय में एक दिवसीय धरना कार्यक्रम आयोजित किया गया।। जिसके तहत मांग किया गया कि मुसाबनी प्रखंड मुख्यालय में एक उप स्वास्थ्य केंद्र खोला जाए, एवं हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के बंद अस्पताल को भी जल्द से जल्द चालू किया जाए। इन मांगों को लेकर धरना के बाद प्रखंड विकास पदाधिकारी पुष्कर सिंह मुंडा को एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें मांग की गई है कि जल्द से जल्द उप स्वास्थ्य केंद्र चालू किया जाए, 23 अगस्त तक मांग पूरी नहीं होने पर जन अधिकार मंच 24 अगस्त से प्रखंड कार्यालय के समीप अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल एवं अनशन करेगा। इस धरना कार्यक्रम में मुख्य रूप से रामदास मुर्मू, मोहम्मद गुलाम, मदन मोहन सोरेन, गौरव क्रांति गुरु, मोहम्मद सनोवर, चंदू हसदा, एमडी शकील, संजय हेम्ब्रम, सुबोध मुर्मू आदि शामिल थे ।

कंपनी ने दिखायी नयी डिजाइन की झलक

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। कपनी का जलवा दुनिया भर में अपनी 129वीं वर्षगाँठ और भारत में 24वीं वर्षगाँठ के करीब पहुँच रहा है। पूरे साल ग्राहकों और प्रोडक्ट्स से जुड़ी कई तरह की पहल करने और 2024 की शुरूआत में एक ऑल-न्?यू कॉम्पैक्ट एसयूवी की घोषणा के बाद, इस ऑल-न्?यू कार की दूसरी झलक पेश की है। कंपनी के ब्रांड डायरेक्टर, पेट्र जेनेबा ने कहा, ह्लहमने 2024 की शुरूआत अपनी ऑल-न्?यू कॉम्पैक्ट एसयूवी के ऐलान के साथ की थी। जो कि भारतीय सड़कों के लिए पर लोकप्रिय बनाएगी।

विकसित भारत की ओर कदम बढ़ाने वाला बजटः अमरप्रीत सिंह काले

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। भाजपा के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले ने कहा है कि केंद्रीय बजट सर्व समावेशी, युवा केंद्रित और विकासोन्मुख बजट है। यह विकसित भारत के संकल्पों को साकार करने वाला बजट है। 140 करोड़ देशवासियों की आशा एवं आकांक्षाओं के अनुरूप समाज के सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास को बजट गतिशीलता प्रदान करेगा। यह बजट युवाओं के लिए सुनहरा अवसर लेकर आया है। स्किल डेवलपमेंट के साथ साथ पांच वर्षों में चार करोड़ रोजगार की व्यवस्था देश के विकास में युवाओं की भूमिका को सुनिश्चित करेगा। गरीब, युवा, अन्नदाता और महिला ये चार स्तंभों पर बजट आधारित है। पूर्वोत्तर के बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, असम प्रदेश के विकास को सुनिश्चित कर भारत में नया सवेरा लाने की दिशा में मोदी सरकार कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री ने मुद्रा लोन की सीमा 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख की है, जिससे गरीब भाइयों बहनों को बिना किसी गारंटी के सरलता से ऋण प्राप्त होगा। बजट आत्मनिर्भर भारत का मार्ग प्रशस्त करने वाला है। दूरदराज के गावों को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से जोड़ा जाएगा। देश भर के 25,000 ग्रामीण बस्तियों को सभी मौसमों के अनुकूल सड़कें उपलब्ध कराई जायेगी। गरीबों और मध्यम वर्गीय परिवारों को बड़ा लाभ होगा। पीएम आवास योजना के तहत पूरे देश में तीन करोड़ अतिरिक्त घर बनाए जाएंगे। देश के युवाओं के लिए ऐतिहासिक फैसला मोदी सरकार ने लिया है। पांच वर्षों में 500 शीर्ष कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर मिलेंगे। योजना में भाग लेने वालों को 5000 रुपये मासिक भत्ता मिलेगा।

डीसी ने साप्ताहिक जनता दरबार में कई मामले का तत्काल निकाला समाधान

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के डीसी अनन्य मित्तल ने साप्ताहिक जनता दरबार में आमजनों से मुलाकात की। मंगलवार को जनता दरबार में स्पोर्ट्स,आर्म्स लाइसेंस, भूमि संबंधित मामले, स्कूल,आंगनबाड़ी समेत विभिन्न जनसमस्याओं से सम्बन्धी आवेदन प्राप्त हुए। मौके पर डीसी ने अलग अलग प्रखंड क्षेत्र से आये जरूरतमंदों का व्यक्तिगत व सामाजिक समस्याओं को सुन कर कई मामले में तत्काल समाधान निकाले। साथ ही अन्य सभी आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई हेतु संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को अग्रसारित करते हुए जांचोपरांत यथोचित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिए।

भाजपा ने केंद्रीय बजट को सराहा, तो विपक्ष ने कहा निराशाजनक

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा सातवीं बार पेश किये गये बजट की जहां भाजपा और एनडीए के घटक दलों ने सराहना की है और इसे विकासशील बताया, वहीं कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियों ने इसे निराशाजनक बताया। विपक्ष का कहना है कि बजट में नया कुछ भी नहीं है।

बजट में मध्यम वर्ग के लिए कुछ भी नहीं है : विनोद जयसवाल

खूंटी चैंबर ऑफ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष और शहर के प्रमुख व्यवसायी विनोद जायसवाल ने कहा कि बजट में मध्यम वर्ग के लिए कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा कि बजट में टैक्स का दायरा कम कर दिया गया है। इसे पांच लाख से घटाकर तीन लाख कर दिया गया है।

किसानों और आदिवासियों की उपेक्षा: जुबैर अहमद

बजट की आलोचना करते हुए झामुमो के जिलाध्यक्ष और जिला बीस सूत्री कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष जुबैर अहमद ने कहा कि यह बजट पूरी तरह पूंजीपतियों को खुश करनेवाला है। सोना में टैक्स करने से गरीबों का भला होनेवाला नहीं है। उन्होंने कहा कि बजट में महंगाई को रोकने के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

उद्योग और व्यापार जगत के लिए स्वर्णिम बजट : मुकेश जयसवाल

बजट की सराहना करते हुए खूंटी चैंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव मुकेश जयसवाल ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पारित बजट उद्योग जगत और आम व्यापारियों के लिए बहुत ही लाभदायक है। सरकार द्वारा एमएसएमइ को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रावधान किया गया है। टैक्स स्लैब में भी अब तीन लाख रुपये तक की आय वालों को टैक्स में दॅअ दी गयी है। मुद्रा लोन को अब 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दिया गया है।

देश को विकास को ओर ले जाना बजट: प्रियांक भगत

केंद्रीय बजट की सराहना करते हुए खूंटी चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रियांक भगत ने कहा कि बजट देश कों विश्व की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनाने की ओर ले जानेवाला है। उन्होंने कहा कि बजट में युवाओं, गरीबों और किसानों का खास खयाल रखा गया है।

गरीबों के लिए कुछ नहीं किया गया: योगेश वर्मा

झारखंड पार्टी के जिला सचिव योगेश वर्मा नने कहा कि देश के गरीबों और मजदूरों के हित के लिए बजट में कोई प्रावधान नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि देश की जनता को रोटी, कपड़ा और मकान की जरूरत है, पर सरकार ने इस वर्ग के लिए कुछ नहीं किया।

कांग्रेस के घोषणपत्र की कॉपी है बजट: रवि मिश्रा

कांग्रेस के खूंटी जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया बजट कांग्रेसे के घाषणपत्र की करॉपी है। इससे साबित हो गया कि कांग्रेस सरकार पर जनहित में दबावप बनाने में सफल रही है।

रोजगार की मांग को लेकर ग्रामीणों ने तीन घंटा बंद करायी चुरी परियोजना

खलारी (आजाद सिपाही)। रोजगार की मांग को लेकर मंगलवार को चुरी परियोजना के गेट को बरवाटांड के ग्रामीणों ने तीन घंटे तक जाम रखा। जिसके कारण परियोजना का कामकाज प्रभावित रहा। ग्रामीणों की आंदोलन में बिहार कोलियरी कामगार यूनियन और जेबीकेएसएस के पदाधिकारी भी शामिल हुए। ग्रामीणों के द्वारा गेट जाम किए जाने की सूचना के बाद परियोजना पदाधिकारी सहित कई अधिकारी मौके पर पहुंचे और आंदोलनकारी के साथ वार्ता की। जिसमें ग्रामीणों ने विस्थापित, रैयत को परियोजना में चल रहे आउटसोर्सिंग कंपनियां के काम में रोजगार देने, चुरी, राय रोड को चौड़ीकरण करने, सड़कों पर पानी का छिड़काव करने, बरवाटांड तक के मुख्य सड़क पर स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग पर सहमति बनी। जिसके बाद आंदोलन खत्म करते हुए कामकाज शुरू किया गया। वार्ता में मुख्य रूप से परियोजना पदाधिकारी अनुज कुमार तथा ग्रामीणो की ओर से रतिया गंझु, इरफान खान, जंग बहादुर राम, दीपक महतो, किरण देवी, राजेंद्र महतो, नारायण महतो, राजू कुमार महतो, गणेश महतो, चिंता देवी, सुमन देवी, खुशबू देवी ,राधा देवी समेत कई लोग मौजूद थे।

झारखंड राज्य कमेटी की दो दिवसीय बैठक

बुंडू(आजाद सिपाही)। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) का झारखंड राज्य कमेटी की दो दिवसीय बैठक बुंडू के पैराडाइज बैंक्विट हॉल में किया जा रहा है, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पोलित ब्यूरो सदस्य वृंदा करात पुर्व सांसद सह पोलितब्यूरो सदस्य रामचंद्र डोम उपस्थित हुए। झारखंड राज्य के कोने-कोने से डेलीगेट आये हैं। आज अड़की के कोंटा गांव में कामरेड बुधन लाल मुंडा की प्रतिमा का अनावरण किया जायेगा। इसकी सारी तैयारी पुरी कर ली गयी है। इस बैठक में झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव की रूपरेखा तैयार की जा रही है।

बच्चों की सिकल सेल, हीमोग्लोबिन और नेत्र जांच

बुंडू (आजाद सिपाही)। गुरुकुल पब्लिक स्कूल बुंडू में मंगलवार को अनुमंडलीय अस्पताल बुंडू के टीम के द्वारा सभी बच्चों का सिकल सेल, हेमोग्लोबिन और नेत्र जांच किया गया। अनुमंडलीय अस्पताल बुंडू के द्वारा दो टीमों का गठन करके जांच की गयी। पहला टीम में डॉ ज्योति कुमारी नेत्र सहायक सदानंद महतो रविंद्र कुमार, राकेश घोष, मिनू कुमारी, माधुरी कुमारी, सतीश कुमार को रखा गया और दूसरी टीम में डॉ शीतल सरकार विवेक घोष, राजकिशोर महतो, साजोबाला कुमारी, रिमा तिर्की निलम साहू को रखा गया था। गुरुकुल पब्लिक स्कूल के लगभग 200 बच्चों का जांच कराया गया।

पिपरवार के हाइवा मालिकों ने भाड़ा भुगतान की मांग को लेकर कोयला ढुलाई करायी बंद

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के सीएचपी/सीपीपी कोल वासरी से बचरा साइडिंग तक होने वाली कोयला ढुलाई के कार्य में लगे हाइवा डंपर के मालिकों ने मंगलवार की सुबह बकाया भाड़ा भुगतान की मांग को लेकर कोयला ढुलाई का काम बंद करा दिया। कोयला ढुलाई का काम बंद होने के बाद बचरा पीपल चौक के पास ट्रांसपोर्टिंग मार्ग पर हाईवा डंपरों की लंबी कतार लग गयी। इस दौरान सभी हाईवा डंपर के मालिक एक जगह एकत्रित होकर जमकर नारेबाजी की। इस संबंध में डंपर मालिकों ने बताया कि एकेटी ट्रांसपोर्ट कंपनी का कोयला ढुलाई का काम 3 जून 2024 तक चला है, जिसके बाद एकेटी कंपनी का संविदा खत्म हो गया,इसके बाद जय अंबे रोडलाइंस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का काम चालू हो गया। एकेटी कंपनी को सीसीएल के द्वारा पेमेंट कर दिया गया है, लेकिन एकेटी कंपनी के द्वारा हाईवा ऑनरो को मई महीने का भाड़ा का भुगतान नही किया जा रहा है, जिसके कारण हाईवा ऑनरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हाईवा ऑनरो ने पिपरवार जीएम को ज्ञापन सौंपकर बकाया भाड़ा भुगतान कराने की मांग की थी, लेकिन प्रबंधन के द्वारा कोई पहल नहीं किया गया, जिसके कारण बाध्य होकर सभी हाईवा ऑनरों ने स्वेच्छा से अपने-अपने वाहन को खड़ा कर दिया है, जिसके कारण कोयला ढुलाई का काम बंद है। डंपर मालिकों ने कहा कि जब तक बकाया भाड़ा का भुगतान नहीं किया जाता है, तब तक कोयला ढुलाई का काम बंद रहेगा। इधर इसकी सूचना पाकर स्थानीय सीसीएल अधिकारी मौके पर पहुंचकर डंपर मालिकों के साथ वार्ता की, लेकिन वार्ता विफल रहा। समाचार लिखे जाने तक सीएचपी से बचरा साइडिंग तक कोयला ढुलाई का काम पूरी तरह से बंद है। इस मौके पर अनिल पांडेय, राजेंद्र गुप्ता, सुभाष साव,राजु महतों, छोटु खान, उमेश यादव, छोटू सिंह, कोलेश्वर महतो, मनराज, रविंद्र, मुन्ना खान, गणपति सहित काफी संख्या में डंपर मालिक मौजूद थे।

आजसू पार्टी का मिलन समारोह का आयोजन

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बचरा पंचवटी सभागार में मंगलवार को आजसु पार्टी के द्वारा मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आजसु पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह बड़कागांव विधानसभा प्रभारी रोशनलाल चौधरी और विशिष्ट अतिथि मे रांची जिला ग्रामीण उपाध्यक्ष नागेश्वर महतो और वरिष्ट श्रमिक प्रतिनिधि भीम सिंह यादव मौजुद थे। कार्यक्रम मे बड़कागांव विधानसभा चुनाव में रोशनलाल चौधरी को भारी मतों से विजयी बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रोशन लाल चौधरी ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी पूरी तरह से तैयार है। बुथ स्तर पर चूल्हा प्रमुख बनाकर पार्टी को मजबूत बनाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आजसु पार्टी पुरे राज्य में विकास की राजनीति करती है। आगामी चुनाव में राज्य की जनता एनडीए गठबंधन के साथ है। कार्यक्रम के दौरान कोयला मजदूरों के अलावा स्थानीय समस्या से भी उन्हें अवगत कराया गया, जिसका समाधान करने का उन्होंने भरोसा दिया। इस कार्यक्रम के दौरान कई लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी में शामिल होने वाले सभी लोगों को रोशन लाल चौधरी ने माला पहनाकर पार्टी में स्वागत किया। धन्यवाद ज्ञापन केंद्रीय सदस्य उमेश मेहता ने किया। इस मौके पर नागेश्वर महतो, भीम सिंह यादव, रामु गोप, बिनोद सिंह, रमेश महतो, लक्ष्मण मंडल, अशोक रवि सहित कई कार्यकर्ता मौजुद थे।

कपड़ा का बंडल चोरी करनेवाला गिरफ्तार

खलारी (आजाद सिपाही)। खलारी थाना क्षेत्र के महावीर नगर से कपड़ा का बंडल चुराने वाले सागर लोहरा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। ज्ञात हो कि 20 जुलाई की रात्रि में खलारी थाना अंतर्गत महावीर नगर से रोहित कुमार केशरी के किराये के मकान से कपड़ा का बंडल चोरी कर लिया गया था। जिसको लेकर 21 जुलाई को थाना में मामला दर्ज किया गया था। जिसके अनुसंधान के क्रम में 22 जुलाई को सागर लोहरा महावीर नगर महुआधौड़ा के घर से चोरी हुआ कपड़ा का बंडल बरामद किया गया। वहीं खलारी पुलिस ने चोरी हुए कपड़ा का बंडल के साथ युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा दिया गया है। छापामारी दल में थाना प्रभारी विजय कुमार सिंह, पुलिस अवर निरीक्षक मुकेश कुमार, कपिलदेव यादव और सशस्त्र बल खलारी थाना शामिल थे।

सीएम तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत हिंदू धर्मावलंबी द्वारका-सोमनाथ तीर्थ दर्शन के लिए रवाना

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के लिए रवाना होने वालों में 20 श्रद्धालु चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के रहने वाले हैं। इनमें कुकडू प्रखंड के आठ, ईचागढ़ के छह और नीमडीह के छह श्रद्धालु शामिल हैं। इसके अलावा जिले के राजनगर प्रखंड से कुल 11 श्रद्धालु द्वारका-सोमनाथ तीर्थ दर्शन के लिए रवाना हुए। कुकडू, ईचागढ़ और नीमडीह प्रखंड के कुल 20 श्रद्धालुओं को ईचागढ़ के प्रखंड विकास पदाधिकारी कीकू महतो ने शुभकामना देते हुए चौका मोड़ से विदा किया। सभी श्रद्धालु बस से रांची के हटिया स्टेशन के लिए रवाना हुए। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने हरी झंडी दिखा कर यात्रियों की बस को रवाना किया।

विश्व हिंदू परिषद् ने अनुमंडल पदाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

ईचागढ (आजाद सिपाही)। चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में आए दिनो हो रहे गोवंश तस्करी को रोकने के संबध में चांडिल अनुमंडल चौका, ईचागढ़, नीमडीह, तिरुलडीह थाना क्षेत्र से होकर गो हत्या के उद्देश्य से बड़े पैमाने में गोवंश तस्करी कर बंगाल ले जाया जा रहा है एवं भोले भाले ग्रामीणों को बहला फुसलाकर लालच देकर इस कार्य के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। विहिप ने अनुमंडल पदाधिकारी से मांग किए कि इन थाना क्षेत्र से होकर प०बंगाल में हो रहे गोवंश तस्करों को रोके एवं उनके संरक्षको के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करे।इस मौके पर गोरक्षा संवर्धन परिषद के प्रान्त अध्यक्ष सुजीत साहु, मिथिलेश महतो, उमाकान्त महतो, नयन सिंह, राम पांडे, पूर्णचंद्र बाबाजी उपस्थित थे।

हिंडाल्को ने सीएमसी सिल्ली अस्पताल के नर्सों के बीच मेडिकल किट का वितरण किया

मुरी (आजाद सिपाही)। सीएस आर के तहत हिण्डाल्को द्वारा सिल्ली अस्पताल के नर्सों के बीच मेडिकल किट का वितरण किया गया। मौके पर उपस्थित हिण्डाल्को युनिट हेड रोहित चौरसिया , सी एस आर हेड अनिल कुमार महतो, सहायक महाप्रबंधक (कर्मचारी संवंधी) अभिषेक प्रताप सिंह,बीडीओ रेणु बाला ने बारी बारी से नर्सों को मेडिकल किट दिया और डॉ प्रियंका कुमारी ने कहा कि इस किट वितरण के लिए हम सभी आभारी हूं। इसमें स्वास्थ्य सेवाओं में मजबूती प्रदान करेगा और रोगियों को अच्छी सेवा देने के लिए प्रेरित होंगे।सी एस आर हेड अनिल कुमार सिंह ने कहा कि हमें गर्व है कि सी एस आर के पहल पर सिल्ली स्वास्थ्य सेवाओं में बढ़ावा देने में मददगार साबित होगी।हम और भी कार्यक्रम करने को प्रतिबद्ध है। नर्सों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है जो मजबुती प्रदान करने में मदद करेगा। कार्यक्रम का संचालन भरत सिंह ने किया और समापन के साथ धन्यवाद ज्ञापन सुनन्दा अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में सीएसी के डॉक्टर विवेक, डॉक्टर सौरभ घोष, संदीप कुमार समेत एक एन एम के दर्जनों नर्सें थी।

तमाड़ विस क्षेत्र में पिछले 10 वर्षों से विकास कार्य नहीं के बराबर हुआ : पूर्व मंत्री राजा पीटर

आजाद सिपाही संवाददाता

बुंडू। बुंडू के ब्लॉक मोड़ स्थित पांडा होटल में पूर्व मंत्री राजा पीटर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि तमाड़ विधानसभा क्षेत्र में पिछले 10 वर्षों से विकास कार्य नहीं के बराबर हुआ। नहर क्षेत्र के लाइफ लाइन सड़क नहीं बनी, लोग लड़की विहाने नहीं चाह रहे हैं। पिछले छह महीना से लगातार क्षेत्र का दौरा कर ग्रामीणों का हाल जाना, तो देखा गांव में जल मीनार का पाइप तो बिछाया गया है, लेकिन पानी नहीं मिला। राशन वितरण में भारी गड़बड़ी है, विकलांगों को स्वस्थ लाभ योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। पेंशन भी नहीं मिल रहा है। बुंडू नगर का आधा हिस्सा अंधेरा में डूबा है, जबकि नगर पंचायत में सौंदर्यीकरण के लिए पूरे नगर पंचायत में स्ट्रीट लाइट का निविदा किया। बड़ा तालाब में सुंदरीकरण का कार्य लंबित है और सुंदरीकरण के बदले बड़ा तालाब का हालात खराब हो गयी है। राजा पीटर ने आगे कहा कि बिरसा विकास समिति के बैनर तले जनता के मुद्दे पर लड़ाई लड़ेगी। अंत में राजा पीटर ने यह कहा कि बालू का धंधा स्थानीय जनप्रतिनिधि के समर्थन पर स्थानीय व्यापारियों का दोहन किया गया, जनता अब बदलाव चाहती है। बिरसा विकास समिति के संरक्षक और पूर्व मंत्री राजा पीटर ने रोशन महतो को बिरसा विकास समिति का तमाड़ विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी बनाया है। राजा पीटर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोशन महतो को प्रभारी का माला पहनकर स्वागत किया। रोशन महतो ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में राजा पीटर को चुनाव जीताने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। राजा पीटर ने कहा कि आगामी चुनाव एनडीए से लड़ेंगे। इस मौके पर विनय कुमार मुंडा, रोशन महतो, नीतीश पांडे, प्रमोद भगत, संतोष जायसवाल, गौतम कुमार शुक्ला, अनूप कुमार, मोहम्मद मकबूल के अलावा दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

लंबित योजनाओं को एक सप्ताह के अंदर शुरू करें अधिकारी: डीसी

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने जिले के अधिकारियों को सख्त निदेश दिया है कि जिले में लंबित योजनाओं को एक सपताह के अंदर शुरू करायें। समाहरणालय स्थित सभागार में मंगलवार को उपायुक्त ने 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत क्रियान्वित योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में मुख्य रूप से 15वें वित्त आयोग के तहत संचालित योजनाएं, पंचायत भवनों का सशक्तीकरण और शत प्रतिशत संचालन, ऑनलाइन बायोमेट्रिक उपस्थिति, भारत नेट कनेक्टिविटी समेत अन्य विषयों की उपायुक्त ने समीक्षा की। बैठक में उपस्थित जिला पंचायती राज पदाधिकारी, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी, प्रखंड समन्वयक, जेई समेत अन्य पदाधिकारियों से 15वें वित्त के तहत संचालित योजनाओं की डीसी ने जानकारी ली और अगले एक सप्ताह के अंदर लंबित योजनाओं को चालू कराने का निर्देश दिया। साथ ही संचालित योजनाओं को तय समय पर पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। इस दौरान प्राप्त अलॉटमेंट के संबंध में भी उपायुक्त ने जानकारी ली। बैठक में उपायुक्त ने जिला पंचायती राज पदाधिकारी और जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी को आपस में समन्वय स्थापित कर पंचायत भवनों में अनिवार्य रूप से इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्राथमिकता के आधार पर सभी पंचायत भवनों में इंटरनेट की सुविधा रहे। पंचायत भवनों को समय पर खोला जाये। पंचायत भवनों में साफ सफाई, पेयजल आदि की व्यवस्था को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। साथ ही आवश्यकता अनुसार कंप्यूटर सिस्टम की खरीदारी पारदर्शी तरीके से जेम पोर्टल के माध्यम से करने को लेकर भी निर्देशित किया गया। उन्होंने पंचायत स्तर पर होनेवाली बैठक आदि के संचालन का निर्देश दिया। प्रखंडों में रिक्त पड़े प्रखंड समन्वय के पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। सभी बीपीआरओ, प्रखंड समन्वयक, कंप्यूटर ऑपरेटर समेत अन्य को अनिवार्य रूप से ऑनलाइन बायोमेट्रिक के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करने का निर्देश दिया गया। बैठक में मुख्य रूप से जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी, सभी बीपीआरओ, प्रखंड समन्वयक समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी और कर्मी उपस्थित थे।

एसीसी के माइनिंग लीज नवीकरण आवेदन को निरस्त कर पूरी जमीन अधिग्रहण करे सरकार

राजेश ठाकुर और सुबोधकांत सहाय से मिला सेवानिवृत सीमेंट कामगारों का एक प्रतिनिधिमंडल

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी रांची जिले के खलारी, बुढ़मू में एसीसी को दिए गए माइनिंग लीज के नवीकरण का आवेदन निरस्त कराया जायेगा। इसे लेकर झारखंड प्रदेश कांग्रेस लेबरसेल के महासचिव राजनसिंह राजा के अगुवाई में खलारी सीमेंट फैक्ट्री के सेवानिवृत्त कामगारों का एक प्रतिनिधिमंडल कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय से मिला। सेवानिवृत सीमेंट कामगारों ने खलारी सीमेंट कारखाने की वर्तमान स्थिति और अपनी समस्याओं से अवगत कराया। राजनसिंह राजा ने बताया कि एसीसी कंपनी के माइनिंग लीज के पहला नवीकरण 31 दिसंबर 1990 को समाप्त हो गया। इसके बाद से एसीसी कंपनी द्वारा दूसरे व तीसरे नवीकरण का आवेदन आज तक सरकार के पास लंबित है। खलारी में अब न तो कैप्टिव माइंस है न ही खलारी सीमेंट कारखाना में चूना पत्थर पकाने के लिए क्लिन बचा है। एसीसी को दिये गये लीज का प्रयोजन सीमेंट उत्पादन था। परंतु खलारी में लीज शर्तों का खुलेआम उलंघन किया जा रहा है। इसके अलावा एसीसी कंपनी भी अब अडानी ग्रुप का हिस्सा है। पिछले 34 साल से सरकार द्वारा लीज को लेकर किसी तरह का फैसला नहीं लिये जाने का फायदा उठाते हुए एसीसी कंपनी का उत्तराधिकारी बताकर पिछले 30-32 साल से खलारी सीमेंट लिमिटेड प्रबंधन राज्य सरकार के सैकड़ों एकड़ भूमि का व्यवसायिक इस्तेमाल कर रही है। इससे राज्य सरकार को अबतक अरबो रूपए के राजस्व का नुकसान पहुंचाया जा चुका है। प्रतिनिधिमंडल ने कांग्रेस नेताओं से आग्रह किया है कि सरकार का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराकर अविलंब एसीसी कंपनी के लीज नवीकरण की मांग को निरस्त कराया जाय तथा सरकार पूरे लीज भूमि का अधिग्रहण कर लें। सेवानिवृत कामगारों ने आग्रह किया है कि वे खलारी अंचल के खलारी और बुकबुका मौजा में लीज भूमि पर बने जिन क्वार्टरों में रहते आ रहे हैं, उनका स्वामित्व उन्हें दे दिया जाय। राजेश ठाकुर और सुबोधकांत सहाय ने इस मामले को गंभीरता से लिया है तथा सकारात्मक प्रयास करने का आश्वासन दिया है। इस अवसर पर राजनसिंह राजा, चंदन बैठा, रामप्रीत यादव, बेलस तिर्की, जगदीश साहु, प्रदीप, अभिमन्यु गोप आदि लोग उपस्थित थे।

बजट : गढ़वा- पलामू में किसी ने सराहा तो कोई नाखुश

हुसैनाबाद विधायक ने आम बजट का स्वागत किया

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। आम बजट 2024 पर एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष सह हुसैनाबाद-हरिहरगंज विधानसभा क्षेत्र के विधायक कमलेश कुमार सिंह ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत बजट स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि यह विकसित भारत का बजट है। इसमें युवा, गरीब, महिला, किसान के सशक्तिकरण के लिए समर्पित है। बजट विकसित भारत के भविष्य निर्माण का बेहतरीन बजट है।आदिवासियों की आर्थिक-सामाजिक स्थिति में सुधार लाने के लिए जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान की शुरूआत करने की घोषणा की गयी है। बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, पूर्वोत्तर व पूर्वी भारत की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देंगी। कौशल और रोजगार सृजन की दिशा में बजट प्रभावी है। बजट में सभी का खयाल रखा गया है। रोजगार सृजन से लेकर अर्थव्यवस्था की मजबूती को प्राथमिकता दी गयी है।

बजट मिलाजुला कर जनता को सामने रखकर बनाया गया है : सतीश कुमार

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। आजसू पार्टी के केन्द्रीय सचिव सतीश कुमार ने कहा कि देश का राष्ट्रीय बजट 24-25 जन उपयोगी व समाज के सभी वर्गों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। खासकर युवा वर्ग, महिलाओं व निम्न व मध्यम वर्ग को काफी फायदा होगा। यह बजट खासकर जानलेवा बिमारी कैंसर के दवा पर कस्टम ड्युटी हटाकर बड़ी राहत दी गयी है। आधुनिक युग में खासकर मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक सामान व अन्य जन उपयोगी समान सस्ते कर के बडी राहत दी है। मिलाजुला कर जनता को सामने रखकर बनायी गयी बजट काफी उपयोगी है।

बीपीएलधारी को उपर उठाने वाला बजट : भानु प्रताप

श्री बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। भाजपा के झारखंड के उपाध्यक्ष सहभवनाथपुर के विधायक भानु प्रताप शाही ने बजट को संतुलित, विकास के उन्मुख बताया। भानु प्रताप शाही ने कहा कि वित्त मंत्री के द्वारा प्रस्तुत किया यह बजट रोजगार सृजन करने में सहायक है भारत को थर्ड इकोनामिक बनाने में सहायक है उन्होंने कहा कि यह बजट अमृत कल का बजट है जिसमें बीपीएल धारी को ऊपर उठाना, गरीब, युवा, महिला ,किसान को सहयोग एवं लाभ पहुंचाने वाला या बजट है। मध्यमवर्गीय परिवार इस बजट से लाभवानवित होंगे नौकरी पेसा लोग को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि बजट भारत को और मजबूत बनाने में सहायक होगा उन्होंने यह संतुलित और विकास के उन्मुख बजट रोजगार सृजन करने वाला बजट को पेश करने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीता रमन को बधाई एवं धन्यवाद दिया है।

सरकार बचाने का बजट : मुक्तेश्वर पांडे

गढ़वा। झामुमोजिला उपाध्यक्ष मुक्तेश्वर पांडे ने बजट को चुनावी बजट एवं सरकार बचाने का बजट बताया है। उन्होंने कहा कि भारत को पिछले 10 साल में जो आर्थिक नुकसान सहना पड़ा है उसको छुपाने का यह बजट है । श्री पांडे ने कहा कि यह बजट में युवा, किसान, महिलाएं के लिए कुछ नहीं है।

विकसित भारत की ओर ले जाने वाला बजट है : आनंद शंकर

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। यह बजट युवाओं के विकास,स्टार्टअप इंडिया, किसानों की बेरोजगारी दूर करने वाला है। प्रधानमंत्री के तीसरे कार्यकाल का इस बजट से देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। महिलाओं के उत्थान शिक्षा एवं विकास के लिए बजट में विशेष प्रावधान है जो भारत की आधी आबादी के लिए शुभ संकेत है। इंफ्रास्ट्रक्चर,सोलर और आईटी पर विशेष फोकस है जो देश की अर्थव्यवस्था को विकसित करने में सहयोगी होगा।

विकसित भारत के भविष्य निर्माण का बजट है : अमित

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। भाजपा जिलाध्यक्ष अमित तिवारी ने कहा कि यह बजट विकसित भारत के चार स्तंभ- युवा, गरीब,महिला,किसान सभी के सशक्तिकरण के लिए समर्पित है। यह बजट विकसित भारत के भविष्य निर्माण का बजट है।आदिवासियों की आर्थिक-सामाजिक स्थिति में सुधार लाने के लिए जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान की शुरूआत करने की घोषणा की है। 11 लाख करोड़ रुपये से अधिक का पूंजीगत व्यय आवंटित किया गया है। बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और पूर्वोत्तर के लिए घोषणायें पूर्वी भारत की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देंगी। कौशल और रोजगार सृजन की घोषणाएं ऐतिहासिक हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत बजट का स्वागत करता हूं।

रामचंद्र केसरी ने केंद्रीय बजट की सराहना की

श्री बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। भाजपा नेता एवं पूर्व मंत्री रामचंद्र केसरी ने केंद्रीय बजट का सराहना करते हुए कहा कि यह बजट रोजगार सृजन एवं भारत को विकास के नए पटल पर लाने वाला है। उन्होंने कहा बजट में युवा, महिलाओं ,किसान एवं मध्यम वर्गीय परिवार के लिए यह बजट संतुलित है सहायक है। उन्होंने कहा कि इस बजट से आने वाले दिनों में भारत विश्व में और मजबूत स्थान को प्राप्त करेगा।

जीवन जीने की मूलभूत सामग्रियों के दाम बढ़े : शैलेश चौबे

श्री बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस के वरीय जिला उपाध्यक्ष शैलेश चौबे ने कहा कि बजट में युवाओं, बेरोजगारों ,किसानों ,गरीबों के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई है। महिला ,आदिवासियों एवं अल्पसंख्यकों को छला गया है उन्होंने कहा कि जीवन जीने के मूलभूत सामग्रियों के दाम को बढ़ा दिया गया है। चावल दाल एवं अन्य खाद्य पदार्थों की कीमतों को बढ़ाने वाला यह बजट है यह बजट अर्थव्यवस्था को नीचे ले जाने वाला बजट है। उन्होंने इसे सरकार में बने रहने के लिए कुछ विशेष लोगों को फायदा देने वाला बजट करार दिया है।

कॉरपोरेट टैक्स में कमी कर विदेशी निवेश को बढ़ावा देने वाला बजट : विनोद कमलापुरी

गढ़वा (आजाद सिपाही)। नवजवानों के विकास के लिये, कारपोरेट टैक्स में कमी कर विदेशी निवेश को बढ़ावा देने वाला बजट है। इनकम टैक्स स्लैब में थोड़ा छूट दे कर एवं स्टैंडर्ड डिडक्शन को पचास हजार से बढ़कर पचहतर किया गया है, जिससे नौकरी पेशा लोगों को साढ़े सत्रह रु तक का टैक्स में बचत होगा। मध्यम वर्ग के लिए फायदे की बात है की कैपिटल गेन में छूट बढ़ाई गई है। छात्रों के लिए शिक्षा ऋण मात्र 3% पर उपलब्ध होगा साथ ही 4 करोड़ लोगो का रोजगार सृजन करने की योजना सरकार की है। महिला सशक्तिकरण करण के लिए तीन लाख करोड़ का प्रावधान किया गया है। जिन लोगों को एक लाख से कम वेतन वार्षिक होगा सरकार उन्हें 3000 मदद अलग से करेगी। एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप कराने का लक्ष्य सरकार ने लगा है जिन्हें 5000 महीना इंटर्नशिप के दौरान मिलेगा।

मोदी सरकार का बजट ऐतिहासिक है : रितेश चौबे

गढ़वा (आजाद सिपाही)। भाजयुमो जिलाध्यक्ष रितेश चौबे ने कहा कि मोदी सरकार का बजट ऐतिहासिक है यह बजट जनहित में लाया गया बजट है। मोदी सरकार ने बजट में हर वर्ग का ख्याल रखा है। युवा महिला किसान गरीब व्यवसायी छात्र सबके लिए बजट में खास प्रावधान किया गया है। बजट में तीन करोड़ प्रधानमंत्री आवास बनेंगे श्री अन्न योजना के माध्यम से गरीबों को मुफ्त अनाज दिया जाएगा। जिसका सीधा लाभ आम जनता को मिलेगा। छोटे छोटे व्यवसाई के लिए मुद्रा लोन दश से बीस करोड़ बढ़ाई गई। छात्रों युवाओं को मात्र तीन प्रतिशत ब्याज पर ऋण मिलेगा। मोदी सरकार का बजट से लोगों में काफी उत्साह है इस बजट से भारत तेजी से विकास करेगा। मोदी सरकार का बजट देश में तरक्की का नया इतिहास रचने जा रहा है।

आम आदमी के हित में है यह बजट : धनंजय सोनी

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। सोना महल के प्रोपराइटर एवं पलामू जिला स्वर्णकार संघ के जिला अध्यक्ष धनंजय सोनी ने कहा कि यह बजट आम आदमी के हित में है। उन्होंने इस बजट की सराहना करते हुए कहा कि सरकार द्वारा बजट की घोषणा की गयी। इस बजट को आम आदमी को ध्यान में रखते हुए पेश किया गया है। सोनाझचांदी में भारी गिरावट होने के कारण लोगों को जेवर खरीदना और आसान हो जाएगा। शिक्षा, स्वास्थ्य और इलेक्ट्रॉनिक आइटम में भी आम आदमी के हित में बजट पेश किया गया। यह बजट से आने वाला कई वर्षों तक व्यवसायियों के हित में माना जाएगा। इस संतुलित बजट से ग्राहकों का रुझान बाजार में देखने को अधिक से अधिक मिलेगा। एमएसएमइ के रूप में जो व्यवस्था सरकार में लघु उद्योग के लिए की है उससे व्यापार कर रहे छोटे बड़े उद्यमी को एक नई शक्ति ऊर्जा प्राप्त होगी।

सभी वर्गों को ध्यान में रखकर पेश किया गया है बजट : सोमेश सिंह

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। जिला सोशल मीडिया प्रभारी सोमेश सिंह ने कहा कि यह एक शानदार बजट है। इसमें सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है। सरकार 4 वर्ग पर सबसे ज्यादा फोकस कर रही है। ये चार वर्ग गरीब, महिला, युवा और किसान हैं। उन्होंने कहा कि इस साल बजट थीम में 5 फैक्टर्स रखे गए हैं जो एंप्लॉयमेंट, स्किलिंग, एमएसएमई और मिडिल क्लास हैं। पीएम गरीब कल्याण योजना को 5 साल के लिये बढ़ाया गया है। इसके साथ ही कृषि क्षेत्र के लिए 1.52 लाख करोड़ का बजट का रखा गया है।केंद्रीय बजट में सूक्ष्म-आर्थिक स्तर पर समग्र कल्याण पर ध्यान केंद्रित करते हुए वृहद-आर्थिक स्तर की वृद्धि को पूरक बनाने का प्रयास किया गया है।

झारखंड लोकल बॉडी इंप्लाइज फेडरेशन ने मांगों को लेकर विधायक को ज्ञापन सौंपा

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। झारखंड लोकल बॉडी इम्प्लाइज फेडरेशन की हुसैनाबाद इकाई ने राज्य महासंघ के आह्वान पर स्थानीय विधायक को ज्ञापन दिया। अपनी छः सूत्री समस्याओं के निराकरण की मांग की। मांगों में निकाय में कार्यरत दैनिक मानदेय कर्मी का सेवा नियमित करने,वेतन के लिए सरकार द्वारा शतप्रतिशत आवंटन निर्गत करने, सेवानिवृत्त होने पर अन्य सेवानिवृत्त कर्मियों की तरह लाभ देने, निकाय में पदोन्नति की सुविधा देने, आउटसोर्सिंग की मजदूरी का भुगतान सरकार द्वारा करने, निकाय कर्मियों को बीमा का लाभ देने की मांग शामिल है। स्थानीय विधायक कमलेष कुमार सिंह ने दूरभाष पर उनकी मांगों को प्रमुखता के साथ सदन में रखने की बात कही। मांग करने वालों में ओमेंद्र ठाकुर, रवि कुमार यादव, अवधेश कुमार, प्रदीप कुमार पासवान, मंटू पटेल का नाम शामिल है।

25 को दिव्यांगों का उपकरण जांच शिविर

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। प्रखंड कार्यालय के परिसर में भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति रांची व पलामू विकलांग संघ के सहयोग से दिव्यांगों के लिए उपकरण जांच शिविर का आयोजन किया गया है। इसकी जानकारी देते हुए पलामू विकलांग संघ के कोषाध्यक्ष उमेश मेहता ने बताया कि आगामी 25 जुलाई को आयोजित शिविर में दिव्यांगों की जरूरत के अनुरूप ट्राइसाइकिल, वैसाखी, व्हील चेयर, कान की मशीन आदि दी जायेगी। वही कटे हाथ पैर वालों की कृत्रिम अंगों के लिए मापी ली जायेगी। शिविर में आने वाले दिव्यांगों को रजिस्ट्रेशन के लिये अपना आधार कार्ड, दिव्यांगता प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज का फोटो लाना जरूरी है। उन्होंने आयोजित शिविर में अधिक से अधिक दिव्यांगों को शामिल होकर लाभ लेने की अपील की है।

टैंकर की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत

सतबरवा/ पलामू (आजाद सिपाही)। रांची मेदिनीनगर मुख्य मार्ग सतबरवा पुराना बस स्टैंड के पास मंगलवार को लगभग शाम 4:00 बजे टैंकर की चपेट में आने से एक बाइक सवार की मौत हो गयी।

10 वर्ष पुराने भूमि विवाद को पथरा ओपी प्रभारी ने सुलझाया

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरगंज/ पलामू। थाना क्षेत्र के पत्थरा ओपी प्रभारी मंटू कुमार अपने क्षेत्र में ग्रामीणों के साथ समन्वय स्थापित कर लोगों के बीच हो रहे विवादों को सुलझाने का काम कर रहे हैं। इनके इस सार्थक कार्यों से प्रभावित ग्रामीणों ने प्रसन्नता जाहिर की है। इस दौरान मंगलवार को गिद्धि उर्फ चिरैली में तीन भाइयों के बीच 10 वर्षों से चल रहे जमीन विवाद को सुलझाने का काम किया। बता दें कि जैसे ही इन्हें गिद्धी उर्फ चिरैली गांव में अमेरिका यादव,गुलाची यादव और नंदकेश्वर यादव इन तीन भाइयों में आपसी भूमि बटवारे को लेकर विवाद गहराने की जानकारी हुई तो उन्होंने ने तुरंत संज्ञान में लिया और दल बल के साथ स्थल पहुंच कर तीनो भाइयों के बीच हो रहे झगड़े को पहले शांत कराया। इसके बाद मंटू कुमार ने ग्रामीणों की मौजूदगी में बैठक कर तीनों भाईयों के बीच भूमि विवाद को सुलझा दिया। इस दौरान तीनों भाईयों ने पुलिस पदाधिकारी और ग्रामीणों की सुझाव को मानते हुए आपसी बंटवारे को कबूल किया और शांतिपूर्वक रहने का निर्णय लिया। वहीं ग्रामीणों ने तीनों भाइयों की भूमि विवाद सुलझ जाने पर ओपी प्रभारी मंटू कुमार के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि भाइयों के बीच चल रहे 10 वर्षों के विवाद को सुलझा कर अपने नेक कार्य किया है।

सिर्फ नौकरी पा लेना ही बड़ी बात नहीं, कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वाह करना सबसे बड़ी बात : मिथिलेश ठाकुर

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने मंगलवार को नया समाहरणालय के सभागार में मनरेगा के तहत नव नियुक्त 13 प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरण किया। साथ ही कल्याण विभाग की ओर से 20 लाभुकों के बीच 2.72 करोड़ रुपए का ऋण सस्ते अनुदानित दर पर वितरण किया। इनमें झारखंड राज्य अनुसूचित जाति सहकारिता विकास निगम लिमिटेड द्वारा चयनित लाभुकों को मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत वाहन एवं स्वव्यवसाय के लिए 2.48 करोड़ रुपए से अधिक का ऋण का बैंक चेक प्रदान किया गया। नियुक्ति पत्र वितरण किए गए 13 उम्मीदवारों में छह सामान्य वर्ग, एक अनुसूचित जाति, तीन अनुसूचित जन जाति, एक अत्यंत पिछड़ा वर्ग तथा दो आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के उम्मीदवार शामिल हैं।

मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि आज गढ़वा के लिए खुशियों भरा दिन है। नव युवकों को नियुक्ति पत्र व स्वरोजगार के लिए ऋण दिया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि सिर्फ नौकरी पा लेना ही बड़ी बात नहीं है, बल्कि निष्ठापूर्वक अपनी जिम्मेवारी का निर्वहन करना सबसे बड़ी बात है। जिन्हें नियुक्ति पत्र मिला है, उनकी सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारने की अहम भूमिका है। समाज के अंतिम पंक्ति के लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना सभी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि सिर्फ धन ही सब कुछ नहीं है। आपके निष्ठापूर्वक किये गये कार्यों से समाज में अलग पहचान बनेगी। जिन लोगों ने लोन लिया है वे राशि का सदुपयोग करते हुए अपना बेहतर भविष्य बनायें। साथ ही समय पर लोन चुकता भी करें। डीसी शेखर जमुआर ने कहा कि यह नियुक्ति बिल्कुल पारदर्शी तरीके से की गई है। नव नियुक्त कर्मियों को इमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना होगा। ताकि उनकी एवं जिले की छवि अच्छी बन सके। डीडीसी पशुपति नाथ मिश्रा ने कहा कि जिस उद्देश्य के लिए युवाओं को नियुक्ति पत्र एवं लोन मिला है वे उस उद्देश्य की पूर्ति इमानदारी से करें। इस दौरान मनरेगा के तहत संविदा पर बीपीओ के पद पर नियुक्त रंजन कुमार, आदम अली, शशि भूशण कुमार, रंजीत कुमार, कुमार अभय, आनंद रजक, रौशन कुमार, सरिता कुमारी, शुभम कुमार सिंह, प्रभु टोप्पो, नीरज कुमार पाल, अंकित कुमार सिंह एवं अजीत सिंह को नियुक्ति पत्र दिया गया।

मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत लगाये गये शिविर का जायजा लेने पांकी पहुंचे डीडीसी

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत अधिकाधिक लोगों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से जिले के विभिन्न प्रखंडों में शिविर लगाकर युवाओं से आवेदन प्राप्त किये जा रहे हैं। इसी क्रम में मंगलवार को जिले के विश्रामपुर, पांडु, पांकी, तरहसी, उंटारी रोड, नौडीहाबाजार, नवा बाजार, हैदरनगर व मोहम्मदगंज में शिविर लगाया गया। इस दौरान पांकी में लगाये गये शिविर का उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद ने जायजा लिया। उन्होंने बीडीओ अरुण मुंडा को सभी योग्य युवाओं के बीच रोजगार का मार्ग प्रस्तुत करने की दिशा में प्राप्त हुए आवेदनों का ऑन स्पॉट ऑनलाइन एंट्री करने को लेकर निर्देशित किया।इसी तरह तरहसी ब्लॉक में लगाये गये शिविर का जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीति किस्कु ने निरीक्षण किया।वहीं विश्रामपुर प्रखंड के जिला सहकारिता पदाधिकारी उमेश सिंहा ने अवलोकन किया।बुधवार को मेदिनीनगर,पड़वा,पाटन में शिविर का आयोजन किया जायेगा.सभी स्थानों पर संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी व विभिन्न भूमि सुधार उपसहार्ता निरीक्षण करेंगे।

इन दस्तावेजों के साथ शिविर में पहुंचने की एडवाइजरी : प्रखंड में आयोजित हो रहे विशेष शिविर को लेकर जिला कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि शिविर में जो कोई भी योजना के तहत लाभ लेना चाहते हैं वे अपने साथ आधार कार्ड,पैन कार्ड, जाति, आवासीय, व आय प्रमाण पत्र की छायाप्रति, सरकारी नौकरी में नहीं होने का शपथ पत्र लेकर पहुंचे ताकि ऑन स्पॉट एंट्री कराया जा सके।

मंदिर में शिवलिंग और नंदी प्रतिमा की स्थापना

श्री बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। नगर पंचायत क्षेत्र के अधौरा स्थित शिव मंदिर में शिव लिंग और नंदी प्रतिमा की स्थापना की गई.विधिवत पूजन अर्चन के साथ आचार्य श्रीकांत मिश्रा ने प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न कराया. इस दौरान यजमान के रूप में अनुरंजन पांडेय और शाश्वत पांडेय मौजूद थे. बाँकी नदी तट स्थित शिव मंदिर में पहले से स्थापित शिव लिंग खंडित हो गया था. जिसके बाद उक्त मंदिर के जीणोधार के साथ काशी से शिवलिंग मंगाकर प्राण प्रतिष्ठा की गई. भगवान को धार्मिक रूप से रुद्राभिषेक भी किया गया. प्राण प्रतिष्ठा के बाद उपस्थित लोगों के बीच प्रसाद वितरण किया गया। मौके पर उपस्थित लोगों ने शिवघोष भी किया। उक्त मौके पर कमलेश्वर पांडेय, तारकेश्वर पांडेय, इंद्र प्रताप देव, उदय प्रताप देव, शिवकुमार पासवान सहित कई लोग मौजूद थे।

सीएलएफ पदाधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका। जेएसएलपीएस(पलास) के माध्यम से मंगलवार को गठित सभी संकुल स्तरीय संगठन के अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष दीदीयों का एक्सटर्नल ऑडिट पर एक दिवसीय प्रशिक्षण उत्सव गार्डन में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण के अन्तर्गत सभी उपस्थित पदाधिकारियों को ऑडिट की आवश्यकता, संकुल स्तरीय संगठन में लेखा संधारण, निधि समायोजन, संकुल स्तरीय संगठन में लेन देन, ऑडिट में उपयोग होने वाली जानकारियां, ऑडिट परिणामों हेतु डीब्रीफिंग प्रक्रिया एवं अन्य विषयों के बारे में जानकारी दी गई।साथ ही सभी संकुल संगठन हेतु ऑडिट की योजना बनाई गई। इस मौके पर जिला कार्यक्रम प्रबंधक गढ़वा, जिला प्रबंधक, रंका के मनोज कुमार गुप्ता सहित सभी प्रखण्ड कार्यक्रम प्रबंधक, रंका एलसीआरपी सत्येंद्र कुमार, कदमावला फर्म के प्रतिनिधि, सभी संकुल संगठन के पदाधिकारी दीदीयां एवं अन्य उपस्थित थे।

यह आधुनिक भारत के सपने को साकार करनेवाला बजट है: सांसद

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट 2024-25 का धनबाद के सांसद ढुलू महतो ने स्वागत किया है। सांसद ढुल्लू महतो ने कहा कि यह बजट गांव, गरीब, किसान, महिलाओं, युवाओं की आशाओं और आकांक्षाओं की पूर्ति के साथ ही चतुर्दिक समृद्धि और विकसित भारत, आधुनिक भारत के सपने को साकार करने वाला बजट है। केंद्रीय बजट 2024-25 सामाजिक न्याय, समानता और समान अवसर की अवधारणा को चरितार्थ करने वाला एवं आधुनिक भारत के निर्माण में सहायक सिद्ध होगा।

इस ऐतिहासिक बजट के लिए प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री का हार्दिक आभार और धन्यवाद व्यक्त करता हूं।

पूर्व जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह ने स्वागत करते हुए कहा कि

सांसद ढुल्लू महतो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, उनके मार्गदर्शन में यह बजट समावेशी, सर्वस्पर्शी और हर वर्ग को लाभांवित करने वाला है।

पूर्व जिला अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार ने स्वागत करते हुए कहा कि यह बजट पिछले एक दशक में भारतीय अर्थव्यवस्था की परिवर्तनकारी यात्रा को दर्शाते हुए, मोदी सरकार का यह बजट देश की अर्थव्यवस्था को और गति देने के साथ आजादी के 100वें वर्ष तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक प्रभावी बजट है।

प्रदेश कार्य समिति सदस्य संजीव अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दस वर्षों में भारत ने खुद को विश्व के सबसे तेजी से बढ़ने वाले प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में प्रतिस्थापित किया है। इस बजट से भारत की विकास यात्रा को और बल मिलने जा रहा है। प्रदेश कार्य समिति सदस्य प्रियंका पाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति के समूचे आर्थिक और सामाजिक विकास हेतु निरंतर कार्यरत है, जिसकी झलक हमें इस बजट में देखने को मिलती है।

धनबाद के पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह ने बजट का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार भारत को निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर रखते हुए विकसित भारत संकल्प को सिद्ध करने के लिए प्रतिबद्ध है। आज का बजट नये अवसर, नयी ऊर्जा लेकर आया है। ये ढेर सारे नये रोजगार, स्वरोजगार के अवसर लेकर आया है। आज का बजट भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनाने की प्रक्रिया में काम करेगा, विकसित भारत की एक ठोस नींव रखेगा।

पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह

भारतीय जनता पार्टी धनबाद जिला महानगर के अध्यक्ष श्रवण राय ने कहा कि आज केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट 2024-2025 एक आत्मनिर्भर और विकसित भारत की आधारशिला को और सुदृढ़ करने वाला है, जो गरीबों, महिलाओं, युवाओं, किसानों, मध्यम वर्ग और अन्य जरूरतमंद समूहों के सशक्तिकरण की दिशा के अत्यंत प्रभावी होगा।

महानगर के अध्यक्ष श्रवण राय

जिला मीडिया प्रभारी मिल्टन पार्थ सारथी ने कहा कि यह बजट विकसित भारत की मजबूत इमारत, विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने, देश का सर्वांगीण विकास, युवाओं महिलाओं गरीबों के उत्थान के लिए समर्पित शानदार बजट है।

जिला मीडिया प्रभारी मिल्टन पार्थ सारथी

उपायुक्त–सह–दण्डाधिकारी का कार्यालय , गुमला
(समाज कल्याण शाखा)
ईमेल –awc3.monitoring@gmail.com

अति अल्पकालीन इच्छा की अभिव्यक्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि गुमला जिले के वन स्टॉप सेन्टर, गुमला कार्यालय हेतु किराये पर व्यावसायिक वाहन रखा जाना है। उक्त निमित अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। फर्म/निविदादाता/वाहन मालिक को सूचीबद्ध जिला समाज कल्याण कार्यालय, गुमला द्वारा किया जाएगा।

अतः इच्छुक फर्म/निविदादाता/वाहन मालिक अपनी निविदा को आवेदन बन्द लिफाफा में जिला समाज कल्याण कार्यालय, गुमला में दिनांक 31.07.2024 को पूर्वाहन 11:30 बजे तक हाथों–हाथ जमा कर सकते हैं। उक्त निविदा विकास भवन सभागार में दिनांक 31.07.2024 को 3:30 बजे अपराह्न में खोला जाएगा।

नोटः– उक्त के संबंध में विस्तृत जानकारी जिले के वेबसाइट **gumla.nic.in** पर देखा जा सकता हैं।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी,
गुमला

PR 330400 Women, Child Development & Social Security(24-25)#D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
MINOR IRRIGATION DIVISION, KODERMA

(3rd Call)
Very Short Notice Inviting e-quotation.
Notice :- WRD/MID, KODERMA-07/2024-25, Date-23.07.2024

Government of Jharkhand through its Public Work Department (PWD) is engaged in framing/ revision of Schedule of Rates and as part of this endeavor, quotations through e-tender are invited for rate of items/ Materials annexed as Annexure- I for Construction Work from Quarry Owner/Crusher Owners/Reputed Manufacturers/ authorized dealers/Suppliers and other stakeholders authorized for respective items having valid GSTIN of materials. The rates conforming to specifications for inclusion in the schedule of Rates for Government of Jharkhand to be used in different Civil construction/ infrastructure work and repair works shall be submitted online in the website http://jharkhand tenders.gov.in. Details of Materials and its specification are available on the above e-tender Portal. The quotationer may download the documents from the website and quote their rate of Materials online from 27.07.2024 at 10:30 hrs. to 02.08.2024 at 16:00 hrs. The quotation will be opened on 05.08.2024 at 14:00 Hours.

The Quotation is invited to ascertain and assess the rate of Materials at par with lowest market rate for framing of Schedule of Rate.

Address for Communication: -
Executive Engineer
Minor Irrigation Division, Koderma
Mobile No. :- +91 99391 93214
Email - eemidkod-cemr-jhr@nic.in

Executive Engineer
Minor Irrigation Division,Koderma

PR 330430 Minor Irrigation(24-25).D

इस बजट से रोजगार और स्वरोजगार को मिलेगा बढ़ावा : बिरंची नारायण

यह बजट मध्यम वर्ग और पिछड़ों को मजबूत करने वाला बजट : विधायक बिरंची नारायण

आजाद सिपाह संवाददाता

बोकारो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा वर्ष 2024 - 25 बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए बोकारो विधायक बिरंची नारायण ने आम बजट को विकास की गति को बढ़ाने वाला बजट बताते हुए कहा कि इस बजट से रोजगार, स्वरोजगार किसान और पर्यटन क्षेत्र में यह बजट गरीबों के लिए अवसर उत्पन्न करने पर फोकस किया गया है। नारायण ने कहा कि साथ ही उन्होंने कहा कि यह बजट सभी को शक्ति देने वाला है। ये बजट भारत की 5 ट्रिलियन

इकोनॉमी के लक्ष्य को पूरा करेगा। यह बजट सर्वस्पर्शी, सर्वसमावेशी, विकासोन्मुखी 140 करोड़ देशवासियों की आशाओं, आकांक्षाओं और अमृतकाल के सभी संकल्पों को सिद्ध करने वाला है यह आम बजट 2024-25 'विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण का आर्थिक दस्तावेज है।

बजट में मध्यम वर्ग को इनकम टैक्स स्लैब में छूट का फैसला स्वागतयोग्य : विधायक

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। विधायक राज सिन्हा ने आम बजट 2024-25 पे प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि, आज के बजट में मध्यम वर्ग को इनकम टैक्स स्लैब में छुट के फैसले का स्वागत करते हैं। यह बजट देश के युवाओं के लिए राजगरोन्मुख बजट है। सरकार ने जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास के लिए 'पीएम जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान' शुरू करने की घोषणा की है, इस अभियान से 63 हजार गांवों के लगभग 5 करोड़ जनजातीय बहन -भाई लाभान्वित होंगे। भारत के पूर्वी क्षेत्र के विकास को नयी गति देने हेतु इस बजट में झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा और आंध्र

प्रदेश के लिए 'पूर्वोदय' योजना की घोषणा की गयी है, इस योजना से इन क्षेत्रों में इंफ्रास्ट्रक्चर, मानव संसाधन, रोजगार और आर्थिक विकास के अवसरों को नयी ऊर्जा मिलेगी और विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में यह क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। आम बजट 2024- 25 विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा। बजट इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के साथ ही गांव, गरीबों किसानों, युवाओं, उद्यमियों के आर्थिक और सामाजिक विकास की परिकल्पना को पूरा करेगा यह बजट राष्ट्र समेत सभी राज्यों के समावेशी विकास को भी बल प्रदान करेगा। इस बजट में भारत के विकास के लिए दूरदर्शिता साफ- साफ नजर आती है। इस जन कल्याणकारी और जनहितकारी बजट के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार अभिनंदन किया।

JHARKHAND BIJLI VITRAN NIGAM LTD
(CIN: U40108JH2013SGC001702)
ELECTRIC SUPPLY CIRCLE, CHAS
ITI MORE, CHAS, PIN-827013, Email ID- esechas011@gmail.com

TENDER NOTICE

Sealed Tender in two parts Part-I (Technical and Commercial) and Part-II (Price part) are invited from the reputed tenderers having good experience of following similar nature of civil works and having sound financial status.

Sl. No.	NIT No.	Name of Work	Estimated cost (In Rs.)	Earnest money to be deposited (In Rs.)	Cost of BOQ including GST @ 18 % (Non-refundable) (In Rs.)	Time of completion of work
01	53/PR/ JBVNL/ 2024-25	Sinking of 200/165 mm dia HYDT deep bore well with allied work related to water supply system at Electric Supply Sub-division, Gomoh under Electric Supply Circle, Chas.	3,22,650=00	6,500=00	885=00	30 Days

Last date and time for sale of BOQ/ Tender documents	12.08.2024 upto 5:00 pm
Last date and time for physical submission of tender documents	13.08.2024 upto 2:30 pm
Date and time for opening of tender Part-I (Technical and Commercial)	13.08.2024 at 3:00 pm
Date and time for opening of tender Part-II (Price Part)	Further communicated
Tendering Officer and address for communication	DGM(Tech), ESC-Chas

1. Tender documents with BOQ including term& conditions, specification etc. can be purchased on mentioned cost from the office of the undersigned during office hours upto last date of sale of BOQ /Tender documents.
2. Demand Draft from any nationalized/Scheduled bank of India towards cost of BOQ and Earnest money may be made in favour of **Accounts Officer, Electric Supply Circle, Chas,** payable at **Chas**.
3. The tenders will be received through offline tendering mode only.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकायतों को टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

Sd/-
DGM (Technical)
ESC, Chas

PR.NO.330326 Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd(24-25):D

यह बजट निराशाजनक और भ्रामक है : सीता

महिला सशक्तिकरण को लेकर विशेष कुछ बजट में नही किया गया है : जिलाध्यक्ष

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। बजट 2024 निराशाजनक और भ्रामक है। महिला सशक्तिकरण को लेकर विशेष कुछ बजट में नही किया गया है। स्वाबलंबन और रोजगार को बढ़ावा देने के क्षेत्र में पूर्व की घोषणा भी धरातल पर नही आई। एम एस एम ई की ऋण योजना गरीब महिला और निम्न मध्यम वर्ग की महिलाओं को नही मिला। कौशल विकास के नाम पर सरकार ने युवा वर्ग के साथ धोखा पहले भी किया और इस बजट में भी कुछ उत्साहवर्धक नही है। देश के सामने सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी है और रोजगार सृजन

के क्षेत्र में मोदी सरकार और निर्मला सीतारमण का बजट पूरी तरह विफल रही है। वहीं करदाताओं को कोई छूट नही दिया गया बल्कि कर स्लैब को तीन लाख कर भार बढ़ाया गया है। जिससे कर दाताओं को नुकसान होगा। बजट 2024 एक ऐसे आदर्श वाक्य पर निर्भर है जो वास्तविक जीवन में कभी फलीभूत नही होता। बजट पूरी तरह से भ्रामक और लोगों को गुमराह करने वाला है।

तीरंदाजी संघ ने अनिल बांसफोर को किया सम्मानित

27 से 31 जुलाई तक हांगकांग में शटलकॉक प्रतियोगिता में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। सोमवार को धनबाद जिला तीरंदाजी संघ द्वारा धनबाद के जाने माने पदक विजेता खिलाड़ी के अनिल बांसफोर को शॉल ओढ़ाकर, माला पहनकर और बुके देकर सम्मानित किया गया। अनिल बांसफोर हांगकांग में आयोजित होने वाले शटलकॉक प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने 26 जुलाई को हांगकांग जा रहे हैं। जहां 27 जुलाई से 31 जुलाई तक प्रतियोगिता होने जा रहा है। अनिल के इस उपलब्धि पर आज धनबाद जिला तीरंदाजी संघ द्वारा

उनके सम्मान में एक समारोह आयोजित कर उन्हें सम्मान दिया गया। धनबाद सिविल कोर्ट के वरीय अधिवक्ता जेएन सिंह, मजहर खान, वीरेंद्र रजक, मंगलेश सिन्हा ने अनिल को बुके एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। समारोह का संचालक तीरंदाजी संघ के महासचिव सह अधिवक्ता जुबेर आलम ने करते हुए अनिल बांसफोर को इसके लिए बधाई दी और उनके मनोबल को बढ़ाया इस अवसर पर अधिवक्ता दिलीप साहू, किशोर कुमार, शशि भूषण सिंह, चंचल चटर्जी, राजेश्वर सिंह यादव, लिम्का बुक रिकॉर्ड होल्डर सुनील बांसफोर, अमरजीत बांसफोर, मुकेश, तलवारबाजी के रूपेश, नितेश, अखिलेश सहित बहुत सारे खिलाड़ी उपस्थित थे। समारोह के अंत में तारक नाथ दास ने सभी उपस्थित लोगों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यालय जिला परिषद, हजारीबाग

अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या :– 11/2024–25

दिनांक 22/07/2024

मद का नाम :– जिला खनिज फाउण्डेशन ट्रस्ट

क्र0	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	अग्रधन की राशि	योजना पूर्ण करने की तिथि
1	2	3	4	5	6	7
1	सदर	कर्जन ग्राउण्ड, हजारीबाग में आर0सी0सी0 नाली एवं पेभर ब्लॉक का निर्माण।	4640900	5000.00	93000.00	चार माह
2	सदर	प्रमण्डलीय पुस्तकालय (रूकमनी भवन) हजारीबाग में ए0सी0 का अधिष्ठापन।	1552800	5000.00	32000.00	दो माह
3	चुरचू	प्राथमिक विद्यालय, कजरी का उन्नयन हेतु विविध निर्माण कार्य।	4923900	5000.00	99000.00	छः माह

1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि 05.08.2024
2. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय 06.08.24 से 14.08.2024 अपराहन् 5:00 बजे तक।
3. निविदा खोलने का स्थान– जिला परिषद, हजारीबाग।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय 16.08.2024 पूर्वाहन् 10:00 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता – जिला अभियंता, जिला परिषद, हजारीबाग।
6. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0–06546 261406 ई–मेल – districtboardhazaribag@gmail.com
8. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।
9. निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट्ट या www.jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

जिला अभियंता,
जिला परिषद, हजारीबाग

PR 330336 District(24-25)#D

डोमेस्टिक स्टील की खपत को बढ़ावा मिलने की उम्मीद : सेल अध्यक्ष

बोकारो। सेल अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश ने 'बजट 2024' पर कहा कि सरकार ने अंतरिम बजट की ही तरह बुनियादी ढांचे के लिए पूंजीगत व्यय को बरकरार रखा है, जो बुनियादी ढांचा क्षेत्र के लिए भारी वित्तीय सहयोग को सुनिश्चित करता है। शहरी आवास, ग्रामीण बुनियादी ढांचे के विकास, सड़क आवागमन को बेहतर बनाने और विभिन्न कॉरीडोर के विकास पर फोकस करने से डोमेस्टिक स्टील की खपत को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

48 घंटे के अंदर रैयतों को नियोजन और मुआवजा पर सहमति नहीं बनी तो होगा आंदोलन: जलेश्वर

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। नियोजन और मुआवजा की मांग को लेकर कालीस्थान के रैयतो ने जीनागोरा एफ पैच का ट्रांसपोर्टिंग ठप कर बीसीसीएल प्रबंधन खिलाफ धरना दिया। ग्रामीणों के पक्ष में वार्ता के लिए पूर्व मंत्री सह कांग्रेस पार्टी के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष जलेश्वर महतो मौजूद थे। ट्रांसपोर्टिंग ठप की सूचना पाकर लोदना के महाप्रबंधक निर्झर चक्रवर्ती ग्रामीणों से वार्ता करने के लिए धरना स्थल पहुंचे। कार्यकारी अध्यक्ष जलेश्वर महतो और महाप्रबंधक के बीच वार्ता हुई।

वार्ता के दौरान कार्यकारी जलेश्वर महतो ने महाप्रबंधक को फटकार लगाया। और कहा कि ग्रामीणों को एक तरह रिवॉल्वर दिखाया जा रहा तो दूसरी और कलम का धौंस दिखाकर डराया धमकाया जा रहा है। तो ग्रामीण किसान कैसे हक की लड़ाई लड़ेगा।

48 घंटे के अंदर रैयतों का मामला निष्कर्ष और निष्पादन नहीं हुआ तो होगा उग्र आंदोलन किया जायेगा। रैयत संजय महतो ने कहा कि जीनागोरा से निकलने वाली सड़क मेरी खतियानी जमीन पर है। जो कुल पांच एकड़ पैंतालीस डिसमिल है। उक्त जमीन पर बीसीसीएल काम कर रही है। जिसको लेकर कई बार प्रबंधन से वार्ता हुई। लेकिन आज तक प्रबंधन मुआवजा और नौकरी नहीं दिया। जिसके कारण बाध्य होकर आंदोलन करना पड़ रहा है। जिसकी सारी जिम्मेवारी प्रबंधन को होगी। देव प्रभा के भौरा आउटसोर्सिंग जिनागोरा आउटसोर्सिंग में लगातार विरोध को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा 163 के तहत लगाया निषेधाज्ञा। इधर ग्रामीण रैयत संघर्ष समिति द्वारा दूसरे दिन भी धरना जारी है।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
National Rural Employement Program, Ranchi.

Very Short
e-Procurement Notice

e-Tender Refrence No. – National Rural Employement Program, Ranchi./RANCHI-13/2023-24 Date :-

Sl. No.	Name of Scheme	Estimated Amount (Lakh)	Earnest Mone (Lakh)	BOQ Cost	Scheme Completion Date	Tools & Plant
1	मदरसा गौसिया गौसनगर मनीटोला डोरण्डा, राँची में 50 शैय्या बालक छात्रावास निर्माण।	2,95,77,600/-	5,91,600/-	10,000/-	12Months	कार्य के अनुरूप
2.	BMC Hostel कांटाटोली राँची में 50 शैय्या बालक छात्रावास निर्माण।	2,95,77,600/-	5,91,600/-	10,000/-	12Months	कार्य के अनुरूप
3.	फातिमा गर्ल्स एकेडमी ईटकी राँची में 30 शैय्या बालिका छात्रावास निर्माण।	2,24,83,500/-	4,50,000/-	10,000/-	12Months	कार्य के अनुरूप
4.	दारूल ओलूम कासमिया बलसोकरा में 30 शैय्या अल्पसंख्यक बालक छात्रावास निर्माण।	2,24,83,500/-	4,50,000/-	10,000/-	12Months	कार्य के अनुरूप
5.	Mode of Submission of tender		Online through www.jharkhandtendrs.gov.in			
6.	Date of Publication of Tender on Website		Start Date 29.07.2024 to 11.00 AM			
			End Date 03/08/2024 up to : 2.00 PM			
5.	Bids online Submission		Start Date 29.07.2024 Time : 11.00 AM			
			End Date 03/08/2024 Time : 2.00 PM			
6.	Technical Bid Oppening Date		Date 05/08/2023 Time : 11.00 AM			
Officer Inviting Bids			Executive Engineer			
			National Rural Employement Program, Ranchi.			
			Address : National Rural Employement Program, Vikash Bhawan, Ranchi.			

Executive Engineer
National Rural Employement Program, Ranchi.

PR 330380 (NREP) 24-25 (D)

24 घंटे में अंगुल जिले में सबसे ज्यादा बारिश आठमल्लिक में दर्ज की गयी

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। राज्य के अधिकांश हिस्सों में लघुचाप जनित बारिश जारी है। पिछले 24 घंटों में अंगुल जिले के आठमल्लिक में सबसे अधिक 101 मिमी बारिश दर्ज की गयी है। इसी तरह अंगुल जिले के टिकरपड़ा में 96.8 मिमी, बअंरपाल में 92.6 मिमी, नयागढ़ जिले के बरमुल में 88.8 मिमी, कोरापुट जिले के सिमिलिगुड़ा में 84.0 मिमी, अंगुल जिले के अंगुल में 83.0 मिमी, कोरापुट जिले के लमतापुट में 74.2 मिमी ढेंकनाल जिले के हिंदोल में 71.8 मिमी, नुआपड़ा जिले के नुआपड़ा में 70.8 मिमी, मालकानगिरि जिले के मालकानगिरि में 68.6 मिमी, माथीली में 66.0 मिमी, बौध जिले के बौधगड में 64.2 मिमी, सोनपुर जिले के तरवा में 62.4 मिमी. और पुरी जिले के पुरी में 59.4 मिमी. बारिश दर्ज की गयी है।

प्रदीप ने खोरधारोड के अपर मंडल रेल प्रबंधक का कार्यभार संभाला

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। प्रदीप कुमार बेहरा ने खोरधारोड के अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) का कार्यभार संभाल लिया है। प्रदीप कुमार बेहरा, भारतीय रेल विद्युत इंजीनियरिंग सेवा (आईआरएसईई) ने पूर्व तट रेलवे के खोरधारोड मंडल में अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) के रूप में कार्यभार संभाला है। इससे पहले, वे मुख्य विद्युत इंजीनियर (निर्माण)-II, पूर्व तट रेलवे, भुवनेश्वर के रूप में कार्यरत थे। प्रदीप कुमार बेहरा भारतीय रेल विद्युत इंजीनियरिंग सेवा (आईआरएसईई) के 1998 बैच के हैं। उन्होंने एनआईटी, राउरकेला से बी-टेक किया है। उन्होंने पूर्व तट रेलवे में विभिन्न पदों पर काम किया है, जैसे कि मुख्य विद्युत इंजीनियर (निर्माण), वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (परिचालन), खोरधारोड और वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सामान्य), खोरधारोड आदि।

किम्स के डॉक्टरों ने जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित 10 दिन के बच्चे को बचाया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। किम्स में नियोनेटोलॉजी, कार्डियोलॉजी और कार्डियक एनेस्थीसिया विभाग ने प्रभावशाली समन्वय और परिश्रम का प्रदर्शन करते हुए गंभीर जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित 10 दिन के बच्चे की सफलतापूर्वक जान बचायी है। बच्चे का वजन 2.2 किलो था और उसे जन्मजात हृदय रोग के संदेह के साथ किम्स भेजा गया था। नवजात शिशु को जन्म से ही ऑक्सीजन की आवश्यकता थी और उसका ऑक्सीजन स्तर लगातार कम था। पहुंचने पर, ऑक्सीजन समर्थन और दवा के साथ भी बच्चे की ऑक्सीजन संतृप्ति 70 प्रतिशत से कम थी।

छाती के एक्स-रे और इकोकार्डियोग्राफी का उपयोग कर-के आगे की जांच से पल्मोनरी एट्रेसिया नामक स्थिति का पता चला, जहां दोनों फेफड़ों में रक्त का प्रवाह गंभीर रूप से प्रतिबंधित है। इस स्थिति वाले बच्चे जीवित रह सकते हैं, यदि उनके फेफड़ों में अतिरिक्त रक्त की आपूर्ति हो, जैसे कि पेटेंट डक्टस आर्टेरियोसस (पीडीए), लेकिन स्वाभाविक रूप से होने वाला यह संबंध अक्सर जन्म के तुरंत बाद बंद हो जाता है। ब्लालॉक-टॉसिग (बीटी) शंट जैसे सर्जिकल विकल्प उपलब्ध हैं, लेकिन इसमें महत्वपूर्ण जोखिम हैं, खासकर 2.5 किलोग्राम से कम वजन वाले शिशुओं के लिए। डॉ. आशीष रंजन महाकुड़ के नेतृत्व में बाल हृदय रोग दल ने नियोनेटोलॉजी इकाई और कार्डियक एनेस्थिसियोलॉजिस्ट डॉ. अशोक बडमाली के साथ मामले का गहन मूल्यांकन किया। उन्होंने एक कम आक्रामक लेकिन अत्यधिक प्रभावी दृष्टिकोण पर निर्णय लियाः डक्टस आर्टेरियोसस को फैलाना और स्टेंट करना, एक प्राकृतिक संबंध जो बंद होने लगा था।

प्रक्रिया के बाद, शिशु के ऑक्सीजन स्तर में सुधार हुआ, जो 90 प्रतिशत से ऊपर बढ़ गया। तत्काल जीवन-घातक स्थिति का समाधान हो गया, और बच्चा कमरे की हवा में ऑक्सीजन के स्तर को बनायें रखने और भोजन लेने में सक्षम हो गया। इस सफल हस्तक्षेप ने अधिक आक्रामक सर्जरी की आवश्यकता को भी कम कर दिया, जिससे इतने युवा रोगी में लंबे समय तक एनेस्थीसिया और रिकवरी से जुड़े जोखिम कम हो गये।

नवजात शिशु को स्थिर और तैयार करने वाली नियोनेटोलॉजी टीम, गहन स्टेंटिंग प्रक्रिया करने वाली कार्डियोलॉजी टीम और एनेस्थेटिक टीम के बीच सटीक समन्वय, किम्स अस्पताल में रोगी-केंद्रित देखभाल और बाल हृदय विज्ञान में प्रगति के शिखर का उदाहरण है।

सोआ में वियतनाम का सांस्कृतिक दल अपने देश की कला-संस्कृति का प्रदर्शन करेगा

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। वियतनाम के निन थुआन प्रांत से एक सांस्कृतिक समूह मंगलवार को शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालय (सोआ) पहुंचा। सांस्कृतिक समूह नृत्य और संगीत के माध्यम से अपने देश की प्राचीन कला और संस्कृति का प्रदर्शन करेगी। वियतनाम के निन थुआन प्रांत के संस्कृति, खेल और पर्यटन विभाग के उप-निदेशक वान कोंग होआ के नेतृत्व में टीम बुधवार शाम को सोआ ऑडिटोरियम में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेगी। इस मंडली के सदस्यों को चाम नृत्य (जिसे अप्सरा नृत्य भी कहा जाता है) का प्रदर्शन करना है, जिसमें ओडिशा के शास्त्रीय नृत्य के साथ कई समानताएं हैं। इसी प्रकार, उनके अन्य नृत्य भी उड़िया पाइक नृत्य प्रतीत होते हैं। भुवनेश्वर पहुंचने के बाद श्री होआ ने सोआ के संस्थापक अध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ.) मनोजरंजन नायक से शिष्टाचार मुलाकात की। इसी तरह, उनकी पार्टी के सदस्यों ने सोआ के कुलपति प्रोफेसर प्रदीप कुमार नंद से मुलाकात की और चर्चा की।

नकली सॉस फैक्ट्री का भंडाफोड़

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। भीमटांगी में नकली सॉस फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ है। कमिश्नरेट पुलिस स्पेशल स्क्वाड की छापेमारी में यहां से कई क्विंटल नकली टमाटर और चिली सॉस जब्त किया गया है। फैक्ट्री से सॉस बनाने में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल और पैकिंग मटेरियल भी जब्त कर लिया गया है। सॉस पर स्टीकर लगा है कि यह अम्रिता कंपनी का है, लेकिन निर्माण की तारीख और समाप्ति तिथि आदि के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई–निविदा सूचना सं.– टी.एम. ई–निविदा ओपेन/02/24–25 दिनांक : 18.07.2024.
उप मुख्य अभियन्ता (ट्रैक मशीन) प्लान्ट डिपो, पूर्व मध्य रेलवे, मुगलसराय द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनके पसकार के रूप में निम्नलिखित कार्य के लिए प्रतिष्ठित फर्मों से ऑन लाईन (ई–निविदा) निविदा आमंत्रित की जाती है :–
ई–निविदा बंद होने की तिथि : 19.08.2024
1. निविदा केस सं.– कार्य का नाम एवं लोकेशन : 4आर.टी.टी.एम.बीसीएम सर्विस–आर.बी.–23 सेवा के दायरे के अनुसार पूर्व मध्य रेलवे के सभी ब्राड गेज मार्गो पर अपने मसीनों का उपयोग कर सभी प्रकार की मुख्य लाईन ट्रैक की डीप स्क्रीनिंग करना, मसीनों एवं सभी अकास्मिक साइटों के संचालन एवं रख–रखाव अपने स्वयं के समान, उपयोग्य समाग्रियों एवं कर्मचारियों का उपयोग कर सेवा देने हेतु। 2. कार्य का अनुमानित लागत : ₹2,53,43,61,512.84, 3. जमानत राशि : ₹1,00,00,000/–, 4. ई–निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय : 19.08.2024, 16.00 बजे तक। 5. वेबसाईट जिस पर ई–निविदा की विस्तृत जानकारी है : www.ireps.gov.in
उप मुख्य इंजीनियर (ट्रैक मशीन)/
प्लांट डिपो/पूमरे/मुगलसराय
पीआर/00735/पीडीएम/अभि./टी/24–25/36

वेदांता एल्युमीनियम समर्थित कबड्डी खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में रजत पदक जीता

ओडिशा के रायगडा के दो कबड्डी खिलाड़ी अब आगामी अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप की तैयारी में जुटे हैं

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। भारत के सबसे बड़े एल्युमीनियम उत्पादक वेदांता एल्युमीनियम द्वारा समर्थित दो कबड्डी खिलाड़ियों ने छठी खेल विकास और संवर्धन महासंघ (एसडीपीएफ) कबड्डी राष्ट्रीय चैंपियनशिप में ओडिशा का प्रतिनिधित्व किया। रायगडा जिले के सिजिमाली के टंकधर नाइक और लेपुल्या नाइक ने महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिससे टीम को राज्य के लिए रजत पदक जीतने में मदद मिली। आभार व्यक्त करते हुए टंकधर नाइक ने कहा, हम नासिक में नीलेश राणे युवा प्रतिष्ठान और खेल विकास और संवर्धन संघ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कबड्डी चैंपियनशिप में अपने राज्य के लिए रजत पदक जीतकर बहुत खुश हैं। सिजिमाली से उनके साथी और पड़ोसी लेपुल्य नाइक ने कहा, हम वेदांता एल्युमीनियम की सीएसआर टीम के समर्थन और प्रोत्साहन के लिए आभारी हैं। हम न केवल ओडिशा बल्कि देश के लिए और अधिक पदक जीतने के लिए उत्सुक हैं। राष्ट्रीय चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, हरियाणा, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना सहित विभिन्न राज्यों की टीमें शामिल थीं। इस सफलता के आधार पर, टंकाधर और लेपुल्या अब नेपाल में एक अंतर्राष्ट्रीय कबड्डी टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करने की तैयारी कर रहे हैं। वेदांता एल्युमीनियम इन खिलाड़ियों को जरूरी उपकरण मुहैया कराता है और उनकी यात्रा का खर्च वहन करता है, जिससे जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने की उसकी प्रतिबद्धता और मजबूत होती है। इन दोनों एथलीटों की सफलता इस बात को रेखांकित करती है कि स्थानीय एथलीटों की क्षमता कितनी ज्यादा है, जब उन्हें सही अवसर और समर्थन दिया जाये। स्थानीय अधिकारियों, कल्याण संगठनों और समुदाय के सदस्यों के साथ घनिष्ठ सहयोग के माध्यम से, वेदांता एल्युमीनियम ग्रामीण ओडिशा में सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाता है।

पूर्व तट रेलवे ने खुर्दा रोड-बलांगीर रेल लाइन परियोजना में सुरंग कनेक्शन कर एक और उपलब्धि हासिल की

भुवनेश्वर(आजाद सिपाही)। पूर्व तट रेलवे (ईसीओआर) ने सुरंग बनाने के काम में एक और मील का पत्थर पार कर लिया है। खोर्धा रोड-बलांगीर रेल लिंक परियोजना (301 किमी) के निर्माण में लगी रेलवे के निर्माण विभाग की इंजीनियरिंग टीम आज माधापुर वन क्षेत्र के सुदूर आरक्षित वन क्षेत्र के अंतर्गत आढेणीगड-चारीछक रेल खंड के बीच 4185 मीटर लंबी सुरंग के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग को जोड़ने वाली एक लंबी सुरंग का सफल काम कर रही है। खुर्दा रोड-बलांगीर परियोजना के कुल 301 किलोमीटर में से 152.805 किलोमीटर चालू हो चुका है। परियोजना के शीघ्र पूरा होने को सुनिश्चित करने के लिए रेलवे इस लाइन का निर्माण दोनों तरफ से कर रहा है, यानी खुर्दा रोड और बलांगीर से। अब तक, खुर्दा रोड से दसपल्ला तक 105.8 किलोमीटर और बलांगीर से सोनपुर तक 47 किलोमीटर की दूरी चालू हो चुकी है। इसके अलावा सोनपुर से झरमुंडा तक 28.765 किमी की दूरी भी पूरी हो गयी है। सोनपुर से पुरूणाकटक तक का लगभग 73 किलोमीटर का खंड अगले कुछ महीनों में पूरा होने की उम्मीद है। खुर्दा रोड-बलांगीर परियोजना का निर्माण तय समय सीमा के भीतर पूरा करने पर जोर दिया जा रहा है। सुदूर उपनगरीय क्षेत्रों में रेलवे लाइनें बनाने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की इस परियोजना की रेल मंत्रालय द्वारा बारीकी से निगरानी की जाती है। निर्माण कार्य में तेजी लाने और परियोजना को जल्द पूरा करने के उद्देश्य से रेलवे दोनों तरफ से परियोजना का निर्माण कर रहा है। रेलवे परियोजनाओं का पूरा होना विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है जैसे पूर्व भूमि अधिग्रहण, वन मंजूरी, अतिक्रमण उपयोगिताओं का हस्तांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से कानूनी मंजूरी, क्षेत्र की भौगोलिक और स्थलाकृतिक टपोग्राफिक स्थितियां आदि।

DAS MUSICAL STORES
DAS RUBBER STAMP
Wholesale & Ratails
Dealers of all Musical Instruments
Mob.: 9835164815/ 8825354800/7250933033
MAIN ROAD, RANCHI, OPP. HANUMAN MANDIR
KOKAR , H.B. ROAD, OPP. R.L.S.Y. SCHOOL , RANCHI

वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची
VERMA PRESS
Verma's® Today®
शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं–

Class - X		Class - IX	
Hindi	₹ 140	Hindi	₹ 140
English	₹ 140	English	₹ 140
Mathematics	₹ 140	Mathematics	₹ 140
Science	₹ 140	Science	₹ 140
Social Science	₹ 140	Social Science	₹ 140
Sanskrit	₹ 120	Sanskrit	₹ 120
Hindi – B	₹ 140	Hindi – B	₹ 80
Hindi Vyakaran– II	₹ 120	Hindi Vyakaran– II	₹ 120
English Grammar– II	₹ 120	English Grammar– II	₹ 120
Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
Hindi Practical	₹ 55	Hindi Practical	₹ 55
English Practical	₹ 55	English Practical	₹ 55
Maths. Practical	₹ 65	Maths. Practical	₹ 55
Science Practical	₹ 65	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 65	S. Science Practical	₹ 65
Sanskrit Practical	₹ 55	Sanskrit Practical	₹ 55
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 75
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
Mathematics	₹ 200	Mathematics	₹ 130
Science	₹ 200	Science	₹ 200
Social Science	₹ 200	Social Science	₹ 130
Maths. Practical	₹ 80	Maths. Practical	₹ 80
Science Practical	₹ 80	Science Practical	₹ 80
S. Science Practical	₹ 80	S. Science Practical	₹ 80

मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !

बजट को मजबूत भारत की दिशा में कदम बताया केंद्रीय मंत्रियों ने

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्रियों ने मंगलवार को संसद में पेश मोदी 3.0 सरकार के पहले बजट को मजबूत भारत की दिशा में कदम बताते हुए इसकी सराहना की है।

पीएम के विकसित भारत के संकल्प को रेखांकित करता है बजट: चौहान

केंद्रीय कृषि किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि और किसान कल्याण और ग्रामीण विकास को लेकर आवंटित बजट पर कहा कि आज पेश हुआ बजट भारत के अमृत काल का बजट है। यह बजट देश के विकास और गरीबों के कल्याण का बजट है। यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता, विजन और विकसित भारत के संकल्प को रेखांकित करता है। उन्होंने कहा कि भारत की आत्मा है गांव और प्राण हैं किसान, आज का बजट ग्रामीण विकास और कृषि क्षेत्र की प्रगति में नये आयामों को स्थापित करेगा। वर्ष 2047 का हमारा भारत कैसा होगा? एक सशक्त, समृद्ध, शक्तिशाली और आत्मनिर्भर भारत बनने की दिशा में यह बजट मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि यह बजट विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने वाला बजट है। यह बजट किसान, महिला, युवा और गरीब लोगों के जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वाला है। यह बजट किसानों की आय को बढ़ाने, मजबूत अधोसंरचना, स्वस्थ भारत, सुशासन, युवाओं के लिए अवसर, सभी के लिए शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, समावेशी विकास का संकल्प और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि आज वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रिकॉर्ड सातवीं बार बजट पेश किया है। यह बजट हर वर्ग को ध्यान में रखकर पेश किया गया है। सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास इस बजट में वह साफ प्रतिलक्षित होता है। यह बजट नारी शक्ति के उत्थान तथा विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

समृद्ध भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा बजट: नितिन गडकरी

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बजट की सराहना करते हुए कहा कि यह उन्नत बुनियादी ढांचे, नवाचार और अगली पीढ़ी के सुधारों के साथ समृद्ध भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा, जिससे समाज के प्रत्येक वर्ग का विकास होगा। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में यह दूरदर्शी बजट प्रस्तुत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का हार्दिक आभार व्यक्त किया और बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह प्रगतिशील ब्लूप्रिंट कृषि की पैदावार को बढ़ावा देने, रोजगार और कौशल को संवर्धित करने तथा मानव संसाधन और सामाजिक न्याय को बढ़ाने का वादा करता है। गडकरी ने कहा कि यह बजट विनिर्माण और सेवाओं, शहरी विकास और ऊर्जा सुरक्षा में प्रगति को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे, नवाचार, अनुसंधान और अगली पीढ़ी के सुधारों पर विशेष ध्यान देने सहित यह बजट सभी क्षेत्रों में भारत की महत्वपूर्ण प्रगति संभव बनाता है। उन्होंने कहा कि उज्ज्वल और बेहद समृद्ध भविष्य हमारी बाट जोह रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में अग्रगामी सोच रखने वाला यह बजट सतत विकास, नवाचार और स्थायी प्रगति को बढ़ावा देता है तथा भारत के लिए लचीला और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करता है।

नये और समग्र विकास का रोडमैप प्रदान करता है बजट: सर्बानंद सोनोवाल

केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि बजट गरीब, महिला, युवा और अन्नदाता के विकास पर आधारित है और नये और समग्र विकास के लिए रोडमैप प्रदान करता है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को इस दूरदर्शी दस्तावेज को प्रस्तुत करने के लिए धन्यवाद दिया। बजट रोजगार, कौशल विकास, एमएसएमई, कृषि और निवेश-आधारित आर्थिक विकास पर भारी जोर दे रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें यकीन है कि बजट में पहचाने गये चार विषयों और नौ प्राथमिकताओं का समाज के सभी वर्गों द्वारा स्वागत किया जायेगा। उन्होंने कहा कि बजट भारत के शिपिंग, क्रूज, जहाज निर्माण और जहाज मरम्मत उद्योग को भी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ायेगा, रोजगार के नये अवसर पैदा करेगा और निर्यात को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में हम वैश्विक समुद्री शक्ति के रूप में भारत का कद ऊंचा करने की दिशा में पूरी ताकत से आगे बढ़ रहे हैं।

BABU DINESH SINGH UNIVERSITY
(Established Under Government of Jharkhand Act - 06, 2023 & Section 2(f) of the UGC Act, 1956 Member of AIU, Delhi)
BDSU
Admission Open : 2024-25
B.TECH — CSE | CSE (AI) | CE | EEE | CSE (CYBER SECURITY) — 4 Yrs Regular Eligibility : 10+2 / I.Sc
DIPLOMA — CSE | EEE | CE | ME | EE — 3 Yrs Regular Eligibility : 10th Pass
OTHER PROGRAMES : B. Pharm | D.Pharm | BCA | MCA | BBA | MBA | B.Lib.I.Sc | M.Lib.M.Sc | ITI
Programes Run & Managed by Vananchal Educational & Welfare Trust
B.D.S. | B.H.M.S | B.Sc. Nursing | GNM | ANM | B.Sc. (Medical) | B.Sc. MLT | B.Ed. | D.EL.Ed | M.D. | M.D.S. | M.Sc. (Medical) | PARAMEDICAL
BDSU : FARATHIYA, GARHWA-822114, JHARKHAND
9661462506, 6206297213, 9934688493
bdsu.ac.in | vananchaltrust.org

भारत को विकसित राष्ट्र के रूप में उभरने की ऊर्जा देगा बजट: भूपेंद्र यादव

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि केंद्रीय बजट 2024-25 समाज के सभी वर्गों-युवाओं, किसानों, महिलाओं और गरीबों के लिए रोजगार और अवसरों के एक नये युग की शुरुआत करके भारत के विकसित राष्ट्र के रूप में उभरने के प्रयासों को ऊर्जा प्रदान करता है। सोशल मीडिया पर पोस्ट में उन्होंने कहा कि भविष्योन्मुखी बजट विकसित भारत के निर्माण की मजबूत नींव रखता है, जहां विकास हरित और समावेशी होगा। उन्होंने विकासोन्मुखी दूरदर्शी बजट के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

किसानों और नौजवानों की पक्की नौकरी का इंतजाम नहीं: अखिलेश

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने केंद्रीय बजट पर कहा कि जब तक किसान और नौजवानों की पक्की नौकरी का इंतजाम नहीं होगा, तब तक जनता को कोई बड़ा लाभ नहीं पहुंचेगा। अगर हम उत्तरप्रदेश को देखें तो निवेश की स्थिति क्या है? इनके जो प्रोजेक्ट चल रहे हैं वे कभी समय पर पूरे नहीं हुए। अच्छी बात है कि बिहार और आंध्रप्रदेश को विशेष योजनाओं से जोड़ा गया है, लेकिन उत्तरप्रदेश जैसा राज्य जो प्रधानमंत्री देता है, क्या वहां के किसानों के लिए बजट में कुछ है?

रत्न विक्रेता — जय माता दी — रत्न विक्रेता
ज्योतिष ग्रहरत्न केन्द्र
ज्योतिष शास्त्र • वास्तु शास्त्र • हस्त शास्त्र • अंक शास्त्र
पंडित शशि कांत मिश्रा
पता - लाईन टैंक रोड, गोपाल गंज गली, ऑपोजिट-भुतपूर्व वारगेन बाजार, रांची
फोन :- 9334718296, 9835195382, 9431792761

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार, ***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**